राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 77 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शनिवार ,18 सितम्बर 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

प्रदेश में 21 से फिर शुरू होगी जन सुनवाई

भोपाल, (प्रसं)। प्रदेश में अब 21 सितंबर से सरकारी कार्यालयों में जन सुनवाई फिर शुरू होगी। प्रदेश में कोविड संक्रमण के कारण लंबे समय से इस पर रोक लगी हुई थी। अब प्रदेश में कोविड संक्रमण की स्थिति पूरी तरह नियंत्रित है। लिहाजा स्थिति सामान्य होने पर अब आला मैदानी अधिकारी जन सुनवाई कर सकेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में सभी विभागों के प्रमुख सचिवों के साथ ही विभागाध्यक्ष, संभागायुक्त और कलेक्टरों को इस संबंध में पत्र लिखा है। इसके साथ ही ताकीद भी किया है कि कोविड - 19 के प्रोटोकाल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

फ्लाईओवर का हिस्सा गिरा, 21 लोग घायल

मुंबई, (एजेंसी)। मुंबई के बांद्रा-कुर्ला काम्पलेक्स (बीकेसी) उपनगर इलाके में शुक्रवार को निर्माणाधीन फ्लाईओवर का एक हिस्सा गिर जाने से कम से कम 21 लोग घायल हो गए। अग्निशमन सूत्रों के मुताबिक बीकेसी मुख्य सड़क और सांताक्रुज-चेंबूर लिंक रोड को जोड़ने वाले एसईएलआर फ्लाईओवर का एक गर्डर सुबह करीब 04.45 बजे गिर गया, जिसके कारण 14 लोग घायल हो गए। पुलिस उपायुक्त (जोन-8) मंजूनाथ सिंगे ने बताया कि सभी घायलों को वीएन देसाई अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर है।

आधार से पैन को जोड़ने की अवधि छह माह बढ़ी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आधार से पैन को जोड़ने की अवधि छह महीने बढ़ाकर 31 मार्च 2022 कर दी गई है। इस कानून का पालन नहीं करने पर लगने वाले जुर्माना भी अब 31 मार्च 2022 तक नहीं लगेगा। वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा कि करदाताओं द्वारा की जा रही चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। आधार और पैन को जोड़ने की अवधि 30 सितंबर 2021 था जिसे अब बढ़ाकर 31 मार्च 2022 कर दिया गया है। इस कानून के तहत आधार व पैन को नहीं जोड़ने पर जुर्माने का प्रावधान है। इसके मद्देनजर इसका पालन नहीं करने वाले पर यह जुर्माना भी 31 मार्च 2022 तक नहीं लगेगा।

आतंकी हमले में रेल पुलिसकर्मी शहीद

श्रीनगर, (एजेंसी)। कुलगाम जिले में शुक्रवार शाम आतंकियों की गोलीबारी में रेलवे का एक पुलिसकर्मी शहीद हो गया। आधिकारिक सूत्रों ने इस आशय की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों ने कुलगाम के मुख्य चौक वानपोह पर रेल पुलिस के एक कांस्टेबल पर बहुत करीब से गोलीबारी की जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। कांस्टेबल की पहचान बुंटो शर्मा, पुत्र नाथजी के रूप में की गयी है। घायल कांस्टेबल को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां से उसे अनंतनाग के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया लेकिन वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी को मिले तोहफों की नीलामी शुरू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन के मौके पर उनको उपहार स्वरूप मिले सामानों की नीलामी की गई। ओलंपिक और पैरालंपिक में शामिल में शामिल खिलाड़ियों से मिले उनके स्पोर्ट्स इक्विपमेंट्स की बोली सबसे ऊँची लगी। इसमें ओलंपिक कांस्य पदक विजेता बॉक्सर लवलीना बोरगोहेन के ग्लव्स और नीरज चोपड़ा के भाले की सबसे ऊंची बोली लगाई गई। लवलीना के ग्लव्स का बेस प्राइस 80 लाख रुपए रखा गया था और यह 1.92 करोड़ में नीलाम हुआ। वहीं ओलंपिक गोल्ड मेडल विजेता नीरज चोपड़ा का भाला 1.5 करोड़ रुपए में बिका। इसका बेस प्राइस 1 करोड़ रुपए रखा गया था।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर रचा गया इतिहास

भारत में एक दिन में ढाई करोड़ से अधिक लगी वैक्सीन

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के मौके पर देश ने कोविड टीकाकरण के अभियान में शुक्रवार को एक विश्व कीर्तिमान कायम किया और एक दिन में ढाई करोड़ से अधिक टीके लगाने में कामयाबी पाई। इससे कुल वैक्सीनेशन 79 करोड़ के पार हो गया।

श्री मोदी ने कोविड के रिकॉर्ड संख्या में टीके लगाये जाने को देश के लिए गौरव का विषय बताते हुए इसके लिए स्वास्थ्य कर्मियों की सराहना की। उन्होंने ट्वीटर पर अपने एक संदेश में कह कि शुक्रवार के रिकॉर्ड टीकाकरण से हर भारतीय गौरवान्वित महसूस कर रहा होगा। टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के लिए मैं हमारे डॉक्टरों, नवाचारियों, प्रशासकों, नर्सों और स्वास्थ्य कर्मियों तथा सभी फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं की सराहना करता हूं।

आओ हम सब मिलकर कोविड को हराने के लिए टीकाकरण की गति को निरंतर बढ़ाते रहें। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हम सबकी यात्रा अभी जारी है और अभी काफी कुछ किया जाना बाकी है। उन्होंने कहा कि हम मजबूत, समृद्ध तथा समावेशी भारत के निर्माण के स्वतंत्रता सेनानियों के सपने के पूरा होने तक चैन से नहीं बैठेंगे।

भारत ने तोड़ा चीन का रिकार्ड

भारत ने इस मामले में शुक्रवार को चीन का रिकॉर्ड तोड़ा जहां एक दिन में लगभग दो करोड़ 8 लाख टीके लगाए जाने का रिकॉर्ड था। इससे पूर्व करीब पांच बजे देश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने टीकों का आंकड़ा दो करोड़ पार करने पर ट्वीट पर यह जानकारी दी थी। उन्होंने लिखा कि वैक्सीन सेवा को चरितार्थ करते हुए स्वास्थ्य कर्मियों एवं देशवासियों की तरफ से प्रधानमंत्री जी को उपहार। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के जन्मदिन पर शुक्रवार को भारत ने नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए एक दिन में 2.50 करोड़ टीके लगाने का ऐतिहासिक आँकड़ा पार किया है।

चौथी बार एक दिन में एक करोड़ से अधिक टीके लगाए गए

को-विन एप के अनुसार देर रात 12 बजे तक वैक्सीन की 2 करोड़ 50 लाख 10 हजार 390 डोज लगाए गए। देश में अब तक कुल 79 करोड़ टीके लगाए जा चुके हैं। एक महीने से भी कम समय में चौथी बार एक दिन में एक करोड़ से अधिक टीके लगाए गए। वैक्सीन की रफ्तार का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि हर सेकंड 527 से ज्यादा डोज लगाई जा रही हैं। यानी हर घंटे 19 लाख से ज्यादा डोज दी गई हैं।

हेल्थवर्कर्रों की कड़ी मेहनत से दुनिया को दिखी भारत की ताकतःनड्डा

नई दिल्ली । भारत ने शुक्रवार को कोरोना वैक्सीनेशन अभियान में नया मुकाम हासिल कर लिया। आज देश में दो करोड़ से अधिक वैक्सीन की खुराक लगाई गई है। भारतीय जनता पार्टी सुप्रीमो जगत प्रकाश नड्डा ने देश में कोरोना वैक्सीनेशन अभियान की सराहना की। उन्होंने कहा कि देश के हेल्थवर्कर्रों की कड़ी मेहनत से दुनिया को सशक्त भारत की झलक मिली है। दो करोड़ डोज का आंकड़ा पार करने की इस उपलब्धि को नड्डा ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में न्यू इंडिया का प्रतीक बताया।

वहीं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि भारत ने शुक्रवार को दोपहर 1.30 बजे तक एक करोड़ से अधिक वैक्सीनेशन के बाद कोरोना वैक्सीन लगाने का एक नया रिकार्ड बनाया, जिसने एक दिन में 1.33 करोड़ टीकाकरण के अपने पिछले रिकार्ड को तोड़ दिया।

गौरतलब है कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कुछ दिन पहले ही पार्टी की ओर से प्रशिक्षित किए गए सात लाख से ज्यादा स्वास्थ्य स्वयंसेवियों को टीकाकरण को लेकर संबोधित किया था। उससे पहले उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं और पार्टी के प्रदेश अध्यक्षों व संगठन महामंत्रियों के साथ चर्चा कर प्रधानमंत्री के जन्मतिथि के दिन टीकाकरण का रिकार्ड बनाने की रणनीति बनाई थी। दरअसल, भाजपा ने कोरोना की तीसरी लहर के दौरान लोगों की मदद लिए आठ लाख से अधिक कार्यकर्ताओं को स्वास्थ्य सेवाओं का प्रशिक्षण दिया था।

सितंबर में अब तक औसतन 75 लाख टीके रोज लगे- स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार एक दिन में दो करोड़ से अधिक डोज लगाने का आंकड़ा पार करना वैक्सीन की बढ़ती हुई सप्लाई को भी दिखाता है। इसके पहले सितंबर में प्रतिदिन औसतन लगभग 75 लाख टीके लगते रहे हैं। अगस्त महीने में यह 59 लाख और जुलाई में 43 लाख टीके प्रतिदिन था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आने वाले समय में टीकाकरण की रफ्तार प्रतिदिन औसतन एक करोड़ से अधिक हो जाएगी।

कैंसर की दवाओं पर जीएसटी घटाया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

45वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इसमें लिये गए फैसलों की जानकारी दी। कैंसर एवं जीवनरक्षक दवाओं पर जीएसटी घटाया है।

- **कोरोना दवाइयों पर घटी जीसएटी दर 31 दिसंबर तक बढ़ाई**
- **पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में नहीं लाया जाएगा**

कोरोना दवाओं पर घटी हुई जीएसटी दर की समय सीमा 31 दिसंबर की है। काउंसिल की बैठक में तया हुआ कि फिलहाल पेट्रोल-डीजल जीएसटी के दायरे से बाहर रहेगा। डीआरडीओ द्वारा विकसित डीओक्सी डी ग्जूकोज के साथ ही ईटोलिजूम्ब, पोसाबोनाजोल, इंफ्लिक्सींब, बाम्लानिविंब, फैविपैराविर आदि दवाओं पर भी जीएसटी को 12 प्रतिशत से कम कर पांच प्रतिशत करने का निर्णय लिया गया है।

16 करोड़ रुपए की दवा पर घटा जीएसटी: व्यक्तिगत उपचार के लिए 16 करोड़ रुपए मूल्य वाली दवाएं जोल्गेंस्मा और विल्टेप्सो को स्वास्थ्य मंत्रालय के सुझाव पर जीएसटी से छूट देने का निर्णय लिया गया है। निर्मला ने कहा कि कुछ जीवनरक्षक दवाओं को जीएसटी से छूट दी गई है। ये दवाएं कोरोना से जुड़ी नहीं हैं लेकिन बेहद महंगी है। उन्होंने कहा, मैं ऐसी दो दवाओं के नाम ले रही हूं जो बेहद महंगी हैं। ये हैं जोलगेंज्मा और विलटेस्पो। यह छूट पर्सनल यूज के लिए आयात की जाने वाली दवाओं पर मिलेगी। अब तक इन पर 12 फीसदी जीएसटी लगता था। इसके अलावा कैंसर के इलाज में इस्तेमाल दवा पर जीएसटी 12 से घटाकर 5 फीसदी कर दी है। दिव्यांगों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली वाहनों की रेट्रो फिटमेंट किट पर जीएसटी घटाकर 5 फीसदी कर दिया गया है। (शेष-पेज 4 पर)

पंजाब के सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह की कृषि कानूनों पर मांग, कहा- किसानों से तुरंत बात करे केंद्र सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा कृषि कानूनों को लाए हुए एक साल हो गया है. इस मौके पर पंजाब के सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह किसानों से बातचीत कर आंदोलन को खत्म करने का रास्ता निकाले. उन्होंने तीनों कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग की है. मुख्यमंत्री ने कहा कि आंदोलन में कई किसानों की जान जा चुकी है. अब वक्त आ गया है कि केंद्र सरकार किसानों और राष्ट्रहित में कानूनों को वापस ले.

कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि नए कृषि कानूनों को तुरंत रद्द कर उसकी जगह किसानों की मांग के मुताबिक नया बिल पेश करे. सीएम शुक्रवार को लुधियाना में पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी की और से आयोजित किए गए दो दिवसीय किसान मेले को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे. ये मेला 'करी पराली दी संभल, धरती मां होवे खुशहाल' विषय पर केंद्रित है, जो राज्य सरकार के पराली जलाने को खत्म करने पर केंद्रित है. मेले के उद्घाटन के बाद अमरिंदर सिंह ने कहा कि समझ से परे है कि सरकार को किसानों की तकलीफ क्यों नही महसूस हो रही है. किसान पिछले एक साल से अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं.

कृषि कानूनों को खत्म करने के लिए की संशोधन की मांग- तीन कृषि कानूनों के विरोध में कई किसानों की मौत की ओर इशारा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार को अपनी गलती का एहसास होने और किसानों और राष्ट्र के हित में कानूनों को वापस लेने का समय आ गया है. संविधान में 127 संशोधनों का हवाला देते हुए, सिंह ने पूछा कि कृषि कानूनों को खत्म करने के लिए एक और संशोधन क्यों संभव नहीं है? मुख्यमंत्री ने कहा, भारत के विकास और प्रगति में किसानों के योगदान को देखते हुए आज किसानों के साथ जो हो रहा है वह अत्यंत दुखद है. कैप्टन अमरिंदर सिंह ने बताया कि पिछले साल केंद्र ने उनसे पंजाब के किसानों को दिल्ली जाने से रोकने के लिए कहा था, लेकिन उन्होंने ऐसा करने से इनकार कर दिया था.

किसानों से की पानी बचाने की अपील

अमरिंदर सिंह ने कहा कि विरोध किसानों का लोकतांत्रिक अधिकार है. देश के विकास में पंजाब और उसके किसानों के योगदान का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का केवल 1.53 प्रतिशत है. पर देश का लगभग 18 प्रतिशत गेहूं, 11 प्रतिशत धान, 4.4 प्रतिशत कपास और 10 प्रतिशत दूध का उत्पादन करता है. मुख्यमंत्री ने पंजाब में तेजी से गिर रहे जलस्तर पर भी चिंता जताई.

उन्होंने किसानों से अपील की वो पानी बचाने के लिए कृषि विविधीकरण को अपनाएं. कृषि विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार खेती करें. अगर अभी से पानी बचाने को लेकर नही सोचा तो हालात बदतर हो सकते हैं.

दिल्ली में वायु प्रदूषण रोकने के लिए एक्शन में आई केजरीवाल सरकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि केजरीवाल सरकार दिल्ली में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने को लेकर एक्शन में है। श्री राय ने शुक्रवार को निजी निर्माण एजेंसियों के साथ बैठक कर धूल प्रदूषण रोकने के लिए जारी 14 सूत्रीय दिशा-निर्देशों का शत प्रतिशत पालन करने के सख्त निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में निर्माण कार्य में जुटी निजी एजेंसियों को धूल प्रदूषण रोकने के लिए जारी मानदंडों को 15 दिनों के अंदर पूरा करना होगा। सभी निजी एजेंसियां अपनी निर्माण साइट पर समीक्षा बैठक करें कि अभी किन-किन दिशा-निर्देशों का पालन हो रहा है और किन-किन नहीं हो रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि विंटर एक्शन प्लान के तहत मानदंडों का पालन नहीं करने वाली निजी एजेंसियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे।

14 सूत्रीय दिशानिर्देश जारी

1. निर्माण स्थल के चारों तरफ ऊंची दीवार खड़ी करना।
2. 20 हजार वर्गमीटर से अधिक के निर्माण क्षेत्र पर एन्टी स्मोग गन लगाना होगा।
3. तिरपाल या ग्रीन नेट से ढकना होगा।
4. मालवाहक गाड़ियों की साफ सफाई करनी होगी।
5. निर्माण सामग्रियों को खुले में नहीं रखना होगा।
6. पत्थरो की कटिंग खुले जगहों पर नहीं होगी।
7. धूल से बचाव के लिए समय समय पर पानी का छिड़काव होगा।
8. चिन्हित साइट पर ही वेस्ट मटेरियल का निष्पादन होगा।
9. निर्माण स्थल पर कर्मचारियों के चिकित्सा के उचित प्रबंध होंगे।
10. निर्माण स्थल पर डस्ट मास्क उपलब्ध कराने होंगे।
11. अलोटेड जगहों पर ही निर्माण सामग्रियों को रखना होगा।
12. बालू और मिट्टी को ढक रखकर होगा।
13. ब्लॉक टॉप की सड़क बनाई जाएगी कंस्ट्रक्शन साइट पर।
14. सार्वजनिक बोर्ड को लगाना होगा।

सोनू सूद पर आयकर सर्वे तीसरे दिन भी

मुंबई, (एजेंसी)। अभिनेता सोनू सूद के घर और दफ्तर समेत छह ठिकानों पर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की रेड लगातार तीसरे दिन भी जारी है। सूत्रों ने दावा कि या है कि आयकर विभाग को इस छापेमारी में पर्सनल फाइनेंस से जुड़े एक मामले में टैक्स की गड़बड़ी की जानकारी मिली है। शूटिंग के लिए सोनू ने जो पैसे लिए थे, उनमें भी अनियमितताएं मिली हैं। इसके बाद इनकम टैक्स विभाग सोनू के चैरिटी फाउंडेशन के अकाउंट की जांच भी कर रहा है। जांच टीम लगातार उनके मुंबई और लखनऊ के ठिकानों पर रिकॉर्ड खंगालने में जुटी है। अधिकारियों ने सोनू के घर पर मौजूद उनके परिवार और स्टाफ से भी पूछताछ की है। इस बीच एक समाचार एजेंसी ने एक सूत्र के हवाले से जानकारी दी है कि सोनू सूद ने विदेशी योगदान विनिमय अधिनियम (एफसीआरए) से जुड़े नियम तोड़े थे। इसको लेकर ही छापेमारी को अंजाम दिया है।

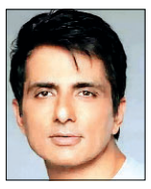

कृषि कानून को लेकर अकाली दल का हल्ला बोल, सुखबीर सिंह बादल बोले- पूरा देश केंद्र के खिलाफ

नई दिल्ली । तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों को पास हुए एक साल से पूरे हो गए हैं। 17 सितंबर, 2020 को किसानों के हितों के मद्देनजर नरेंद्र मोदी सरकार ने 3 केंद्रीय कृषि कानून पास किए थे, लेकिन इसका विरोध भी जारी है। इस बीच तीनों कृषि कानूनों को पास हुए एक साल पूरे होने पर शिरोमणि अकाली दल शुक्रवार को काला दिवस मना रहा है।

विरोध की कड़ी में शिरोमणि अकाली दल की अगुवाई में संसद तक एक मार्च भी निकाला। मार्च के मद्देनजर दिल्ली पुलिस ने कई जगहों पर बैरिकेडिंग की थी, जिससे जगह-जगह रास्ते बंद रहे। नई दिल्ली में तो धारा 144 लागू कर दी गई थी। ऐसे में लोगों को जगह-जगह जाम का सामना करना पड़ा। वहीं, नियमों का उल्लंघन करने पर दिल्ली पुलिस ने 11 अकाली कार्यकर्ताओं पर मामला दर्ज किया है।

शुक्रवार को अकाली दल के कार्यकर्ताओं का रकाबगंज गुरुद्वारा से संसद भवन तक मार्च निकाला है। इस मार्च में पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री और अकाली दल नेता सुखबीर सिंह बादल भी शामिल हुए। बताया जा रहा है कि मार्च में पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर ने भी शिरकत की।

यहां पर बता दें कि 17 सितंबर, 2020 को लोकसभा में तीनों कृषि कानून पास हुए थे और देर शाम हरसिमरत कौर ने अपना इस्तीफा दिया था।

बता दें कि इस विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम में अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल समेत पंजाब से आए कई बड़े नेता और सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता शामिल हैं। वैसे दिल्ली पुलिस द्वारा कई रोड बंद करने के बाद शिरोमणि अकाली दल के नेता सुखबीर बादल ने कहा था कि हमारे लोगों को रास्ते में रोका जा रहा है. सरकार हमारे पीसफुल प्रोटेस्ट को रोकना चाह रही है. इसके अलावा उन्होंने चेतावानी भरे अंदाज में कहा कि यह प्रोटेस्ट होकर रहेगा. हालांकि दिल्ली पुलिस की तमाम कवायद के बाद भी अकाली दल ने गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब से संसद भवन के लिए मार्च निकालने में सफलता हासिल की है. दिल्ली पुलिस के मुताबिक, शिरोमणि अकाली दल के नेताओं को हिरासत में लिया गया और उन्हें संसद मार्ग पुलिस स्टेशन ले जाया जा रहा है. इस दौरान शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने कहा कि हम यहां पीएम मोदी को संदेश देने आए हैं कि पूरा पंजाब नहीं बल्कि पूरा देश उनकी सरकार के खिलाफ है.

जानकारी के मुताबिक, अकाली दल के मार्च को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने बहादुरगढ़ के झाड़ोदा कलां बॉर्डर पर बैरिकेडिंग की है. इसके अलावा निजामपुर बॉर्डर, सिद्दीपुर गांव समेत अन्य सभी बॉर्डर बंद कर दिए हैं. वहीं, इससे पहले ट्रैफिक पुलिस ने गुरुद्वारा रकाबगंज रोड, आरएमएल हॉस्पिटल, जीपीओ, अशोका रोड और बाबा खड़क सिंह मार्ग से भी लोगों को बचने की सलाह दी थी. यही नहीं, दिल्ली पुलिस ने शंकर रोड पर पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की है.

पुलिस और सीआरपीएफ ने लोगों को रोक, मेट्रो के दो स्टेशन बदं

शिरोमणि अकाली दल के मार्च में शामिल होने के लिए पंजाब से दिल्ली आए वाहनों को सीआरपीएफ और दिल्ली पुलिस के जवानों ने गुरुवार रात को बॉर्डर से वापस कर दिया था. वहीं, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने कई रूट्स से लोगों को बचने की सलाह दी थी. इसके अलावा केंद्र सरकार के तीन नये कृषि कानूनों के खिलाफ शिरोमणि अकाली दल के आंदोलन को देखते दिल्ली मेट्रो ने भी बड़ा कदम उठाया है. डीएमआरसी ने पंडित श्रीराम शर्मा और बहादुरगढ़ सिटी मेट्रो स्टेशन बंद कर दिए हैं.

पीएम मोदी के जन्मदिन पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुरू की रेल कौशल विकास योजना, 50 हजार लोगों को होगा फायदा

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके 71वें जन्मदिन पर बधाई देते हुए शुक्रवार को रेल कौशल विकास योजना की शुरुआत की.वैष्णव ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'मैं हमारे प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं.उन्होंने न केवल भारत, बल्कि दुनिया को भी एक दिशा दी है.

आगे बोलते हुए उन्होंने कहा, 'आज रेलवे हमारे पीएम को एक छोटा सा तोहफा दे रहा है. 'वंचितों का कौशल विकास और उत्थान उनके दिल के बेहद करीब है. इसे ध्यान में रखते हुए, हम रेलवे कौशल विकास योजना शुरू कर रहे हैं, जो 50,000 लोगों को कौशल में प्रशिक्षण प्रदान करेगा जो आज दुनिया में प्रासंगिक हैं.' मंत्री के अनुसार यह योजना सभी के लिए निःशुल्क है.

रोजगार समेत ये है उद्देश्य

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने विस्तार से बताते हुए कहा, 'इस योजना से संबंधित कार्यक्रम दूर-दराज के स्थानों पर आयोजित किए जा रहे हैं जहां बहुत सारी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं. हम एक मोबाइल स्किल डेवलपमेंट यूनिट भी बनाएंगे, जो बहुत दूर-दराज के इलाकों में यात्रा कर सके. इसका उद्देश्य लोगों को जहां रोजगार पहुंचाना है वहां रोजगार हासिल करने के लिए ट्रेनड करना है.'रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया,अभी इसके लिए 4 ट्रेड तय किए हैं, जो फिटर, वेल्डर, मशीनिंग और इलेक्ट्रीशियन हैं. ये चारों बहुत जरूरी है, किसी भी इंडस्ट्री में इसकी जरूरत रहती ही है. हालांकि, अभी भी रेलवे की तरफ से एक्स अप्रेंटिस के तहत लोगों को ट्रेनिंग दी जाती है और साथ ही उन्हें स्कॉलरशिप भी मिलती है. पहले तो अप्रेंटिस करने वाले सभी लोग रेलवे में ही नौकरी भी करने लगते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं है. फिर भी इन लोगों को तमाम टेस्ट में करीब 30 फीसदी की छूट मिलती है.

अश्विनी वैष्णव ने तमाम सेंटर्स के हेड से गुहार लगाई कि आने वाले दिनों में इंस्ट्रूमेंटेशन, सिग्नलिंग से जुड़े काम, कॉन्क्रीट मिक्सिंग, रॉड बेंडिंग, कॉन्क्रीट टेस्टिंग, इलेक्ट्रॉनिक कार्ड रिप्लेसमेंट जैसे ट्रेड को भी जोड़े जाने की बात कही है. ये सारे ट्रेनिंग सेंटर रिमोट एरिया में हैं और पीएम मोदी का विजन भी यही है कि समाज के आखिरी छोर तक लाभ पहुंचे.

अश्विनी वैष्णव ने सभी ट्रेनिंग लेने वालों से कहा कि वह इस काम को मजे लेकर करें. वेल्डिंग, सोल्डरिंग जैसे काम को भी मजे से करें.

हाईकोर्ट चीफ जस्टिस के लिए 8 नाम अनुशंसित

कॉलेजियम ने उच्च न्यायालयों में मुख्य न्यायाधीश पद पर नियुक्ति के लिए की नामों की सिफारिश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम ने देश में एक साथ आठ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। ऐसा पहली बार है जब कॉलेजियम ने एक साथ इतने चीफ जस्टिस की नियुक्ति को मंजूरी दी हो। इसके अलावा कॉलेजियम ने करीब दो दर्जन से ज्यादा हाईकोर्ट के जजों के तबादले को भी अपनी मंजूरी दे दी है।

चीफ जस्टिस एन वी रमना की अध्यक्षता वाले तीन जजों के कॉलेजियम ने ये फैसला लिया। इसके साथ ही विभिन्न हाईकोर्ट के चार मुख्य न्यायधीशों का भी तबादला किया। जजों की नियुक्ति और तबादले का फैसला एक मैराथन मीटिंग के बाद लिया गया। इस संबंध में बैठक गुरुवार और शुक्रवार को हुई। सूत्रों के मुताबिक कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस राजेश बिंदल का तबादला इलाहाबाद हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस के तौर पर हुआ है। त्रिपुरा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अकिल कुरैशी का तबादला राजस्थान हाईकोर्ट के लिए हुआ है। इसके अलावा आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मेघालय, गुजरात और मध्यप्रदेश हाईकोर्ट को भी नए चीफ जस्टिस मिलेंगे।

वर्चुअल सुनवाई को मौलिक अधिकार घोषित करने संबंधी याचिका दाखिल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश के उच्च न्यायालयों में वर्चुअल सुनवाई को बंद करने पर स्थगनादेश जारी करने और वर्चुअल सुनवाई को मौलिक अधिकार घोषित करने संबंधी एक और याचिका उच्चतम न्यायालय के समक्ष दायर की गई है। पूर्व मुंबई पुलिस आयुक्त जुलियो रिबेरियो, पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त शैलेष आर गांधी एवं नेशनल फेडरेशन ऑफ सोसाइटिज फॉर फास्ट जस्टिस की ओर से यह याचिका दाखिल की गई है, जिसमें सभी उच्च न्यायालयों में वर्चुअल सुनवाई समाप्त करने के किसी भी फैसले पर रोक लगाने की मांग की गई है और सुनवाई के इस माध्यम को मौलिक अधिकार घोषित करने का न्यायालय से अनुरोध किया गया है। याचिका एडवोकेट सिद्धार्थ आर गुप्ता ने तैयार की है, जबकि इसे एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड मृगांक प्रभाकर के जरिये दाखिल की गई है।

संक्षिप्त समाचार

तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के हमले में मारे गए 7 पाक सैनिक

इस्लामाबाद । अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे से खुश होने वाले पाकिस्तान को अब झटके लगने शुरू हो गए हैं। तहरीक-ए-तालिबान ने अब पाकिस्तान में हमले तेज कर दिए हैं और इसी कड़ी में उसके सैनिक मारे जा रहे हैं। सैन्य सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, देश के उत्तरी वजीरिस्तान कबायली क्षेत्र में पाकिस्तानी तालिबान द्वारा किए गए हमले में सात सैनिक मारे गए हैं। सूत्रों ने बताया कि हमला रातों-रात असम मांजा इलाके में किया गया। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने पड़ोसी दक्षिण वजीरिस्तान में हमले के साथ-साथ एक आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी ली थी, जिसमें एक सैनिक की जान चली गई थी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी कबायली क्षेत्रों ने लंबे समय से चरमपंथी समूहों के लिए शरण के रूप में कार्य किया है। वर्षों तक सेना ने आतंकवादियों के क्षेत्र को खाली करने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया और कई लड़ाके अफगानिस्तान में चले गए या पहाड़ी इलाकों में छिप गए। उत्तर और दक्षिण वजीरिस्तान में ताजा हमले अफगान तालिबान द्वारा काबुल में पश्चिमी समर्थित सरकार को गिराने के एक महीने बाद हुए हैं। पाकिस्तानी अधिकारियों ने हाल के हफ्तों में अफगान तालिबान नेताओं के साथ मुलाकात की है। कथित तौर पर मांग की है कि कट्टरपंथी इस्लामी समूह टीटीपी आतंकवादियों पर लगाम लगाए, जिनके बारे में कहा जाता है कि वे अफगानिस्तान में सीमा पार शरण का आनंद लेते हैं।

तालिबानी कब्जे के बाद अफगानिस्तान में गहराया बच्चों की सुरक्षा का मुद्दा, संयुक्त राष्ट्र ने जताई चिंता

काबुल । अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद से वहां रहे रहे लोगों की सुरक्षा को लेकर लगातार प्रश्न उठ रहा है. एक बार फिर से वहां रह रहे बच्चों की सुरक्षा को लेकर संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी ने चिंता प्रकट की है. एक रिपोर्ट में यह सामने आया है कि अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद से बच्चों की सुरक्षा का मुद्दा गहरा रहा है. यहां पर बच्चों द्वारा उच्च स्तर की हिंसा को सहन किया गया है. ऐसे में संयुक्त राष्ट्र के विशेष प्रतिनिधि वर्जीनिया गाम्बा ने चिंता प्रकट की है. इंटरनेशनल फोरम फार राइट्स ने कहा, 'अफगानिस्तान बच्चों के लिए सबसे खतरनाक जगहों में से एक बना हुआ है. मैं अफगानिस्तान में बच्चों द्वारा निरंतर और बढ़ते उच्च स्तर की हिंसा से स्तब्ध हूं, जिसमें युद्ध में पकड़े गए बच्चे भी शामिल हैं.' अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन की मध्य वर्ष की रिपोर्ट भी अफगानिस्तान के बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता प्रकट की है. रिपोर्ट में इस साल 1 जनवरी से 30 जून के बीच बच्चों के हताहत होने की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई गई है. इस दौरान सभी नागरिक हताहतों में से लगभग 32 प्रतिशत बच्चे हताहत हुए, जिनमें से 20 प्रतिशत लड़के थे और 12 प्रतिशत लड़कियां थी. 1,682 बच्चे हताहतों के रूप में दर्ज किए गए. इस साल 2020 के पहले छह महीनों की तुलना में 55 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है. इस साल लड़कियों की हताहतों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई, जो द्धरूद्वारा दर्ज किए गए उच्चतम स्तर को चिह्नित करती है, और लड़के हताहतों की संख्या में भी 36 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. ऐसे में तालिबान के कब्जे के बाद तो और भी चिंता बढ़ गई है.

ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन को बताया बेवकूफ इंसान, कहा- 2024 तक अमेरिका खत्म हो जाएगा

वॉशिंगटन । अपने दावों और कई बड़े झूठ बोलने के लिए मशहूर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर सुर्खियों में हैं. उन्होंने कहा है कि आने वाले राष्ट्रपति चुनाव तक अमेरिका पूरी तरह से खत्म हो जाएगा. एक टीवी शो को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने बाइडन, उनकी पॉलिसी और अफगानिस्तान से अमेरिकी फौजों के वापसी को लेकर कई बड़े बयान दिए. यहां तक कि उन्होंने बाइडेन को बेवकूफ इंसान तक कह डाला.

मेरे साथ चुनावों में धांधली हुई- ट्रंप

ट्रंप ने अपने पूर्व सेक्रेटरी शॉन स्पाइसर के शो स्पाइसर न्यूजमैक्स में बाइडेन पर हमला बोलते हुए कहा कि अमेरिका बीते 8 महीनों में काफी नीचे चला गया है. अमेरिका के ऐसे हालातों की कल्पना कभी भी नहीं की थी. अगले 3 सालों में हमारा देश खत्म हो जाएगा. साल 2022 और 2024 में जो चुनाव होंगे, उस दौरान हमारा देश कमजोर हो जाएगा . ट्रंप ने कहा कि 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में मेरे खिलाफ धांधली हुई थी.

क्या चुनाव लड़ेंगे ट्रंप - शॉन स्पाइसर ने पूछा कि क्या आप एक बार फिर से चुनाव लड़ना चाहेंगे, इस पर ट्रंप ने कहा, अभी कोई कमेंट नहीं कर सकता. लेकिन अगर ऐसा करूंगा तो तुम्हें काफी खुशी होगी. मुझे लगता है कि अमेरिका के लोग मुझसे प्यार करते हैं और वह बहुत खुश होंगे. उन्होंने कहा कि अगर वह चुनाव लड़ने का फैसला करते हैं तो देश एक बार फिर से बेहतरी की ओर बढ़ जाएगा. इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि 2022 में होने वाले चुनाव के दौरान रिपब्लिकंस की परफॉर्मेंस के बाद ही अपने राष्ट्रपति की दावेदारी को लेकर कोई फैसला लेंगे. ट्रंप ने बाइडेन की पॉलिसी को लेकर भी उन्हें आड़े हाथों लिया. उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में फौजों के जाते ही तालिबान आकर बैठ गया. कई देश वहां अब मानवाधिकारों को लेकर अपनी चिंता जता चुके हैं. इस समय पूरी दुनिया हमारा मजाक उड़ा रही है. ये बेहद शर्मनाक है. उन्होंने कहा कि बाइडेन बेवकूफ है. लेकिन लोगों को डरने की जरूरत नहीं है, क्योंकि हम अमेरिका को एक बार फिर महान बनाएंगे.

एलन मस्क की कंपनी ने रचा इतिहास, 4 आम लोगों को रॉकेट से स्पेस में भेजा

वॉशिंगटन । अमेरिकी कारोबारी एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने इतिहास रच दिया. स्पेसएक्स ने भारतीय समयानुसार सुबह 5:33 बजे पहली बार 4 आम लोगों को अंतरिक्ष में भेजा. नासा के फ्लोरिडा स्थित कैनेडी स्पेस रिसर्च सेंटर से फॉल्कन-9 रॉकेट की लॉन्चिंग हुई. इसके करीब 12 मिनट बाद ड्रैगन कैप्सूल रॉकेट से अलग हो गया. यह कैप्सूल 357 मील यानी करीब 575 किलोमीटर की ऊंचाई पर पृथ्वी की कक्षा में तीन दिन चक्कर लगाएगा. 2009 के बाद पहली बार इंसान इतनी ऊंचाई पर पहुंचा है. मई 2009 में वैज्ञानिक हबल टेलिस्कोप की रिपेयरिंग के लिए 541 किलोमीटर की ऊंचाई पर गए थे. इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर अंतरिक्ष यात्रियों का आना-जाना लगा रहता है, लेकिन यह 408 किलोमीटर की ऊंचाई पर है। इस मिशन को इंस्पिरेशन 4 नाम दिया गया है. स्पेसएक्स की यह उड़ान फाल्कन 9 रॉकेट द्वारा संचालित है. इस तरह के दल को अंतरिक्ष मिशन पर भेज कर यह संकेत देने की कोशिश की जा रही है कि अंतरिक्ष अब सबके लिए खुल रहा है. इस प्रोजेक्ट के पीछे हैं अरबपति व्यापारी जैरेड आइजैकमैन. जैरेड आइजैकमैन ने ही अपने खर्च पर इस पूरे मिशन को किराए पर ले लिया था और फिर तीन तीन अनाम लोगों को उनके साथ चलने के लिए आमंत्रित किया.उनके सहयात्रियों को चुनने के लिए एक अनूठी चयन प्रक्रिया को अपनाया गया.

क्या है इस मिशन का मकसद- इस मिशन का मकसद अमेरिका के टैनेसी स्थित सेंट जूड चिल्ड्रन रिसर्च हॉस्पिटल के लिए फंडिंग जुटाना है. मिशन को लीड कर रहे आइजैकमैन इससे 20 करोड़ डॉलर जुटाना चाहते हैं. इसकी आधी रकम वे खुद देंगे. इस मिशन से कैंसर के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई जाएगी. मिशन के सदस्यों को अलग-अलग ह्यूमन वैल्यू दी गई हैं. जैसे लीडरशिप, होप, इंस्पिरेशन और प्रॉस्पैरिटी. मिशन की एक सदस्य सेंट जूड चिल्ड्रन रिसर्च हॉस्पिटल में फिजिशियन असिस्टेंट भी हैं और कैंसर सर्वाइवर हैं. उनका कैंसर का इलाज इसी हॉस्पिटल में हुआ है.

कैप्सूल में हैं ये लोग

1- मिशन की पूरी कमांड जेयर्ड आइजैकमैन के हाथों में है. वह शिफ्ट4पेमेंट नामक पेमेंट कंपनी के फाउंडर और ष्टश्वह्र हैं. आइजैकमैन प्रोफेशनल पायलट हैं और अपनी पायलट ट्रेनिंग कंपनी के जरिए अमेरिकी एयरफोर्स के पायलट्स को ट्रेनिंग देते हैं., 2- हेयली आर्केनो कैंसर सर्वाइवर हैं. 29 साल की हेयली अंतरिक्ष में जाने वाली सबसे कम उम्र की अमेरिकी नागरिक हैं. उन्हें हड्डियों का कैंसर था और उनका इलाज टैनेसी के सेंट जूड हॉस्पिटल में हुआ था., 3- 51 साल की शॉन प्रोक्टर एरिजोना के एक कॉलेज में जियोलॉजी की प्रोफेसर हैं. इससे पहले वह कई बार नासा के स्पेस प्रोग्राम में पार्टिसिपेट कर चुकी हैं., 4- 42 साल के क्रिस सेम्ब्रोस्की अमेरिकी एयरफोर्स के पायलट रहे हैं और इराक युद्ध में भी शामिल थे. फिलहाल क्रिस एयरोस्पेस और डिफेंस निर्माता कंपनी लॉकहीड मार्टिन के साथ काम कर रहे हैं.

अमेरिका में जो बाइडेन के होमटाउन में लगे पोस्टर्स, रॉकेट लॉन्चर लिए हुए राष्ट्रपति को बताया गया तालिबानी आतंकी

वॉशिंगटन, एजेंसी । तालिबान पर अफगानिस्तान के कब्जे के साथ ही अमेरिका में डेमोक्रेट राष्ट्रपति जो बाइडेन के खिलाफ गुस्सा बढ़ता जा रहा है. बाइडेन को इस गुस्से की वजह से खुद के लिए 'तालिबानी आतंकी' जैसा शब्द तक सुनना पड़ रहा है.

अफगानिस्तान में 20 साल का युद्ध क्या खत्म हुआ, राष्ट्रपति बाइडेन के लिए स्थितियां ही पलट गईं. ठीक एक साल पहले तक वो लोकप्रियता के नए आयामों को छू रहे थे. एक साल बाद लोग उन्हें आतंकी तक कहने से पीछे नहीं हट रहे हैं. ताजा घटना उनके होमटाउन पेंसिलवेनिया की है जहां पर बिलबोर्ड्स लगे हैं और उनके बाइडेन को बिल्कुल किसी तालिबानी आतंकी की तरह रॉकेट लॉन्चर के साथ दर्शाया गया है.

पेंसिलवेनिया में ही जन्में हैं जो बाइडेन- जो बाइडेन का जन्म पेंसिलवेनिया राज्य में ही हुआ है. ऐसे में यहां के लोगों का यह गुस्सा उनके लिए दिल दुखाने वाला हो सकता है. बिलबोर्ड्स पर लिखा है 'Making the Taliban great again' और इसके साथ ही बाइडेन की तस्वीर लगी है. अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक बिलबोर्ड्स एड्स के पीछे पेंसिलवेनिया के पूर्व सीनेटर स्कॉट वैगनर का दिमाग है. दरअसल वैगनर पिछले कई दिनों से अफगानिस्तान की स्थिति पर अमेरिकी प्रतिक्रिया को लेकर खुलेआम नाराजगी जाहिर कर रहे हैं. बताया जा रहा है कि वैगनर इन एड्स के लिए करीब 15,000 डॉलर खर्च किए हैं ताकि उनका गुस्सा सबके सामने आ सके.

सीनेटर ने कहा-मजाक उड़ाने में शर्म कैसी- वैगनर ने यॉर्क डेली रिकॉर्ड्स के साथ बातचीत में कहा, 'उन तमाम पूर्व सैनिकों पर आप क्या कहेंगे जिन्होंने अफगानिस्तान युद्ध में हिस्सा लिया था.' वैगनर की मानें तो अफगानिस्तान की स्थितियां वियतनाम से भी ज्यादा खराब हैं. पेंसिलवेनिया के I-83 यॉर्क काउंटी पर लगा बिलबोर्ड अब सबका ध्यान अपनी तरफ खींच रहा है. यॉर्क डेली रिकॉर्ड ने बताया है कि पूर्व सीनेटर ने कई मिलिट्री वेटरन से मुलाकात की है जिन्होंने अफगानिस्तान वॉर में हिस्सा लिया था.

वैगनर का कहना है कि बहुत से सैनिक ऐसे हैं जिन्होंने अपनी पूरी जिंदगी कुर्बान कर दी. न सिर्फ उन्होंने अपने अंग लड़ते हुए गंवा बल्कि 20 साल तक चले इस युद्ध में उनकी मनोवैज्ञानिक स्थिति भी बेहद खराब हो चुकी है. वैगनर को अब ऐसे में बाइडेन का मजाक उड़ाने में न तो कोई शर्म है और न ही कोई पछतावा. वो मानते हैं कि ऐसे वापस आने के बाद बाइडेन इसके ही हकदार हैं.

वैगनर ने दिलाई चुनावी स्लोगन की याद- 'Making the Taliban great again' लोगों को पिछले साल राष्ट्रपति चुनावों के समय बाइडेन की तरफ से दिए गए स्लोगन 'मेकिंग अमेरिका ग्रेट अगेन' की याद दिला रहा है. वैगनर का कहना है कि इस बिलबोर्ड के बाद लोगों को यह नहीं समझना चाहिए कि वो पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सपोर्टर हैं.

ट्रंप को लेकर भी उनमें वहीं गुस्सा है. मगर उनका मानना है कि अगर ट्रंप ने एक गलती की तो बाइडेन भी उसी गलती पर चलने लगे, यह बात बिल्कुल गलत है. काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद अमेरिका में एक सर्वे हुआ था. इस सर्वे के नतीजों के मुताबिक अगर आज अमेरिका में चुनाव होते हैं तो बाइडेन को ट्रंप के मुकाबले इतिहास की सबसे बड़ी हार का मुंह देखना पड़ सकता है.

थाईलैंड में विरोध दर्ज कराने का अनोखा तरीका, बेकार खड़ी टैक्सियों पर सब्जी उगा रहे लोग

बैंकाक । कोरोना वायरस संकट के कारण दुनियाभर में विभिन्न व्यवसाय प्रभावित हुए हैं. कुछ ऐसा ही थाईलैंड में भी देखने को मिला है. जिसके चलते लोग विरोध दर्ज कराने के लिए टैक्सी के ऊपर सब्जियां उगा रहे हैं. थाईलैंड में 'रूफटॉप गार्डन' का नजारा अब काफी बदल गया है और कोरोना वायरस संकट की वजह से बेकार खड़ीं टैक्सियों की छतों पर सब्जियों की खेती की जाने लगी है. इसके लिए इस हफ्ते दो टैक्सी संगठनों के कर्मचारी एकत्रित हुए थे.

उन्होंने अपनी टैक्सियों की छतों पर मिट्टी और पानी का इस्तेमाल कर टमाटर, खीरा और दूसरी सब्जियों की खेती की शुरुआत की. कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिए लगाए गए प्रतिबंधों के चलते रात्चापुरक और बोवोर्न टैक्सी संगठनों की इस समय केवल 500 टैक्सियां सड़कों पर चल रही हैं और 2,500 टैक्सी बेकार खड़ी हैं. टैक्सी संगठन से जुड़े थापाकोर्न अससावलेरत्कुल ने कहा कि महामारी के चलते बंद हुए कारोबार की वजह से पहली और दूसरी लहर के दौरान हजारों चालक अपनी टैक्सियां छोड़कर अपने गांवों को लौट गए हैं.

उन्होंने कहा कि स्थिति ऐसी है कि टैक्सी कंपनियां भरी संकट में हैं और अगर जल्द मदद नहीं मिली तो परेशानी और विकट हो जाएगी. थापाकोर्न ने कहा, 'टैक्सियों की छतों पर सब्जियों की खेती विरोध प्रकट करने और मेरे कर्मचारियों का पेट भरने-दोनों के लिए है. छतों के ऊपर सब्जियां उगाने से टैक्सियों को कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा क्योंकि उनमें से ज्यादातर पहले ही क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं. इंजन टूट गए हैं और टायर सपाट हो गए हैं. ऐसा कुछ नहीं है जो किया जा सकता है. यही एक आखिरी विकल्प है.'

पर्यटकों की कमी से टैक्सी बिजनेस ठप्प- थाईलैंड में कोरोना वायरस का प्रसार रोकने के लिए बीते कुछ महीनों से सख्त कोविड प्रतिबंध लगाए गए हैं. जिसमें रात का कर्फ्यू भी शामिल है.

बैंकॉक में टैक्सी एक मुख्य व्यवसाय है, जहां सबसे ज्यादा पर्यटक आते हैं. लेकिन अब कड़े प्रतिबंधों के कारण इनकी संख्या कम हो गई है. जिसके चलते टैक्सी बेकार पड़ी हैं और उनपर बैंगन, मिर्च, खीरा और तोरी उगाए जा रहे हैं. इससे बेरोजगार ड्राइवरों और कर्मचारियों को खाना मिलने में मदद हो रही है.

तालिबान की हिट-लिस्ट में शामिल फिर भी दिया चकमा, फिल्मी है अफगान गवर्नर की कहानी, बताया कैसे बचाई जान

संयुक्तराष्ट्र, एजेंसी । सलीमा मजारी अफगानिस्तान की उन महिलाओं में से एक हैं, जिन्होंने तालिबान के खिलाफ हथियार उठाए थे. वह बल्ख प्रांत के जिले चारकिंट की गवर्नर थीं, जो मजार-ए-शरीफ के दक्षिण में स्थित है. मजारी देश से भागने में कामयाब रहीं और इस समय अमेरिका में हैं. इससे पहले कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि उन्हें (सलीमा मजारी) तालिबान ने पकड़ लिया है . फिर संगठन के देश पर कब्जे के बाद माना जाने लगा कि उनकी हत्या हो गई है. अब टाइम की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मजारी जिंदा हैं और उन्हें पत्रकारों ने यहां से निकालने में मदद की थी.

रिपोर्ट में कहा गया है, जकार्या एक अफगान पत्रकार हैं, जो अफगानिस्तान में रह रहे थे लेकिन निकासी अभियान के दौरान पेरिस चले गए. वह तालिबान के कब्जे के बाद भी सलीमा मजारी के संपर्क में रहे . उस वक्त मजारी तालिबान से छिपी हुई थीं. जब पता चला कि बल्ख पर तालिबान ने कब्जा कर लिया है, तब मजारी प्रांतीय गवर्नर मोहम्मद फरहाद अजीमी के दफ्तर में थीं. तभी उन्हें चारकिंट से स्थानीय लड़ाकों के फोन आने लगे, जो तालिबान से लड़ रहे थे. तब मजारी ने उनसे हथियार रखने को कहा.

उज्बेकिस्तान में नहीं मिला प्रवेश

सलीमा मजारी ने मोहम्मद फरहाद अजीमी की सलाह मानी और अपने पति एवं गार्ड्स के साथ हैरातन शहर चले गईं, जो उज्बेकिस्तान से सीमा साझा करता है. पूर्व उपराष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह, अब्दुल रशीद दोस्तम, पूर्व बल्ख गवर्नर और मुजाहिदीन कमांडर अत्ता मोहम्मद नूर सहित कई हाई-प्रोफाइल नेता उनके साथ थे. मजारी को उज्बेकिस्तान में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी गई. जबकि अजीमी, नूर और अब्दुल रशीद दोस्तुम सहित कुछ अन्य लोगों को अनुमति मिल गई. मजारी के लिए अब मुश्किलें और बढ़ गईं, वह तालिबान की हिट लिस्ट में शामिल थीं.

बुर्का पहन रिश्तेदार के घर रहीं

मजारी ने अब बुर्का पहना और एक रिश्तेदार के घर शरण ली. दो दिन तक छिपने के बाद उन्होंने काबुल जाने का फैसला लिया, लेकिन वो जानती थीं कि इसके लिए उन्हें तालिबान के चेकपॉइंट से गुजरना पड़ेगा. लेकिन वह फिर भी अपने पति और दूसरे रिश्तेदारों के साथ काबुल के लिए रवाना हो गईं. टाइम से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'खुशकिस्मती से तालिबानी लड़ाके हमें नहीं पहचान सके. उन्होंने हमें आसानी से जाने दिया. यह देश पर कब्जे का पहला दिन था और वो जश्न मना रहे थे.'

अपने दोस्तों को सौंपे दस्तावेज

मजारी उन हाई-प्रोफाइल लोगों में से एक हैं, जो निकासी के लिए सार्वजनिक तौर पर काबुल एयरपोर्ट नहीं पहुंची. वह किसी पर भी भरोसा करने से डर रही थीं और खुद को बचाने के लिए एक घर से दूसरे घर जा रही थीं. उन्होंने अपने दस्तावेज उन दोस्तों को भेज दिए, जिनका अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी और नीदरलैंड की सरकारों से संबंध था. जिन्हें उन्होंने दस्तावेज भेजे उनमें से एक जकार्या थे, जो एक हफ्ते पहले ही पेरिस पहुंचे थे. जकार्या ने उनसे संपर्क कर पूछा कि क्या वो ठीक हैं तो मजारी ने बताया कि वह छिपी हुई हैं. जकार्या ने यही जानकारी कनाडाई पत्रकार रॉबिन को दी.

एक दिन अचानक आया मैसेज

रॉबिन ने अपने पार्टनर को इस बारे में बताया. फिर इन लोगों ने कुछ दस्तावेज तैयार किए और मजारी की मदद की. मजारी को डर था कि तालिबान कभी भी उनकी हत्या कर सकता है.

साथ ही उन्हें देश में पाकिस्तान के दखल का भी डर सता रहा था. लेकिन वो छिपी रहीं. आखिरकार 23 अगस्त को अमेरिकी रेस्क्यू ऑपरेशन सेल से उनके पास एक मैसेज आया. उन्होंने अपनी लोकेशन और परिवार की जानकारी साझा की. सलीमा मजारी अपने परिवार के 13 सदस्यों के साथ थीं. इन लोगों को चॉपर से पहले काबुल एयरपोर्ट लाया गया. फिर ये अमेरिकी सैन्य विमान में सवार हो गए. पहले इन्हें कतर लाया गया और अब ये सभी अमेरिका में हैं.

चीनी शहरों तक पहुंचने में सक्षम है भारत की अग्नि-5 मिसाइल, टेस्टिंग की खबरों से घबराया चीन, शांति की दिशा में काम करने को कहा

बीजिंग एजेंसी। भारत की योजना जल्द ही पांच हजार किलोमीटर की दूरी तक मार करने वाली और परमाणु आयुध ले जाने में सक्षम अंतर-महाद्वीपीय बैलेस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) अग्नि-5 का परीक्षण करने की है. इससे संबंधित मीडिया में आई खबरों पर चीन ने प्रतिक्रिया दी है. जिससे साफ जाहिर होता है कि वह इससे खुश नहीं है.

चीन ने गुरुवार को कहा कि दक्षिण एशिया के सभी देशों को क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं स्थिरता बनाए रखने के लिए काम करना चाहिए. अग्नि-5 का परीक्षण करने के बारे में भारत की योजना से संबंधित खबरों के बारे में पूछे जाने पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'दक्षिण एशिया में शांति, सुरक्षा एवं स्थिरता बनाए रखने में सभी का साझा हित है.' उन्होंने कहा, 'हमें उम्मीद है कि सभी पक्ष इस दिशा में रचनात्मक प्रयास करेंगे.' पांच हजार किलोमीटर की दूरी तक मार करने में सक्षम मिसाइल चीन के कई शहरों तक पहुंच सकती है और इससे भारत की सैन्य शक्ति में महत्वपूर्ण रूप से मजबूती आने की उम्मीद है.

पहले भी पांच बार हुआ सफल परीक्षण-

परमाणु आयुध ले जाने में सक्षम इस मिसाइल का पहले भी पांच बार सफल परीक्षण हो चुका है और इसे सेना में शामिल किए जाने की प्रक्रिया चल रही है. अमेरिका, चीन, रूस, फ्रांस और उत्तर कोरिया जैसे कुछ ही देशों के पास अंतर-महाद्वीपीय बैलेस्टिक मिसाइल है. लिजियान ने कहा, 'क्या भारत परमाणु आयुध ले जाने में सक्षम बैलेस्टिक मिसाइलों का विकास कर सकता है, इस बारे में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1172 में पहले ही स्पष्ट नियम हैं.'

परमाणु परीक्षण से संबंधित है प्रस्ताव- सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव 1172 भारत और पाकिस्तान द्वारा 1998 में किए गए परमाणु परीक्षण से संबंधित है. प्रस्ताव में भारत और पाकिस्तान के परमाणु परीक्षण की निंदा की गई थी और दोनों देशों से और परमाणु परीक्षणों से परहेज करने को कहा गया था.

इसमें दोनों देशों से परमाणु आयुध ले जाने में सक्षम बैलेस्टिक मिसाइलों का विकास रोकने का आग्रह भी किया गया था. चीन ने भारत द्वारा अग्नि-5 के पूर्व में किए गए परीक्षणों पर भी इसी तरह की प्रतिक्रिया व्यक्त की थी.

4 अरब साल पहले 'महाविस्फोटों' से थर्राता था मंगल, 50 करोड़ साल तक फटते रहे ज्वालामुखी, गैस और लावा से बर्बाद हुआ ग्रह

वॉशिंगटन, एजेंसी । धरती पर ज्वालामुखी फटने की खबरें हम आए दिन सुनते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि मंगल ग्रह पर भी ऐसा होता था वैज्ञानिकों को पता चला है कि अरबिया टेरा (मंगल ग्रह का उत्तरी हिस्सा) में हजारों बार ज्वालामुखी विस्फोट और महाविस्फोट हुए थे. यहां ऐसा 50 करोड़ साल तक होता रहा. कई विस्फोट तो इतने घातक थे कि वह हवा में धूल और जहरीली हवा छोड़ते थे, जिससे सूरज की रोशनी तक ब्लॉक हो जाती थी. इसका असर लाल ग्रह की जलवायु पर दशकों से बना हुआ है.

वैज्ञानिकों ने मंगल के उत्तरी हिस्से अरबिया टेरा क्षेत्र में खनिज संरचना का अध्ययन किया, जिससे उन्हें ऐसे हजारों विस्फोट या महाविस्फोट के सबूत मिले हैं, जो साबित करते हैं कि यहां अब तक के सबसे बड़े ज्वालामुखी विस्फोट हुए थे. हवा में जल वाष्प, कार्बन डाइऑक्साइड और सल्फर डाइऑक्साइड को उगलते हुए, ये विस्फोट लगभग 4 अरब साल पहले 50 करोड़ साल की अवधि तक मंगल ग्रह पर हुए थे. वैज्ञानिकों ने जुलाई 2021 में जियोफिजिकल रिसर्च लेटर्स जर्नल में प्रकाशित एक पेपर में इस अनुमान की जानकारी दी है.

इस अध्ययन का नेतृत्व नासा के गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर के जियोलॉजिस्ट पैट्रिक व्हिले ने किया है. वह कहते हैं, 'हर एक ज्वालामुखी विस्फोट का असर पर्यावरण पर पड़ा है. ऐसा हो सकता है कि उससे निकलने वाली गैस ने वातावरण को मोटा बना दिया है और सूरज की रोशनी को यहां आने से रोक दिया हो. जिसके कारण वातावरण इतना ठंडा है . लाल ग्रह की जलवायु के नमूनों से ये समझने की कोशिश जाएगी कि ज्वालामुखी का प्रभाव किस तरह पड़ा है.'

कैसे किया गया एक्सपेरिमेंट

अध्ययन के लिए ओलंपिक के स्विमिंग पूल के आकार के 40 करोड़ के बराबर पिघली चट्टान और गैस में विस्फोट किया गया. जिसके बाद हजारों मील के इलाके में राख की एक मोटी चादर बन गई. जिससे पता चला कि इतने भयानक विस्फोट के बाद उससे निकलने वाले लावे से गड्ढे बन सकते हैं, जिसे Caldera कहा जाता है. जो धरती पर भी पाए जाते हैं और दर्जनों मील तक चौड़े होते हैं. मंगल ग्रह के अरबिया टेरा पर भी इसी तरह के Caldera हैं, जिससे इस बात की संभावना जताई जा रही है कि यहां ज्वालामुखी में महाविस्फोट हुए होंगे.

अमेरिका में स्कूल खुलते ही संक्रमण में आई तेजी, सिंगापुर में केस बढ़े तो लॉकडाउन खोलने का प्लान रद्द

न्यूयॉर्क । अमेरिका में स्कूल खुलते ही संक्रमण के मामलों में तेजी आई है. न्यूयॉर्क में सभी स्कूल पूरी क्षमता के साथ खुल चुके हैं. 2 सितंबर तक सप्ताह में कुल संक्रमण में एक चौथाई हिस्सा बच्चों का था. वहीं, लॉस एंजिलिस के स्कूलों में बच्चों को चार सप्ताह पहले ही स्कूल बुलाया जा चुका है. टेक्सास के टुलोसो-मिडवे स्कूल डिस्ट्रिक्ट के छात्र मध्य जुलाई में स्कूल पहुंच गए थे. कैलिफोर्निया के मारिन काउंटी में मई में एक गैर-टीकाकरण रहित प्राथमिक स्कूल के शिक्षक ने दर्जनों छात्रों को संक्रमित कर दिया.

राज्य तय करते हैं कोविड प्रबंधन के नियम- स्कूलों में कोविड-19 के प्रबंधन के नियम राज्य तय करते हैं. कई रूढ़िवादी राज्य स्कूलों में मास्क पहनने पर प्रतिबंध लगाते हैं. अमेरिका में 10 से अधिक राज्यों के स्कूलों में मास्क जरूरी है.हाल ही की स्टडी से पता चलता है कि मास्क, सोशल डिस्टेंसिग, हवादार कक्षाएं और अन्य उचित सावधानियों के साथ स्कूली शिक्षा जोखिम भरी नहीं है. इन उपायों के बिना संक्रमण फैलना का जोखिम बढ़ जाता है.

सिंगापुर में एक दिन में 837 नए मामले

सिंगापुर में लॉकडाउन खोलने की योजना बनाई जा रही थी कि तभी देश में संक्रमण के मामले तेजी से फैलने लगे. फिलहाल इस योजना को रोक दिया है. सिंगापुर में एक दिन में रिकॉर्ड 837 नए मामले आए हैं. संक्रमण का यह आंकड़ा एक साल में सबसे अधिक है. वो भी संक्रमण ऐसे वक्त में फैल रहा है, जब यहां 80त्न आबादी को वैक्सीन लग चुकी है. मंगलवार को 809 लोगों को हॉस्पिटल में भर्ती करना पड़ा, इनमें 75 लोग गंभीर रूप से बीमार हैं, जिन्हें ऑक्सीजन देनी पड़ी. 9 लोगों को द्धष्ट में रखना पड़ा. यहां गंभीर रूप से बीमार लोगों में ज्यादातर की उम्र 66 साल से अधिक है. बीते 28 दिन में संक्रमण से 4 लोगों की मौत हो चुकी हैं. ऑक्सीजन की जरूरत वाले मरीजों की संख्या दो दिन में दोगुना हो गई है.

ब्रिटेन में वैक्सीन पासपार्ट की वापसी- ब्रिटेन ने सर्दियों में कोरोना से निपटने के लिए विंटर प्लान जारी कर दिया है. नाइट क्लब, म्यूजिक वेन्यू, बिजनेस कॉन्फ्रेंस और फुटबॉल स्टेडियम आदि में वैक्सीन पासपोर्ट की वापसी हो गई है. यानी सिर्फ वैक्सीनेटेड लोगों को ही ऐसे आयोजनों में प्रवेश मिलेगा. साथ ही, मास्क को भी अनिवार्य किया गया है. अगले हफ्ते 50 साल से अधिक उम्र के लोगों को बूस्टर डोज लगने शुरू होंगे. टेस्ट और ट्रेस प्रोग्राम जारी रहेंगे. अभी ब्रिटेन में हर रोज 30 हजार से अधिक केस आ रहे हैं. अब तक 72.8 लाख लोग संक्रमित हो चुके हैं.

तालिबान को मान्यता दिलाने की वकालत करते दिखे पाक प्रधानमंत्री इमरान खान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान तालिबान के लिए एक आम सहमति विकसित करने में लगे हुए हैं, जिससे अफगानिस्तान में इस्लामिक अमीरात की नई कार्यवाहक सरकार को मान्यता मिल सके।

पिछले महीने तालिबान द्वारा अफगानिस्तान पर नियंत्रण करने के बाद से एक अंतरराष्ट्रीय समाचार संगठन के साथ पहले इंटरव्यू में सीएनएन से बात करते हुए इमरान खान ने कहा कि अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता के लिए सबसे अच्छा तरीका तालिबान के साथ जुड़ना और उन्हें ऐसे मुद्दों पर प्रोत्साहित करना है, जिसमें महिलाओं के अधिकारों और समावेशी सरकार को जगह मिल सके।

इमरान खान ने कहा, ÷तालिबान ने पूरे अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया है और अगर वे अब एक समावेशी सरकार की दिशा में काम कर सकते हैं, सभी गुटों को एक साथ मिला सकते हैं, तो अफगानिस्तान में 40 साल बाद शांति हो सकती है। लेकिन अगर यह गलत हो जाता है और हम वास्तव में इसके बारे में चिंतित हैं, तो यह अराजकता में बदल सकता है। जिससे सबसे बड़ा मानवीय संकट और एक बड़ी शरणार्थी समस्या पैदा होगी।

खान ने कहा, यह सोचना गलत है कि बाहर से कोई अफगान महिलाओं को अधिकार देगा। अफगान महिलाएं मजबूत हैं। उन्हें समय दें। उन्हें उनके अधिकार मिलेंगे। महिलाओं में समाज में जीवन में अपनी क्षमता को पूरा करने की क्षमता होनी चाहिए।

सत्ता संभालने के बाद से समूह ने मानवाधिकारों, विशेष रूप से महिलाओं व लड़कियों के संबंध में और पत्रकारों को अपना काम जारी रखने की अनुमति देने के वादे के साथ एक नई तस्वीर पेश करने का प्रयास किया है। हालांकि, तालिबान की कठोर अंतरिम सरकार में महिलाओं को जगह नहीं दी गई है। कुछ क्षेत्रों में उनको घर पर रहने का आदेश दिया गया है और उनकी शिक्षा प्रतिबंधित कर दी गई है। इमरान खान ने कहा, अफगानिस्तान में कोई कठपुतली सरकार लोगों द्वारा समर्थित नहीं है। इसलिए यहां बैठकर यह सोचने के बजाय कि हम उन्हें नियंत्रित कर सकते हैं, हमें उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए। क्योंकि अफगानिस्तान, यह वर्तमान सरकार, स्पष्ट रूप से महसूस करती है कि अंतर्राष्ट्रीय सहायता और मदद के बिना, वे इस संकट को रोक नहीं पाएंगे। इसलिए हमें उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ाना चाहिए।

वायु प्रदूषण रोकने को एक्शन में सरकार : गोपाल राय

पर्यावरण मंत्री ने निजी निर्माण एजेंसियों के साथ की बैठक

नई दिल्ली,(प्रवीण कुमार सिंह)।

केजरीवाल सरकार दिल्ली में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने को लेकर एक्शन में है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शुक्रवार को निजी निर्माण एजेंसियों के साथ बैठक कर धूल प्रदूषण रोकने के लिए जारी 14 सूत्रीय दिशा-निर्देशों का शत प्रतिशत पालन करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली में निर्माण कार्य में जुटी निजी एजेंसियों को धूल प्रदूषण रोकने के लिए जारी मानदंडों को 15 दिनों के अंदर पूरा करना होगा। सभी निजी एजेंसियां अपनी निर्माण साइट पर समीक्षा बैठक करें कि अभी किन-किन दिशा-निर्देशों का पालन हो रहा है और किन-किन नहीं हो रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि हम विंटर एक्शन प्लान के तहत मानदंडों का पालन नहीं करने वाली निजी एजेंसियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। वायु प्रदूषण हमारी और हमारे बच्चों की जिंदगी से जुड़ा मुद्दा है। इसलिए हम सभी को मिलकर अपनी सांसों के लिए लड़ना होगा। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शुक्रवार को दिल्ली में निर्माण कार्य करने वाली सभी निजी एजेंसियों के साथ दिल्ली सचिवालय में बैठक की और एजेंसियों से धूल प्रदूषण को रोकने के लिए दिल्ली सरकार द्वारा

निजी एजेंसियों को 15 दिनों के अंदर पूरा करना होगा धूल प्रदूषण रोकने के मानदंड

जारी दिशा-निर्देशों से अवगत कराया। इस दौरान बैठक में मौजूद प्राइवेट निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधियों से सुझाव भी लिए गए। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि इन एजेंसियों के अलावा दिल्ली में बहुत सी निजी निर्माण एजेंसियां भी हैं, जो निर्माण कार्य करती हैं। पिछले साल जब मैं एंटी डस्ट कैंपेन के दौरान दिल्ली के अलग-अलग क्षेत्रों में गया, तो मैंने पाया कि दिल्ली के अंदर बहुत सारी निजी एजेंसियां हैं, जो निर्माण का कार्य करा रही हैं। दिल्ली के अंदर निर्माण कार्य करने वाली या ठेका लेने वाली 50 से अधिक प्रमुख प्राइवेट एजेंसियों के साथ आज हमने बैठक की। इस बैठक में मुख्य रूप से एल एंड टी, जीएमआर ग्रुप, सपोरजी, डीजे इंफ्रास्ट्रक्चर, परिनिका कमर्शियल स्टेट प्राइवेट लिमिटेड, रहेजा डेवलपर, बीजी शिरके और एनबीसीसी जैसी तमाम एजेंसी ने हिस्सा लिया। हमने पिछले साल जो भी कमियां पाई थीं, उस संबंध में इन निर्माण एजेंसियों के साथ बातचीत की। साथ ही, सभी प्राइवेट निर्माण एजेंसियों को 15 दिन का समय दिया गया है। सभी को दिल्ली सरकार की तरफ से एक गाइड लाइन दी गई है कि इनको क्या क्या करना आवश्यक है। सभी को इन 15 दिनों के अंदर उन कमियां को पूरा कर करना होगा। सभी निर्माण एजेंसियों को दिए गए 14 सूत्रीय दिशा निर्देश का शत प्रतिशत अनुपालन करना आवश्यक होगा।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा जारी सभी मानदंडों का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, सभी से कहा गया कि वे अपनी-अपनी निर्माण साइट पर यह समीक्षा बैठक करें कि इनके पास अभी क्या क्या है। किन-किन दिशा निर्देशों का पालन हो रहा है और क्या-क्या नहीं हो रहा है।

प्रदूषण हमारी व हमारे बच्चों की जिंदगी से जुड़ा मुद्दा : गोपाल राय

पर्यावरण मंत्री ने कहा कि प्रदूषण हमारी और हमारे बच्चों की जिंदगी से जुड़ा मुद्दा है। हम सभी को मिलकर अपनी सांसों के लिए लड़ना होगा। इसलिए हम सभी को अपनी-अपनी जिम्मेदारी को पूरी इमानदारी के साथ निभागी होगी। सभी प्राइवेट एजेंसी अपने निर्माण साइट पर एक कर्मचारी को नियुक्त करे, जो यह देखे कि मानदंडों का पालन हो रहा है या नहीं हो रहा है। सभी को अपने दैनिक व्यवहार में बदलाव करना होगा। वहीं, निजी निर्माण एजेंसियों के साथ हुई बैठक की जानकारी मीडिया से साझा करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार, दिल्ली के अंदर प्रदूषण के खिलाफ अभियान की तैयारी कर रही है। जिसमें मुख्य तौर पर 10 बिंदुओं पर फोकस कर अपनी कार्य योजना की तैयारी हो रही है। इन 10 बिंदुओं में सबसे महत्वपूर्ण बिंदु में से एक धूल प्रदूषण है। दिल्ली के अंदर धूल प्रदूषण रोकने के लिए हमने पिछले दिनों निर्माण का कार्य करने वाली सभी सरकारी एजेंसियों तीनों एमसीडी, डीडीए, केंद्रीय निर्माण विभाग, पीडब्ल्यूडी, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, डीएसआईडीसी आदि के साथ बैठक की थी और सभी एजेंसियों को धूल का प्रदूषण रोकने के लिए 21 सितंबर तक अपने एक्शन प्लान बना कर देने के निर्देश दिए गए हैं।

सीबीआई बिल्डिंग के बेसमेंट में लगी भीषण आग, सुरक्षित बाहर निकाले गए सभी कर्मचारी

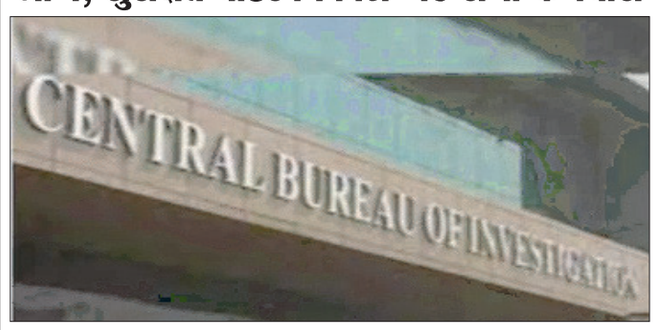

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के लोधी रोड इलाके में सीजीओ कॉम्प्लेक्स स्थित सीबीआई बिल्डिंग के बेसमेंट में आग लगने से हड़कंप मच गया है. आग लगने के बाद बिल्डिंग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बाहर निकाल लिया गया है. दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के मुताबिक, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है. दमकल की आठ गाड़ियां ने मौके पर पहुंच कर कड़ी मशक्कत पर बाद आग पर काबू पा लिया है. दिल्ली अग्निशमन सेवा के डिविजनल ऑफिसर एसके दुआ ने कहा है कि आग पर काबू पा लिया गया है.

बहरहाल, आग किस वजह से लगी है इसके बारे में अभी तक कुछ पता नहीं चला है. वैसे कयास लगाए जा रहे हैं कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी है. जबकि मौके पर दिल्ली पुलिस और दमकल विभाग के अधिकारी भी मौजूद हैं. दमकल विभाग के मुताबिक, आज दोपहर करीब 1.40 बजे फायर सर्विस को सीबीआई बिल्डिंग के बेसमेंट में आग लगने का फोन आया था.

बता दें कि सीबीआई के ऑफिस में तमाम तरह के बेहद जरूरी और गोपनीय दस्तावेज मौजूद रहते हैं. इसी वजह से यहां आग लगने की छोटी घटना भी काफी बड़ी हो जाती है. यही नहीं, सीबीआई बिल्डिंग के बेसमेंट में ट्रांसफॉर्मर और एसी समेत बिजली से जुड़े उपकरण रखे होते हैं.

इससे पहले इसी साल जुलाई में भी लोधी रोड इलाके में सीजीओ कॉम्प्लेक्स स्थित सीबीआई बिल्डिंग के बेसमेंट में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी थी. हालांकि तब जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ था. वैसे दो महीने के अंदर दोबारा सीबीआई बिल्डिंग में आग लगने से सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए हैं.

संक्षिप्त खबर

सुगुना इंस्टीट्यूट ने किया एग्रीकल्चरल स्किल कौंसिल ऑफ इंडिया से समझौता

नई दिल्ली। सुगुना इंस्टीट्यूट ऑफ पौल्ट्री मैनेजमेंट ने हाल ही में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम, स्किल इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत भारत सरकार के साथ एक संयुक्त उपक्रम और एग्रीकल्चरल स्किल कौंसिल ऑफ इंडिया पोल्ट्री सेक्टर के साथ समन्वय स्थापित किया है। इस इस गठबंधन के हिस्से के रूप में बीएससी पौल्ट्री साइंस और डिप्लोमा प्रोग्राम को पूरा करने वाले छात्रों को जे1 वीसा के तहत विदेशो में नौकरी पाने का अवसर मिलेगा। चयनित छात्रों को मुफ्त बोर्डिंग और आवास के साथ विदेशी भाषा का भी प्रशिक्षण मिलेगा।
एग्रीकल्चरल स्किल कौंसिल ऑफ़ इंडिया स्टूडेंट के विदेश जाने के पहले तीन महीनों के लिए पौल्टी के क्षेत्र में निःशुल्क ऑनलाइन सैद्धांतिक प्रशिक्षण प्रदान करेगा। इंस्टीट्यूट ऑफ पौल्ट्री मैनेजमेंट के प्रिंसिपल, डॉ. के. गजेन्द्रन, एम.वी.एससी.,पीएच.डी ने कहा कि, हमें अपने स्टूडेंट्स के लिए सर्वोत्तम विदेशी अवसर प्रदान करने के लिए सरकार के साथ संगठन की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। हमारे इंटर्नशिप कार्यक्रम पौल्ट्री इंडस्ट्री पर पर फोकस के साथ संरचित और निर्देशित है। छात्रों को एक विस्तृत प्लेसमेंट योजना द्वारा समर्थित किया जाता है। इस योजना में निर्दिष्ट लक्ष्यों एवं शिक्षण के उद्देश्यों की रूपरेखा दी गई है जिसे प्रोग्राम के दौरान पूरा किया जाएगा।

एक अक्टूबर को होंगें दिल्ली फार्मेसी काउंसिल के चुनाव

नई दिल्ली। दिल्ली फार्मेसी काउंसिल के लिए होने वाले चुनावों में नामांकन वापसी का शुक्रवार को आखरी दिन था। यह चुनाव 6 सदस्यों के लिए होगा, जिसमें दिल्ली सरकार के सभी अस्पतालों में तैनात फार्मेसी कर्मचारी भाग लेंगे। 1 अक्टूबर से शुरू होने वाले चुनावों में पोस्टल बैलट से सभी अपना वोट डाल सकेंगे। 2 नवम्बर को चुनावों का परिणाम घोषित किया जाएगा। चुनावों में अम्बेडकर अस्पताल के पैनल में उम्मीदवार के रूप में राज नारायण गुप्ता चुनाव लड़ रहे हैं। आरएन गुप्ता 300 फार्मेसिस्टो को ट्रेनिंग देने के साथ ही 40 सालों से फार्मेसी प्रोफेशन है और अलग अलग अस्पतालों में कार्यरत रह चुके हैं।

दक्षिणी निगम के महापौर ने ओखला लैंडफिल साइट का किया निरीक्षण

नई दिल्ली। दक्षिणी निगम के महापौर मुकेश सुर्यान ने शुक्रवार को ओखला लैंडफिल साइट का निरीक्षण किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर जनता की सेवा में यह संकल्प लिया जाता है कि दक्षिणी निगम द्वारा अगले 6 महीने में कूड़े के पहाड़ को कम करने का भरपूर प्रयास किया जायेगा। उन्होंनें कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में बनाए जा रहे ''सेवा और समर्पण अभियान'' के अंतर्गत यह लक्ष्य रखा गया है कि अगले 6 महीने के भीतर ओखला लैंडफिल साइट से सारे कूड़े का निस्तारण कर दिल्ली की जनता को साफ सुथरी जमीन समर्पित की जाए। यह भी प्रयास किया जाएगा कि दिल्ली की जनता के लिए वहां विशाल सुंदर पार्क बनाया जाए। इस अवसर पर प्रमुख अभियंता पी.सी. मीणा व निगम के अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित थें। निरीक्षण के दौरान उन्होंनें अधिकारियों को निर्देश दिए कि कूड़े के पहाड़ की ऊंचाई को तेजी से कम करने के लिए अतिरिक्त व्यवस्था की जाए। उन्होंनें अधिकारियों से कहा कि कूड़े की छंटाई के लिए ट्रोमल मशीनों की संख्या बढ़ाई जाए ताकि प्रतिदिन 4-10 हजार टन कूड़े का निपटारण किया जा सके। उन्होंनें बताया कि दक्षिणी निगम द्वारा अभी 18 ट्रोमल मशीन लगाई गई है।

दिल्ली हाई कोर्ट में राकेश अस्थाना ने दिया हलफनामा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस आयुक्त के तौर पर नियुक्ति के खिलाफ दायर जनहित याचिका को गुजरात कैडर के आइपीएस अधिकारी व पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना ने कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग बताया है। दिल्ली हाई कोर्ट में दाखिल हलफनामा में राकेश अस्थाना ने कहा कि उनके खिलाफ लगातार मीडिया प्लेटफार्म पर अभियान चल रहा है, जो कि बदले की भावना से उत्पन्न हुई है। राकेश अस्थाना ने कहा कि जब से उन्हें केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआइ) का विशेष निदेशक नियुक्त किया गया है, तब से कुछ संगठनों द्वारा उनके खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि कामन काज और सेंटर फार पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन नाम के दो संगठन हैं जो पेशेवर जनहित याचिकाकर्ता हैं। हलफनामा में उन्होंने कहा कि एक या दो व्यक्तियों का इन संगठनों पर व्यापक नियंत्रण है और कुछ प्रतिशोध से या किसी व्यक्ति के इशारे पर उनके खिलाफ अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत प्रतिशोध या छद्म युद्ध को जनहित याचिका के तहत पेश किया गया है और अदालत इस तरह की गतिविधि को अपने मंच का उपयोग करने की अनुमति नहीं दे सकती है।

बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार ने भी हलफनामा दाखिल करके अस्थाना की नियुक्ति का बचाव किया था। केंद्र सरकार ने कहा था कि सार्वजनिक हित व राष्ट्रीय सुरक्षा से लेकर अंतरराष्ट्रीय-सीमा प्रभाव के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी के सामने आने वाली विविध कानून-व्यवस्था की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए अस्थाना की पुलिस आयुक्त के रूप में नियुक्ति की गई है। केंद्र ने कहा था कि राकेश अस्थाना के नाम पर विचार की वजह यह थी कि देश की राजधानी होने के नाते दिल्ली सार्वजनिक कानून-व्यवस्था की स्थिति, पुलिस के विविध मुद्दों और अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना कर रही है।

दक्षिणी निगम ने विद्यार्थियों को किए टैब वितरित

नई दिल्ली, प्रफुल्ल राय(शिवालिक)।

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के मध्य क्षेत्र के श्रीनिवास पुरी विद्यालय में सी आई आई यंग इंडियन्स के सहयोग से 50 निगम विद्यार्थियों को टैब वितरित किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष आदेश गुप्ता एवं दक्षिणी दिल्ली से सांसद रमेश विधूडी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजपाल सिंह अध्यक्ष वार्ड कमेटी मध्य क्षेत्र ने की। कार्यक्रम में नेता सदन इंद्रजीत सहरावत, शिक्षा समिति अध्यक्ष नीतिका शर्मा, अतिरिक्त आयुक्त शिक्षा ए. ए ताजिर, अतिरिक्त निदेशक शिक्षा, मुक्ता मय मंडल एवं मध्य क्षेत्र के उपायुक्त अवनीश कुमार उपस्थित थे। शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन होने के अवसर पर केक काटकर जन्मदिन मनाया गया एवं मंच की ओर से शुभकामनाएं एवं बधाइयां भी प्रेषित की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आदेश गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश दिनोदिन उन्नति के पथ पर अगसर है, उन्होंने युवाओं, महिलाओं एवं ग्रामीणों के लिए अनेकों योजनाएं लागू की है।

दिल्ली से सांसद रमेश बिधूड़ी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने अथक प्रयासों से इस देश की जनता को सुखी और सम्पन्न बनाने के लिए दिन-रात कार्य किया है। उन्हों नें महिलाओं के लिए उज्जला योजना लागू करना, तीन तलाक खत्म करना, आदि अनेकों कार्य किए हैं।

पूर्वी निगम ने भारतीय सौर ऊर्जा निगम लिमिटेड के साथ किया समझौता

नई दिल्ली,(एजेंसी) । पूर्वी दिल्ली नगर निगम क्षेत्र में सौर ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना के लिए पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने आज भारतीय सौर ऊर्जा निगम लिमिटेड सेकी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। निगम मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पूर्वी दिल्ली के महापौर, श्याम सुंदर अग्रवाल और स्थायी समिति अध्यक्ष, बीर सिंह पंवार मौजूद रहे। समझौता ज्ञापन पर निगमायुक्त विकास आनंद और सेकी की एमडी सुमन शर्मा की ओर से पूर्वी दिल्ली नगर निगम के मुख्य अभियंता, संदीप शर्मा और सेकी के कार्यकारी निदेशक, संजय शर्मा ने हस्ताक्षर किए। इस योजना के तहत, पूर्वी दिल्ली नगर के भवनों, जिनमें 220 विद्यालय, 70 सामुदायिक भवनों, 40 स्वास्थ्य विभाग के भवनों की छतों का उपयोग सेकी द्वारा सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना के लिए किया जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर अग्रवाल ने कहा कि सौर ऊर्जा हरित ऊर्जा का व्यवहारिक रूप है। सौर ऊर्जा में नगर निगम के ऊर्जा खर्च को कम करने व हमेशा उपलब्ध ना होने वाले जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने की संभावना है।

कैसे बचाया जाए दिल्ली की बेगमपुरी मस्जिद को, प्लान बना रहा है एएसआइ

नई दिल्ली । जर्जर हो चुकी बेगमपुरी मस्जिद राष्ट्रीय स्मारक को बचाने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) विभाग ने कवायद शुरू की है। इस स्मारक के तकनीकी सर्वेक्षण में पता चला है कि बारिश का पानी इसकी नीव में जा रहा है। इससे स्मारक कमजोर हो रहा है। पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने इस स्मारक की नींव में पानी जाने से रोकने के लिए योजना बनाई है, इसके लिए काम शुरू किया गया है। इसके तहत स्मारक की सात बड़ी व गहरी नालियों की सफाई कराई गई है। इन नालियों की मरम्मत कराई जा रही है। इसके अलावा अंदर के पानी को बाहर निकालने के लिए सही व्यवस्था की जा रही है।

बताया जा रहा हैकि स्मारक के चारों ओर भी ऐसी व्यवस्था किए जाने की योजना है कि पानी किसी भाग से अंदर नहीं जाए। इस कार्य के पूरा हो जाने के बाद दूसरे चरण में स्मारक का संरक्षण कार्य कराया जाएगा। इसमें स्मारक के बचे हिस्से को मजबूती दी जाएगी। पिछले कुछ वर्षों में इस राष्ट्रीय स्मारक को बहुत नुकसान पहुंचा है। कुछ माह पहले यहां से काफी मलबा हटाया गया है। मलबा यहां वर्षों से पड़ा हुआ था। गिरने के कगार पर आ चुके मस्जिद के गेट के लिए ईंटों के पिलर (खंभे) बनाए गए हैं, जिससे उन्हें सपोर्ट दिया जा रहा है।

एक ट्वीट पर विभाग ने खोजे पुराने दस्तावेज- बेगमपुर स्थित मस्जिद स्मारक का एक हिस्सा ढह जाने के बारे में ट्वीट किए जाने के मामले में पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने 33 साल पुरानी तस्वीर जारी की है। दरअसल, मस्जिद को लेकर एक नामी लेखक और इतिहासकार ने अपने ट्विटर अकाउंट पर तस्वीर के जरिए मस्जिद की छत बारिश से ढहने का दावा किया था। लेकिन, इसे विभाग ने गलत बताया है। अब विभाग ने मस्जिद की वर्ष 1988 की एक पुरानी तस्वीर जारी कर कहा है कि छत का काफी हिस्सा पहले से ही टूट गया था। विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि बारिश के कारण मस्जिद की छत नहीं ढही है। 33 साल पुरानी तस्वीर और ट्विटर पर हाल ही में डाली गई तस्वीर में काफी समानता देखने को मिल जाएगी। पानी की निकासी को लेकर वहां पर कार्य चल रहा था।

बेगमपुर गांव में है यह मस्जिद- फिरोजशाह तुगलक के वजीरे आजम खाने जहां जूना शाह ने बेगमपुर गांव में ये मस्जिद बनवाई थी। यहां मेहराबी तथा स्तंभयुक्त गलियारे हैं। तीन गलियारों वाला इबादत खाना है, जिसका आंगन 94 मीटर लंबा और 88 मीटर चौड़ा है। इस मस्जिद का अनगढ़े पत्थरों से निर्मित ढांचा एक ऊंचे चबूतरे पर बना है। उसके गलियारों में उत्तर, दक्षिण और पूर्व की ओर एक द्वार है। इसमें से पूर्व का द्वार ही मुख्यरूप से उपयोग में लाया जाता है। इस इबादत खाने के सामने के भाग में 24 मेहराबी द्वार हैं। इसमें बीच का द्वार सबसे ऊंचा है। तुगलकी शैली में उनके दोनों ओर छोटी छोटी मीनारें हैं।

देशभक्ति के विभिन्न भावों को प्रस्तुत करती भारत के नायक प्रदर्शनी

(रविशंकर तिवारी)

नई दिल्ली। देश के नायकों को उनके बलिदान के लिए याद करने के लिए, इंडिया हैबिट सेंटर के पाम कोर्ट आर्ट गैलरी में कमल आर्ट गैलरी द्वारा 23 देशभक्त नायक-नायायिकों की पोर्ट्रेट्स की पांच दिवसीय प्रदर्शनी भारत माता और भारत के नायक का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी का उद्घाटन दिल्ली प्रदेश के भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू एवं केंद्रीय राज्यमंत्री विधि एवं न्याय एसपी. सिंह बघेल ने किया। इस एग्जिबिशन में बड़ी संख्या में देशप्रेमी, प्रबुद्ध जन, महिलाएं एवं युवाओं ने अपनी मौजूदगी से देश प्रेम को बताया। एग्जिबिशन की शुरूआत मौजूद प्रख्यात आर्टिस्ट पवन वर्मा शाहीन तथा कमल आर्ट गैलरी के डायरेक्टर कमल चिब द्वारा मौजूद सभी को अमृत-महोत्सव एवं माननीय प्रधानमंत्री मोदी की जन्मदिन की ढेरों बधाई देकर की गई। उसके बाद देश की आजादी में योगदान देने वाले हमारे नायक-नायायिकों की पोर्ट्रेट्स को प्रदर्शित कर नमन किया गया। गौरतलब है कि भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे देश में राष्ट्रवाद की भावना जगा दी है। उनका समर्थन करने और देश में राष्ट्रवाद की भावना को बढ़ाने के लिए, यह प्रदर्शनी भारत माता और भारत के नायक 16 सितम्बर से 20 सितम्बर तक इंडियन हैबिटेट सेंटर के पाम कोर्ट आर्ट गैलरी, नई दिल्ली में आयोजित की जा रही है।

फर्जी पासपोर्ट के जरिये भारत से विदेश भेजे जाते थे बांग्लादेशी, 5 एयरपोर्ट पर गिरफ्तार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पुलिस ने 5 बांग्लादेशियों समेत 6 जालसाजों को गिरफ्तार किया है, जो बांग्लादेशी नागरिक हैं. उनके पास से इंडियन और बांग्लादेशी पासपोर्ट बरामद हुए हैं. जो फर्जी दस्तावेजों के सहारे ओरिजिनल पासपोर्ट बनाकर बांग्लादेशियों को भारत से बाहर विदेशों में भेजते थे. इनके पास बांग्लादेशी और इंडियन पासपोर्ट भी बरामद हुए हैं.

11 सितंबर को आईजीआई एयरपोर्ट पर सर्बिया जाने वाले 3 लोग एक साथ जा रहे थे, तभी उनको ष्टढ्ढस्स्र ने चेकिंग के लिए रोका. चेकिंग के दौरान उनके पास मिले पासपोर्ट चेक किये गये तो उनके पास जाली पासपोर्ट बरामद हुये. इनसे आगे की पूछताछ के बाद इनके तीन साथियों को गिरफ्तार किया गया. इनके पास से 27 पासपोर्ट बरामद हुए हैं. ये सभी इंडिया, बांग्लादेश और नेपाल के पासपोर्ट हैं. 15 स्टाम्प भी मिली हैं, जो अलग-अलग देशों की हैं. जैसे इंडोनेशिया, श्रीलंका, बांग्लादेश, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया और मलेशिया की हैं.

बांग्लादेश से जो बाहर जाना चाहते हैं. गैंग उन्हें पहले मेडिकल वीजा के तहत भारत में प्रवेश करवाते हैं, उसके बाद फर्जी दस्तावेजों के सहारे उनके इंडियन पासपोर्ट बनाकर उन्हें आगे भेजते हैं. इस गैंग का सरगना अताउल तालुकदार है, जिसके पास बांग्लादेशी पास्पोर्ट भी है. जिसने एक कंस्ट्रक्शन कंपनी खोली है, जो बाहर से बांग्लादेशियो को बुलाकर उन्हें यहां से इसी कंपनी के नाम पर भेजता था. गैंग के सभी सदस्यों को टास्क सौपे गए थे. किसी को एजेंसी के साथ संपर्क बनाकर लोगों को बाहर भिजवाने का काम करता था तो कोई बांग्लादेशी को कोलकाता लेकर जाता था और उनके दस्तावेज बनाकर लाता था. कोई बॉर्डर के पास मेडिकल वीजा के नाम पर कागज मुहैया कराते थे.

विदेश भेजने के नाम पर दो से ढाई लाख ली जाती थी रकम - विदेश भेजने के नाम पर 2 से ढाई लाख की रकम ली जाती थी. जो पैसेंजर थे, उन्होंने वाजिब वीजा लगवाया था. लेकिन सब इसी गैंग ने मुहैया करवाए थे. पुलिस से बचने के लिए ये पासपोर्ट पर कई अलग अलग देशों की मुहर भी लगवाते थे. ताकि सुरक्षा एजेंसियां ज्यादा पूछताछ न करे. दिल्ली पुलिस अब इनके पुराने रिकॉर्ड खंगाल रही है कि अब तक ये गैंग कितने बांग्लादेशियो को विदेश भेज चुके हैं.

दिल्ली में यहां बन रहा देश का सबसे बड़ा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट

नई दिल्ली। दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने यमुना की सफाई को लेकर काम और तेज शुरू कर दिया है. यमुना को साफ और स्वच्छ बनाने की दिशा में दल्लिी जल बोर्ड की ओर से ओखला में देश के सबसे बड़े सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण किया जा रहा है. करीब 110 एकड़ के क्षेत्र में फैला यह सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट 564 मिलियन लीटर प्रति दिन की क्षमता वाला होगा. इसका निर्माण कार्य 2022 के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य है जिसके बाद यमुना में बहने वाले सीवेज के प्रमुख प्रवाह को ट्रीट किया जा सकेगा. सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण स्थल का आज दिल्ली के जल मंत्री एवं दिल्ली जल बोर्ड के अध्यक्ष सत्येंद्र जैन ने दौरा भी किया. जैन ने इस एसटीपी साइट का निरीक्षण करते हुए कहा है कि दिल्ली सरकार इस परियोजना को समय से पहले पूरा करने के लिए अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग कर रही है.

इस एसटीपी के पूरा होने के बाद, यमुना में बहने वाले सीवेज के प्रमुख प्रवाह को उपचारित किया जाएगा. साथ ही इस ट्रीटेड वाटर का

उपयोग भूमिगत जल को फिर से जीवंत करने के लिए किया जाएगा, जबकि शेष को यमुना में छोड़ा जाएगा.

कोविड-19 की वजह से धीमी हुई काम की रफ्तार- मंत्री ने कहा कि इस एसटीपी के जरिए 564 एमएलडी सीवेज को यमुना में बहने से रोक जा सकेगा. वहीं सीवेज ट्रीट करने के लिए बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड (बीओडी) 10 मिलीग्राम / एल और कुल निलंबित ठोस (टीएसएस) 10 मिलीग्राम / एल के नवीनतम मानदंडों का प्रयोग हो सकेगा. इससे यमुना में जाने वाला सीवेज ट्रीटेड होकर जाएगा.

झीलों का कायाकल्प करने में काम आएगा ट्रीटेड वाटर- यह ट्रीटेड वाटर न केवल यमुना को साफ रखने में मदद करेगा बल्कि इसको बागवानी जैसे विभिन्न गैर-पीने योग्य उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जा सकेगा. इससे झीलों के कायाकल्प, धुलाई, फ्लशिंग आदि का काम करने में बड़ी मदद मिलेगी. कोविड-19 की वजह से एसटीपी निर्माण में देरी हुई है लेकिन अब इसको दिसंबर, 2022 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है.

साउथ व सेंट्रल दिल्ली के नालों का सीवेज होगा ट्रीट- जैन के मुताबिक इस एसटीपी में दक्षिणी और सेंट्रल दिल्ली के तमाम नालों और सीवरेज नेटवर्क का सीवरेज ट्रीट किया जा सकेगा. इस प्लांट में अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए अधिकांश उन्नत प्रणालियों को इस एसटीपी के साथ एकीकृत किया जा रहा है. इस जगह पर करीब 12 एकड़ में 150 टन कीचड़ को सौर प्रणाली से सुखाने की व्यवस्था भी की जा रही है. अपशिष्ट जल से ठोस कणों को हटाने में सुधार के लिए उन्नत चूषण-आधारित स्पष्टीकरण का उपयोग किया जा रहा है.

ओखला कॉम्प्लेक्स के दो एसटीपी करते रहेंगे काम- इस एसटीपी के पूरा होने के बाद यमुना में बहने वाले बड़े बहाव को रोक दिया जाएगा. इस एसटीपी से उपचारित पानी का उपयोग विभिन्न उद्देश्यों जैसे कि असोला भट्टी खदानों और आसपास के क्षेत्रों में भूजल पुनर्भरण, झीलों का कायाकल्प, जल निकाय के लिए किया जाएगा, और अतिरिक्त पानी को यमुना में छोड़ा जाएगा. इसके अलावा, ओखला एसटीपी परिसर में 72 एमएलडी और 136 एमएलडी के 2 मौजूदा एसटीपी काम करते रहेंगे. इससे ओखला एसटीपी कॉम्प्लेक्स की कुल उपचार क्षमता 771 एमएलडी हो जाएगी.

संपादकीय

अफगानी अवाम की बड़ी शिकस्त

अफगानिस्तान में तालिबान द्वारा बलपूर्वक सत्ता परिवर्तन विश्व समुदाय के लिए शुभ नहीं है। तालिबान ने अब तक न अपनी विचारधारा बदलने का संकेत दिया है, और न अफगानिस्तान के संविधान को स्वीकार किया है। अल-कायदा जैसे आतंकी संगठनों के खिलाफ भी उसने कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है। उसमें अगर अंदरूनी तौर पर थोड़ा-बहुत परिवर्तन हुआ भी हो, तो वह अब तक जाहिर नहीं हुआ है। इसका अर्थ है कि न तो उसकी कार्यशैली बदली है और न ही वैचारिक रूप से वह बदला है। कट्टरता अब भी उसकी सोच का मूल है। ताजा घटनाक्रम को हमें पाकिस्तान से जोड़कर भी देखना होगा। तालिबान का इतनी तेजी से बढ़ना संभव नहीं होता, यदि उसको इस्लामाबाद से सामरिक मदद नहीं मिलती। अमेरिका के ज्वॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ के पूर्व प्रमुख एडमिरल माइक मुलेन ने काफी पहले कहा था कि हक्कानी नेटवर्क एक तरह से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का ही अंग है। यही वह संगठन है, जो अफगानिस्तान में भारतीय हितों पर चोट करता रहता है और तालिबान इसी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जाहिर है, तालिबान के पांव जमा लेने से हिन्दुस्तान पर खतरा बढ़ गया है। पिछली सदी के 90 के दशक में अफगानिस्तान में जब युद्ध का अंत हुआ था, उसके बाद से ही कश्मीर में दहशतगर्दी शुरू हुई थी। पाकिस्तान अपने मुजाहिदीन को अफगानिस्तान से कश्मीर ले आया था। यह आशंका फिर से सिर उठाने लगी है। वैसे, तालिबान से सबसे अधिक खतरा खुद पाकिस्तान को है। इस घटनाक्रम से तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को बल मिलेगा, जिससे पाकिस्तान के तालिबानीकरण का अंदेशा है। अफगानिस्तान छोटा सा मुल्क है, मगर पाकिस्तान परमाणु हथियारों से लैस। ऐसे में, यदि पाकिस्तान में तालिबान का प्रभाव बढ़ा, तो दुनिया के तमाम अमनपसंद राष्ट्र मुश्किल में आ सकते हैं। पिछले दशक में ऐसी कई घटनाएं हुई हैं, जिनमें तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान की संलिप्तता देखी गई है। उसके निशाने पर न सिर्फ आम नागरिक रहे हैं, बल्कि उसने पाकिस्तानी फौज के अति-सुरक्षित ठिकानों पर भी हमले किए हैं। मई, 2011 में मेहरान नेवल बेस और अगस्त, 2012 में कामरा एयर बेस पर हमला इसका बड़ा उदाहरण है। पाकिस्तान भले दुनिया को यह कहकर भ्रम में रखना चाहता हो कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान और अफगान तालिबान में कोई संबंध नहीं है और अफगान तालिबान 'अच्छे' हैं, लेकिन असलियत में इन दोनों गुटों में कोई मतभेद नहीं है। अफगानिस्तान पर तालिबान के नियंत्रण के दुष्परिणाम पूरे मध्य एशिया में दिख सकते हैं। तुर्किस्तान के ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट (ईटीआईएम), उज्बेकिस्तान के इस्लामिक मूवमेंट ऑफ उज्बेकिस्तान (आईएमयू), ताजिकिस्तान में ताजिक तालिबान कहे जाने वाले जमात अंसारुल्लाह जैसे तमाम आतंकी गुटों के साथ तालिबान के रिश्ते जगजाहिर हैं। पड़ोसी देशों में काम कर रहे ये संगठन अब और मुखर हो सकते हैं।

मगर पूरे घटनाक्रम का सबसे ज्यादा असर अमेरिका की बाइडन सरकार की विदेशी नीति की विश्वसनीयता पर पड़ा है। अपना मुंह छिपाने के लिए वह लाख बहाने बनाए, लेकिन सच यही है कि अफगानिस्तान में अमेरिका को करारी हार मिली है। 11 सितंबर, 2001 को 'ट्विन टावर' पर हमले के बाद से अफगानिस्तान में अमेरिका ने सैन्य दखल शुरू किया था। यहीं से अफगानिस्तान में एक सांविधानिक और लोकतांत्रिक परंपरा की शुरुआत हुई। इस प्रक्रिया को दोहा समझौता से झटका मिला, जब अमेरिका ने तालिबान से समझौता सिर्फ इसलिए किया कि अमेरिकी फौजें सुरक्षित बाहर निकल जाएं और तालिबान आतंकवादियों को पनाह नहीं दे। इस कवायद में अफगानिस्तान के भविष्य को अधर में छोड़ दिया गया। साफ है, अफगानिस्तान, उसकी जनता और उसके सभ्य समाज को सबसे बड़ी हार मिली है। उन्होंने बड़े ही मुश्किल व चुनौतीपूर्ण समय में लोकतंत्र का समर्थन किया था और मानवाधिकारों को बहाल करने की तरफ बढ़े थे। सवाल यह है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को अब क्या करना चाहिए? चूंकि खून-खराबा इस मसले का समाधान नहीं है, इसलिए बातचीत की मेज से ही रास्ता निकालने का प्रयास किया जाना चाहिए। विश्व समुदाय को देखना होगा कि अंतरराष्ट्रीय कायदे-कानूनों के प्रति जो प्रतिबद्धता तालिबान ने जताई है, क्या वह उस पर खरा उतर रहा है? तालिबान को यह भी साफ करना होगा कि वह किसी बाहरी ताकत के प्रभाव में आकर काम नहीं कर रहा। यह संयुक्त राष्ट्र अथवा अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों की सदस्यता हासिल करने की एक अनिवार्य शर्त है। यह मुद्दा जल्द उठेगा, क्योंकि सितंबर में संयुक्त राष्ट्र आमसभा की बैठक होने वाली है। इसमें तालिबान यह उम्मीद नहीं पाल सकता कि उसे स्वत- अफगानिस्तान की सीट हासिल हो जाएगी। ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा है कि तालिबान को अंतरराष्ट्रीय मान्यता नहीं मिलनी चाहिए। वहां जो भी 'अंतरिम सरकार' बनेगी, उस पर तालिबान हावी रहेगा। अब्दुल्ला अब्दुल्ला सत्ता हस्तांतरण की शर्तों पर समझौते को अंतिम रूप देने के लिए दोहा जा रहे हैं। यह और कुछ नहीं, उस बदलाव को वैधता देना होगा, जो पहले ही बलपूर्वक किया जा चुका है। तालिबान के कब्जे वाले क्षेत्र से भाग रहे आम अफगान नागरिकों की तस्वीरें तालिबान के 'असल चरित्र' का प्रतीक हैं। यदि तालिबान लोगों की मुश्किलों को दूर करने वाली ताकत होती, तो जनता उसका स्वागत करती। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा इस घटना की निंदा ही काफी नहीं है। उसे यह मांग भी करनी चाहिए कि अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र की देख-रेख में चुनाव कराए जाएं। तालिबान को आखिरकार यह साबित करना ही होगा कि उसे आम लोगों का समर्थन हासिल है। रही बात भारत की, तो तालिबान के रवैये को देखकर नई दिल्ली रुख तय करे। देखना होगा कि तालिबान अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के मुताबिक किस जिम्मेदारी से शासन कर रहा है। हमें फिलहाल किसी ऐसे शासन से रिश्ता बनाने के लिए कोई आपाधापी नहीं करनी चाहिए, जिसके भविष्य के व्यवहार पर सवाल हो।

प्रवीण कुमार सिंह

कांग्रेस मुक्त भारत की अवधारणा चरितार्थ हो जाए, तो पीएम मोदी से अधिक स्वयं कांग्रेस होगी जिम्मेदार

पार्टी छोड़ना आसान विकल्प है, मगर पार्टी में रहकर पार्टी को सुधारना ही असली चुनौती है। अब कांग्रेस संभवत- प्रियंका वाड्रा पर दांव लगाना चाहती है, जिसकी शुरुआत पिछले चुनावों में उन्हें पूर्वी उत्तर प्रदेश का प्रभारी और पार्टी महासचिव बनाकर हो गई है। प्रश्न यह है कि क्या कांग्रेस वंशवाद का परित्याग कर जनवाद की ओर बढ़ेगी? और बढ़ेगी तो कब? कांग्रेस नेता इन प्रश्नों से भाग रहे हैं, मगर यह पलायन आत्मघाती है जो न केवल कांग्रेस वरन भारतीय लोकतंत्र को भी कमजोर कर रहा है।

कांग्रेस शासित रायों पंजाब, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में जबरदस्त उठापटक जारी है। केवल इन्हीं बड़े रायों में पार्टी की सरकार बची है और तीनों जगह पार्टी-संगठन, सरकार और शीर्ष नेतृत्व में घमासान मचा हुआ है। ऐसे में यदि 'कांग्रेस मुक्त भारत' की अवधारणा चरितार्थ हो जाए तो उसके लिए भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी से अधिक कांग्रेस स्वयं जिम्मेदार होगी। कांग्रेस में अंतर्कलह कोई नई बात नहीं। स्वतंत्रता पूर्व नरमपंथियों और गरमपंथियों में पार्टी बंटी थी जिसकी चरम परिणति 1939 में हुई जब गांधी जी समर्थित उम्मीदवार पट्टाभि सीतारमैया गरमपंथी सुभाष चंद्र बोस के विरुद्ध कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव 203 मतों से हार गए। कालांतर में पार्टी नेहरू के नेतृत्व में वामपंथी और सरदार पटेल के नेतृत्व में दक्षिणपंथी गुटों में बंट गई। वर्ष 1948 में कांग्रेस सोशलिस्ट धड़े के नेता जयप्रकाश नारायण, आचार्य नरेंद्र देव, डा. राममनोहर लोहिया और मीनू मसानी आदि ने कांग्रेस छोड़कर सोशलिस्ट पार्टी बनाई। धीरे-धीरे राष्ट्रीय, प्रांतीय और स्थानीय स्तरों पर कांग्रेस में गुटबाजी बढ़ती गई। परिणामस्वरूप 1967 में आठ रायों में कांग्रेस हार गई। वर्ष 1969 में निजलिंगप्पा, मोरारजी देसाई, सीबी गुप्ता, एसके पाटिल, नीलम संजीव रेड्डी आदि शीर्ष नेताओं ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को पार्टी से निकाल दिया। इसके बाद इंदिरा गांधी को 'कांग्रेस-आइ' नाम से पार्टी बनानी पड़ी। साल 1978 में कांग्रेस में एक बार फिर विभाजन हुआ और कर्नाटक के क्षत्रप देवराज अर्स ने 'अर्स-कांग्रेस' बनाई। इसी प्रकार, अनेक नेता जैसे जगजीवन राम, पीए संगमा, शरद पवार, ममता बनर्जी आदि कांग्रेस से अलग होकर नई-नई पार्टी बनाते रहे। इसके बावजूद कांग्रेस नेतृत्व या तो इस विखंडन की गंभीरता को समझ

नहीं रहा था या वह जानबूझकर कांग्रेस को नष्ट करने पर तुला हुआ था। गत वर्ष कपिल सिब्बल, गुलाम नबी आजाद, आनंद शर्मा और शशि थरूर सहित 23 बड़े नेताओं ने पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखकर पार्टी में प्रभावी नेतृत्व के लिए 'संस्थागत-प्रक्रिया' बनाने का सुझाव दिया जो सामूहिक-नेतृत्व के आधार पर काम करे। इसका असर यही हुआ कि उलटे इन सभी नेताओं को हाशिये पर कर दिया गया। वहीं हिमंता बिस्व सरमा, योतिरादित्य सिंधिया और जितिन प्रसाद जैसे नेता अपने समर्थकों के साथ भाजपा में चले गए। यदि शीघ्र ही कांग्रेस नेतृत्व में गंभीर बदलाव नहीं हुआ तो भविष्य में अनेक नेता कांग्रेस छोड़ने को विवश हो जाएंगे।

जो तीन राय कांग्रेस के पास बचे हैं, वहां भी पार्टी नेतृत्व सरकारों को अस्थिर करने पर तुला है। पंजाब में सोनिया-राहुल ने विस्फोटक स्थिति पैदा कर दी है। वहां मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के बीच जुबानी जंग जारी है। अकाली दल और भाजपा में कृषि कानूनों को लेकर मतभेद के बाद मुख्यमंत्री अमरिंदर के लिए आगामी विधानसभा चुनाव जीतना आसान लगने लगा था, लेकिन उनकी कार्यप्रणाली सोनिया-राहुल को रास नहीं आई। उन्होंने सिद्धू के माध्यम से उनकी राह में अवरोध पैदा कर दिए। वहीं, सिद्धू तो दोधारी तलवार निकले। एक ओर वह मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के विरुद्ध ताल ठोक रहे तो दूसरी ओर उन्होंने शीर्ष नेतृत्व को भी चुनौती दे डाली कि यदि उन्हें स्वतंत्र निर्णय नहीं लेने दिए गए तो वह किसी को नहीं छोड़ेंगे। जब सरकार और संगठन के बीच ऐसे संबंध हों तो उस सूरत में पार्टी के जीतने की आखिर क्या संभावना बनेगी?

छत्तीसगढ़ दूसरा राय है, जहां कांग्रेसी गुटबाजी चरम पर है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव के बीच छत्तीस का आंकड़ा कायम है। यह अदावत पिछले विधानसभा चुनाव और फिर सरकार गठन के समय से ही जारी है। दोनों मुख्यमंत्री पद के दावेदार थे। सिंहदेव के अनुसार राहुल गांधी की उपस्थिति में दोनों के ढाई-ढाई वर्ष मुख्यमंत्री बनने पर सहमति बनी थी। इस साल जून में बघेल के वह कथित ढाई वर्ष समाप्त हो गए तो उसके बाद से ही सिंहदेव सक्रिय हो गए हैं। अव्वल तो कांग्रेस नेतृत्व को ऐसा कोई निर्णय लेना नहीं चाहिए था और यदि ले ही लिया तो उसे लागू कराना चाहिए। यह नेतृत्व में दूरदर्शिता और राजनीतिक सूझबूझ की कमी को दर्शाता है। ऐसा रवैया सामंती कार्यसंस्कृति से उपजता है। इस प्रकार भारतीय लोकतंत्र वह विडंबना भी दिखती है कि यहां सभी दल राय से तो लोकतांत्रिक मूल्यों की अपेक्षा करते हैं, परंतु स्वयं उन्हें आत्मसात नहीं करते।

तीसरे राय राजस्थान में कांग्रेसी सत्ता बस किसी तरह चल रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत नाराज सचिन पायलट को थोड़ी भी गुंजाइश देने को राजी नहीं। कुछ मान-मनौव्वल के बाद पायलट ने फिलहाल पार्टी तो नहीं छोड़ी, परंतु उनके साथ जैसा व्यवहार हुआ उससे युवा नेताओं और कर्मठ कार्यकर्ताओं का मनोबल अवश्य टूटता है जिसका खामियाजा आखिर में पार्टी को भुगतना पड़ता है।

यह शीर्ष नेतृत्व की दिशाहीनता और गलत रणनीतियों का परिणाम है कि कांग्रेस अपनी सरकारों, संगठन और कार्यकर्ताओं को ही नहीं साध पा रहा है। तिस पर तेजी से घटता जनाधार उसकी महत्वाकांक्षाओं पर तुषारापात कर रहा है। बंगाल विधानसभा चुनाव इसका सटीक उदाहरण है। पिछले चुनाव में जहां उसे 44 सीटें मिली थीं वहीं इस बार उसका खाता तक नहीं खुल पाया। कुल मिलाकर कांग्रेस केवल सोनिया और राहुल को ही बचाने में लगी है, जबकि उनके नेतृत्व में ही पार्टी मटियामेट हुई है। क्या पार्टी में योग्य नेताओं का अभाव हो गया है अधिकांश पार्टी नेता भी इस पर मौन हैं, जो मुखर भी हैं उनकी बातों का कोई असर नहीं। पार्टी छोड़ना आसान विकल्प है, मगर पार्टी में रहकर पार्टी को सुधारना ही असली चुनौती है। अब कांग्रेस संभवत- प्रियंका वाड्रा पर दांव लगाना चाहती है, जिसकी शुरुआत पिछले चुनावों में उन्हें पूर्वी उत्तर प्रदेश का प्रभारी और पार्टी महासचिव बनाकर हो गई है। प्रश्न यह है कि क्या कांग्रेस वंशवाद का परित्याग कर जनवाद की ओर बढ़ेगी? और बढ़ेगी तो कब? कांग्रेस नेता इन प्रश्नों से भाग रहे हैं, मगर यह पलायन आत्मघाती है जो न केवल कांग्रेस वरन भारतीय लोकतंत्र को भी कमजोर कर रहा है।

बेरोजगारी की चुनौती

नैशनल स्टैटिस्टिकल ऑफिस (एनएसओ) की ओर से जारी किए गए पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे (पीएलएफएस) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर से दिसंबर 2020 की तिमाही में शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 10.3 फीसदी रही। ये लगातार तीसरी तिमाही रही, जिसमें बेरोजगारी दर दस फीसदी से ऊपर दर्ज की गई, लेकिन हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि इन तीनों तिमाहियों के दौरान लॉकडाउन के चलते आर्थिक गतिविधियां करीब-करीब ठप हो चुकी थीं। उस असाधारण स्थिति से आहिस्ते आहिस्ते उबरने की कहानी इन आंकड़ों में देखी जा सकती है।

इससे ठीक पहले की यानी जुलाई से सितंबर 2020 की तिमाही में शहरी बेरोजगारी दर 13.3 फीसदी थी। हालांकि इससे आगे की अवधि भी कम उतार-चढ़ाव वाली नहीं रही। कठिन दौर को पीछे छोड़कर जब अर्थव्यवस्था पटरी पर आती हुई दिखने लगी थी, तभी कोरोना की दूसरी प्रचंड लहर ने एक बार फिर जैसे सब तहस-नहस कर दिया। वैसे पहले दौर का अनुभव काम आया और महामारी का मुकाबला करते हुए भी सरकारों ने देशव्यापी लॉकडाउन के बदले विभिन्न क्षेत्रों में जरूरत के मुताबिक स्थानीय और सीमित लॉकडाउन की नीति अपनाई, जिससे आर्थिक गतिविधियां भी जहां तक संभव हो सका, चलती रहीं।

इसी का परिणाम था कि दूसरी लहर का कहर थमने के बाद इकॉनमी को दोबारा संभलने में पिछली बार जितनी कठिनाई नहीं हुई। इसी शुक्रवार को जारी इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रॉडक्शन (आईआईपी) के आंकड़े इसकी पुष्टि करते हैं। इसके मुताबिक जुलाई के फैक्ट्री उत्पादन में 11.5 फीसदी की बढ़ोतरी को भले इस अर्थ में भ्रामक कहा जाए कि यह पिछले साल के लो बेस इफेक्ट की वजह से बेहतर दिख रही है, लेकिन यह तथ्य जरूर उत्साह बढ़ाने वाला है कि औद्योगिक उत्पादन महामारी से पहले वाले स्तर को छूने लगा है। निश्चित रूप से यह भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियादी मजबूती का संकेतक है। मगर असली पेच बेरोजगारी पर ही फंसा हुआ है। सीएमआईई (सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक इस साल अगस्त में भी बेरोजगारी दर 8.3 फीसदी रही। पिछले महीने देश भर में 19 लाख लोगों को रोजगार गंवाना पड़ा। जाहिर है, इस स्थिति में लोगों की क्रय शक्ति तो कम होती ही है, उनकी क्रय-इच्छा पर भी इसका विपरीत प्रभाव पड़ता है। आसपास के लोगों की नौकरियां जाते देख जिनकी नौकरियां नहीं गई हैं, उनका मन भी आशंकित हो जाता है।

नतीजतन, जरूरत और क्षमता होते हुए भी वे खरीदारी की योजना स्थगित कर देते हैं। मांग की कमी की समस्या से जूझती अर्थव्यवस्था के लिए यह स्थिति अच्छी नहीं कही जा सकती। सरकार द्वारा कुछ दिनों पहले घोषित मॉनिटाइजेशन पॉलिसी के पीछे निवेश बढ़ाकर आर्थिक विकास दर तेज करने और रोजगार के मौके बनाने की मंशा है। लेकिन सही मंशा काफी नहीं है। चुनौती तो इस मंशा को अमली जामा पहनाते हुए जमीन पर उतारने की है।

आखिर आक्रांताओं को कैसे राष्ट्र निर्माता कहा जा सकता है?

क्या विदेशी मुस्लिम शासक आक्रांता थे या राष्ट्रनिर्माता? हम ब्रितानी राज को किस श्रेणी में रखेंगे? अंग्रेजों ने 200 से अधिक वर्षों तक भारत को लूटा। यहां की मूल सनातन संस्कृति को बौद्धिक रूप से विकृत कर गए। इस्लामी आक्रांताओं का आचरण कुछ भिन्न था। प्रारंभ में तो इस्लामी आक्रमणकारी यहां की अकूत संपदा को लूटकर लौट गए, किंतु बाद में आने वालों ने देश पर ही कब्जा कर लिया। लुटेरे ही स्वामी बन गए और मूल निवासी उनके गुलाम। फिर उन्होंने स्थानीय बहुलतावादी संस्कृति को नष्ट किया। इस भूखंड की अस्मिता और सामाजिक जीवन के मानबिंदुओं को भी रौंद डाला। उनके मजहबी उन्माद में हजारों मंदिर धूल-धूसरित हो गए। असंख्य निरपराधों को या तो तलवार के बल पर मतांतरित कर दिया या फिर मजहबी उत्पीड़न के बाद मौत के घाट उतार दिया गया।

ब्रितानी और इस्लामी दस्युओं में एक अंतर और भी है। जहां 1947 में अंग्रेज भारत को कंगाल बनाकर उसे अपने मानसपुत्रों के हाथों में सौंप गए तो वहीं इस्लामी आक्रांताओं के मजहबी वंशजों का अखंड भारत के एक तिहाई से अधिक भू-भाग (पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान) पर आज भी कब्जा है, जहां इसकी मूल संस्कृति, उसकी संतति और सनातन जीवनमूल्य-लोकतंत्र, बहुलतावाद और पंथनिरपेक्षता के लिए कोई स्थान नहीं है। बीते दिनों अफगानिस्तान में गिने-चुने शेष हिंदू-सिखों का पलायन उसी विषाक्त श्रृंखला का एक भाग है।

इस्लामी आक्रांताओं और स्थानीय लोगों में संघर्ष क्या केवल सत्ता और अहंकार के कारण था? क्या इस कलह का कोई सांस्कृतिक या मजहबी आयाम नहीं था? कहते हैं कि मुस्लिम शासकों के दरबार में हिंदू तो हिंदू-सिख सम्राटों की राजसभाओं में मुस्लिम सैनिक/कर्मचारी थे। इसकी पुष्टि के लिए अकबर के प्रधान सेनापति मानसिंह-प्रथम, मुहम्मद आदिल शाह के मंत्री हेमचंद्र विक्रमादित्य उर्फ हेमू से लेकर महाराणा प्रताप की सेना में हकीम खां सूरी और मराठा साम्राज्य में दौलत खान आदि मुस्लिमों का उदाहरण दिया जाता है। यदि इस कुतर्क को भी आधार बनाएं तो अंग्रेजों के लिए लड़ने वाले सैनिक, उनके कर्मचारी/अधिकारी और क्रांतिकारियों को फांसी पर लटकाने वाले कौन थे? सभी अधिकांश जन्म से भारतीय थे। दूसरी ओर भगिनी निवेदिता, एनी बेसेंट और सीएफ एंड्रयूज आदि यूरोपीय नागरिक भी भारतीय स्वतंत्रता के पक्षधर थे। क्या इस आधार पर कहा जा सकता है कि स्वतंत्रता का संघर्ष स्वाभिमान और स्वाधीनता के लिए नहीं, अपितु केवल सत्ता हेतु था?

ब्रितानियों का प्रारंभिक लक्ष्य साम्राज्य का विस्तार और भारतीय संपदा को लूटना था, किंतु 1813 में अंग्रेजों ने ईस्ट इंडिया कंपनी के चार्टर में विवादित अनुच्छेद जोड़कर ब्रितानी पादरियों और ईसाई मिशनरियों द्वारा भारतीयों के मतांतरण में सभी प्रकार की मदद देने का प्रविधान भी कर लिया। अपने शासन को शाश्वत बनाने के लिए अंग्रेजों ने कुटिल 'बांटो और राज करो' की नीति अपनाई और इतिहास को विकृत कर समाज को बांटने का काम किया। इस चिंतन से स्वतंत्र भारत का एक वर्ग आज भी जकड़ा हुआ है। वहीं इस्लामी आक्रांताओं द्वारा भारत पर हमले के पीछे कई मजहबी प्रेरणाएं थीं। वर्ष 712 में जब अरब आक्रांता मोहम्मद बिन कासिम ने सिंध पर हमला करके राजा दाहिर को परास्त किया, तब उसने गैर-मुस्लिमों को 'जिम्मी/धिम्मी' घोषित किया था, जिन्हें शरीयत अनुरूप जीवित रहने हेतु धार्मिक कर देना होता था। इसे कालांतर में कई इस्लामी आक्रांताओं ने लागू किया। महमूद गजनी ने 11वीं शताब्दी में भारत पर आक्रमण किया। उसने एक दर्जन से अधिक बार भारत पर हमले किए और सोमनाथ मंदिर जैसे मान बिंदुओं को ध्वस्त किया। फिर सल्तनत काल से लेकर लोदी वंश के बाद 1526 में बर्बर बाबर ने भारत में मुगल साम्राज्य की स्थापना की। जब बाबर का सामना मेवाड़ शासक राणा सांगा से हुआ, तब उसने अपनी सेना का हौसला बढ़ाने के लिए जिहाद का सहारा लिया।

इस मजहबी श्रृंखला में अकबर, जहांगीर और शाहजहां का नाम भी आता है। वर्ष 1556 में मुगलों से लड़ते हुए जब वीर हेमू आंख में तीर लगने से बुरी तरह घायल हो गए, तब 14 वर्षीय अकबर ने अपने उस्ताद बैरम खां के कहने पर तलवार से लगभग मृतप्राय हेमू का गला काटकर 'गाजी' यानी काफिर को मारने वाले की पदवी पाई थी। मेवाड़ पर कब्जे के लिए अकबर ने हजारों गैर-सैनिक हिंदुओं के संहार का निर्देश दिया था, क्योंकि वे काफिर थे। इसी तरह 'तुज्क-ए-जहांगीर' के अनुसार कांगड़ा स्थित ज्वालामुखी मंदिर परिसर में जहांगीर ने गाय को जिबह किया था तो पुष्कर में भगवान विष्णु के अवतार वराह के मंदिर को ध्वस्त कर दिया। पांचवें सिख गुरु अर्जुन देवजी को जहांगीर के निर्देश पर ही मौत के घाट उतारा गया था। शाहजहां कालक्रम के वृत्तांत बादशाहनामा में शाहजहां के निर्देश पर बनारस स्थित दर्जनों मंदिरों को ध्वस्त करने का उल्लेख है। ये सब विवरण मुस्लिम बादशाहों द्वारा स्वयं या फिर उनके दरबारियों द्वारा लिखे गए हैं। कट्टरता के ये क्रूर चिन्ह दिल्ली सल्तनत और मुगल काल से लेकर मैसूर के शासक रहे टीपू सुल्तान तक दिखाई पड़ते हैं। इसका प्रमाण टीपू की वह तलवार है जिसके हत्थे पर लिखा है, 'अविश्वासियों (काफिरों) के विनाश के लिए मेरी तलवार बिजली की भांति चमक रही है।'

तालिबान भरोसे के काबिल नहीं है, लेकिन वक्त की जरूरत है कि उनके साथ संपर्क-संवाद जारी रखा जाए

घुसपैठ रोकने के लिए सीमा पर निगरानी बढ़ाए जाने के साथ सुरक्षा बलों का आधुनिकीकरण आवश्यक है। अगर कश्मीर में शांति बहाल रखनी है तो सीमाओं की सतत निगरानी करनी होगी। स्पष्ट है कि सरकार को हर स्तर पर ऐसे प्रयास करने होंगे जिससे घाटी में कट्टरता को बढ़ावा न मिलने पाए। तालिबान भरोसे के काबिल नहीं हैं, लेकिन यह वक्त की जरूरत है कि उनके साथ संपर्क-संवाद जारी रखा जाए। इस संदर्भ में केंद्र सरकार सही रास्ते पर चलती नजर आ रही है, क्योंकि उसके लिए यह आकलन करते रहना जरूरी है कि पाकिस्तान तालिबान का किस हद तक इस्तेमाल कर रहा है।

काबुल पर काबिज हुए तीन सप्ताह गुजरने और अमेरिकी सेना के पलायन के बावजूद तालिबान अभी तक अपनी सरकार गठित नहीं कर पाए हैं। सरकार गठन को लेकर असमंजस का दौर जारी है। तालिबान के संस्थापकों में शामिल अब्दुल गनी बरादर के नेतृत्व में गठित होने जा रही सरकार से उम्मीदें कम, आशंकाएं यादा हैं। नई सरकार को स्थिरता के साथ-साथ अफगानिस्तान की बदहाली दूर करनी होगी। पिछली बार जब 1996 में तालिबान ने अफगानिस्तान में मुल्ला उमर के नेतृत्व में शासन चलाया था तब उसे न तो पाकिस्तान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को छोड़कर किसी देश ने मान्यता दी थी और न ही तालिबान यह भरोसा दिला सके थे कि वे देश की व्यवस्था चला सकते हैं। भारत में उस समय संयुक्त मोर्चे की सरकार थी। तालिबान के राज में 2001 तक अफगानिस्तान से भारत के संबंध नहीं रहे। वास्तव में तालिबान को लेकर भारत का अनुभव बेहद खराब रहा है। एक तो तालिबान ने आतंक के बल पर शासन कायम कर भारत के करीबी माने जाने वाले तत्कालीन राष्ट्रपति नजीबुल्ला को गोली मारने के बाद चौराहे पर लटका दिया था और दूसरे 24 दिसंबर 1999 को भारत के यात्री विमान को जिस तरह अपहृत कर कंधार ले जाया गया वह सीधे-सीधे देश को चुनौती देने वाला घटनाक्रम था। 11 सितंबर, 2001 की आतंकी घटना के बाद अमेरिका ने अलकायदा और तालिबान को उखाड़ फेंकने के लिए अफगानिस्तान में हमला बोला और इसके फलस्वरूप काबुल में तालिबानी राज समाप्त हुआ। अमेरिका ने अफगानिस्तान में लोकतांत्रिक सरकार की स्थापना का संकल्प व्यक्त किया था।

इस कड़ी में हामिद करजई को वहां का राष्ट्रपति बनाया गया, मगर इससे कोई बुनियादी बदलाव नहीं हुआ। न तो अफगानिस्तान लोकतांत्रिक देश बन सका और न ही अमेरिका तालिबान व अलकायदा की जड़ें समाप्त कर सका। अमेरिका को अफगानिस्तान में अपने हस्तक्षेप में मिली असफलता का अहसास होने लगा था। इसीलिए पहले तालिबान के साथ बातचीत का रास्ता खोला गया और फिर मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन ने अफगानिस्तान से अमेरिकी सेनाओं की वापसी का एलान कर दिया। 31 अगस्त को अमेरिकी सेनाओं की वापसी हो चुकी है और अफगानिस्तान फिर से तालिबान के कब्जे में है।

तालिबान ने हाल में अपने रुख-रवैये में बदलाव के संकेत दिए हैं। उसकी ओर से शासन में नरमी के साथ ही दुनिया के देशों से संबंध कायम करने की बात कही गई है, लेकिन चंद दिनों के भीतर ही तालिबान की बातों में विरोधाभास नजर आने लगा है। पहले तालिबान के एक शीर्ष नेता ने कश्मीर मुद्दे पर दखल न देने की बात कही, लेकिन गत दिवस उसके प्रवक्ता ने यह एलान कर दिया कि उनका संगठन कश्मीर समेत दुनिया भर के मुस्लिमों के अधिकारों को लेकर आवाज उठाएगा। भारत के लिए तालिबान का यह रुख चिंताजनक है, क्योंकि दुनिया जानती है कि तालिबान को पाकिस्तान से समर्थन-संरक्षण हासिल है और चीन भी उसके साथ हमदर्दी दिखा रहा है। तालिबान ने जिस तरह खुलकर चीन को अपना मुख्य साझेदार बता दिया और उसकी विस्तारवादी परियोजना वन बेल्ट वन रोड की पक्षधरता की वह यह संकेत देता है कि तालिबान के प्रति चीन का रुख क्या रहने वाला है और कैसे तालिबान-चीन-पाकिस्तान का त्रिकोण भारत के लिए स्थायी चिंता का विषय बन सकता है। चीन जैसे समृद्ध और अपना प्रभाव रखने वाले देश का तालिबान को समर्थन मिलना अनेक जटिलताएं पैदा करेगा। तालिबान पिछली बार इसलिए भी नाकाम रहे थे, क्योंकि उन्हें विश्व समुदाय ने नकार दिया था, लेकिन इस बार रूस और चीन के कारण हालात अलग हैं। चीन और रूस का समर्थन तालिबान को न केवल वैधानिकता प्रदान कर सकता है, बल्कि उसके लिए कई ऐसी संभावनाओं के द्वार खोल सकता है जो दुनिया के लिए खतरा साबित होंगी। पाकिस्तान और चीन भारत के प्रति अपने शत्रुतापूर्ण इरादों को पूरा करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। तालिबान के साथ ही इस्लामिक स्टेट, जैश-ए-मुहम्मद तथा लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठनों की पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ से साठगांठ है, जिनका साझा एजेंडा भारत को क्षति पहुंचाना है। तालिबान राज में अफगानिस्तान और पाकिस्तान में उनकी सक्रियता बढ़ना तय है।

अफगानिस्तान की सत्ता में तालिबान की वापसी दुनिया में कट्टरता के प्रसार का नया खतरा लेकर आई है। आतंकवाद के साझा खतरे के प्रति तमाम देश सचेत हुए हैं। एक समय सऊदी अरब कट्टरता का गढ़ था, लेकिन हाल में वहां भी परिवर्तन आया है। विश्व में कई इस्लामी देश हैं, लेकिन उनमें भी तालिबानी सोच की झलक कम मिलती है। शायद ही आज कोई देश यह कहे कि वह अपने यहां महिलाओं को सामान्य अधिकार भी नहीं देगा। तालिबान धर्म के नाम पर ऐसे तमाम देशों में कट्टरता फैला सकते हैं। यदि ऐसा हुआ तो आतंकवाद का साया और गहराएगा। चीन में उइगर और रूस में चेचन के रूप में मुस्लिमों की अच्छी-खासी आबादी है। ये देश भले ही अभी तालिबान की पक्षधरता करते नजर आ रहे हैं, लेकिन उन्हें समझना होगा कि अपनी कट्टरता के कारण तालिबान उनके लिए भी चुनौती बनने जा रहे हैं।

कश्मीर में हाल के दिनों में आतंकी गतिविधियों में जिस तरह बढ़ोतरी हुई है वह अफगानिस्तान के घटनाक्रम को लेकर भारत की चिंता के कारणों को रेखांकित करने वाली है। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद हालात धीरे-धीरे सामान्य होने लगे थे और जो विरोधी स्वर थे वे भी शांत होने लगे थे, लेकिन अब उनकी सक्रियता फिर से बढ़ने लगी है। केंद्र सरकार को फिर से उभरते खतरे का अहसास है, लेकिन यह आवश्यक है कि सुरक्षा बलों के स्तर पर पहले की कमियां दोहराई न जाएं। घुसपैठ रोकने के लिए सीमा पर निगरानी बढ़ाए जाने के साथ सुरक्षा बलों का आधुनिकीकरण आवश्यक है। अगर कश्मीर में शांति बहाल रखनी है तो सीमाओं की सतत निगरानी करनी होगी। स्पष्ट है कि सरकार को हर स्तर पर ऐसे प्रयास करने होंगे जिससे घाटी में कट्टरता को बढ़ावा न मिलने पाए। तालिबान भरोसे के काबिल नहीं हैं, लेकिन यह वक्त की जरूरत है कि उनके साथ संपर्क-संवाद जारी रखा जाए। इस संदर्भ में केंद्र सरकार सही रास्ते पर चलती नजर आ रही है, क्योंकि उसके लिए यह आकलन करते रहना जरूरी है कि पाकिस्तान तालिबान का किस हद तक इस्तेमाल कर रहा है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

पीएम मोदी को सीएम हेमंत सोरेन ने दी जन्मदिन की बधाई, जानें झारखंड के नेताओं ने क्या कहा

रांची । आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके जन्मदिन पर बधाई और शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री ने उनके उत्तम स्वास्थ्य और सुखी जीवन की कामना की है। इधर, झारखंड भाजपा समेत अन्य पार्टियों के नेताओं ने भी पीएम मोदी को जन्मदिन की बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी आज 71 साल के हो गए हैं। विश्वकर्मा पूजा के दिन ही उनका जन्मदिन होता है।

झारखंड में प्रतिपक्ष नेता बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि एक कर्मयोगी एक साधक... अहर्निश भारत माता की सेवा में तल्लीन। राष्ट्र को परम वैभव तक ले जाने को संकल्पित, दूरदृष्टा यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। बाबा बैद्यनाथ से आपके उत्तम स्वास्थ्य व सुदीर्घ जीवन की कामना करता हूं। गोड्डा के सांसद निशिकांत दूबे ने कहा है कि विश्व के सबसे शक्तिशाली नेता एवं करोड़ों कार्यकर्ताओं के प्रेरणा स्त्रोत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं। झारखंड भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने कहा है कि जीवेत शरदः शतम। भारत के गौरव को विश्व पटल पर पुनः स्थापित करने वाले विश्व के सबसे प्रभावशाली नेता, सच्चे कर्मयोगी देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 71वें जन्मदिवस की शुभकामनाएं। प्रभु से प्रार्थना है कि आप सदैव स्वस्थ एवं दीर्घायु रहें। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, अन्नपूर्णा देवी, आजसू प्रमुख सुदेश महतो, रांची विधायक व सांसद, और अन्य नेताओं ने भी पीएम नरेंद्र मोदी को जन्मदिन पर बधाई व शुभकामना संदेश दिया है। सुदेश महतो ने कहा है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं। सीपी सिंह ने कहा है, माँ भारती के अनन्य सेवक, भारत के समृद्ध विकास के शिल्पकार, विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता, यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिवस की बहुत-बहुत बधाई। ईश्वर आपको सदैव स्वस्थ रखें व आप दुगुनी ऊर्जा के साथ देशसेवा करते रहें, ऐसी प्रार्थना है। संजय सेठ ने कहा, अंत्योदय की संकल्पना को मूर्त रूप देने वाले, हम सबके प्रेरणास्रोत, जनप्रिय और यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की बधाई।

बिहार पंचायत चुनाव को लेकर पलामू में बैठक, आइजी अमित लोढ़ा व पलामू-औरंगाबाद-गया के एसपी कर रहे वार्ता

पलामू । बिहार में पंचायत चुनाव को लेकर झारखंड में भी सरगर्मी बढ़ गई है। सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आज शुक्रवार को पलामू जिला मुख्यालय में इंटरस्टेट पुलिस अधिकारियों की बैठक हो रही है। इस बैठक में बिहार के मगध जोन के आइजी अमित लोढ़ा, पलामू एसपी चंदन कुमार सिन्हा, औरंगाबाद, गया के एसपी सहित कई वरीय पुलिस अधिकारी मौजूद हैं। बैठक में बिहार में पंचायत चुनाव में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आपसी समन्वय पर बातचीत चल रही है। बता दें कि बिहार पंचायत चुनाव में शराब से लेकर पैसे व हथियार का बहुत उपयोग होता है। इसके आवागमन व संरक्षण में झारखंड के सीमावर्ती इलाके सबसे मुफीद जगह होते हैं। पंचायत चुनाव शांतिपूर्ण हो, इसे लेकर दोनों राज्यों की पुलिस सुरक्षा को लेकर अलर्ट रहने पर बातचीत कर रही है। बैठक में बिहार में मुक्त पंचायत चुनाव, पैसों के लेनदेन पर नजर रखने, शराब की तस्करी आदि पर अलर्ट रहने को लेकर बात हो रही है। चुनाव शांतिपूर्ण हो, इसके लिए पुलिस किस तरह एक-दूसरे राज्यों के साथ समन्वय के साथ कार्य करे, इस पर बैठक में अधिकारी चर्चा कर रहे हैं। बैठक जारी है।

आरक्षित वार्डों में 20-20 लाख के विकास कार्यों की मिलेगी स्वीकृति

रायपुर । नगर निगम के आरक्षित वार्डों में विकास कार्य के लिए 20-20 लाख रुपये की स्वीकृति देने आयुक्त ने हामी भर दी है। गुरुवार को निगम मुख्यालय भवन में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग की विभागीय सलाहकार समिति की बैठक में समिति के अध्यक्ष सुंदर लाल रुकमणी ने नगर निगम द्वारा जाति प्रमाणपत्र बनाने की सरलीकृत प्रक्रिया के संबंध में आदेश जारी करने का स्वागत कर प्रक्रिया तेज करने को कहा। सुंदर लाल रुकमणी जोगी ने सदस्यों को बताया कि आरक्षित वार्डों में विकास कार्य के लिए 20-20 लाख के प्रस्ताव तैयार कराकर उसकी स्वीकृति के लिए निगम आयुक्त के पास भेजे। उनसे चर्चा हो चुकी है, ऐसे प्रस्ताव पर शीघ्र स्वीकृति देने को कहा है। श्री जोगी ने आगे बताया कि सभी 70 वार्डों में खाली शासकीय जमीनों को चिह्नित कर उनमें दुकानों का प्रस्ताव सभी पार्षदगण दें, ताकि उन दुकानों पर प्राथमिकता के आधार पर वार्ड के आरक्षित वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार मिल सके। उक्त दुकानें की लागत मूल्य पर ही संबंधित हितग्राही को देने का फैसला सलाहकार समिति के सदस्यों ने लिया है। समिति के विभागीय सचिव एवं प्रभारी अधिकारी हरेंद्र कुमार साहू ने बताया कि खाली शासकीय भूमियों की जानकारी और प्रस्ताव समिति के माध्यम से नगर निगम आयुक्त को भेजा जाएगा। जिस पर संबंधित जोन से एस्टीमेट के साथ स्वीकृति के लिए मुख्यालय भेजा जाएगा। बैठक में सहमति व्यक्त की गई है कि राशि के बारे में आवश्यकता के अनुसार महापौर एजाज ढेबर, नगरीय प्रशासन एवं विकास एवं श्रम मंत्री डॉक्टर शिव कुमार डहरिया से भी चर्चा की जाएगी। जाति प्रमाणपत्र की सरलीकृत प्रक्रिया के संदर्भ में राज्य शासन द्वारा जारी पत्र में नोडल अधिकारी की नियुक्ति के निर्देश दिया गया था। तदनुसार उपायुक्त राजस्व अरविंद शर्मा को नोडल अधिकारी बनाया गया है। बैठक में विभागीय सलाहकार समिति के सदस्य निगम एमआइसी सदस्य सहदेव व्यवहार, श्रीमती अंजनी राधेश्याम विभार, पार्षद अनवर हुसैन, राजा बंजारे, शीतल कुलदीप बोगा, नीलम जगत, मणिलाल साहू, प्रकाश जगत, राधेश्याम विभार, विष्णु बारले सहित विभागीय सचिव एवं प्रभारी अधिकारी हरेंद्र कुमार साहू तथा नोडल अधिकारी उपायुक्त राजस्व अरविंद शर्मा उपस्थित थे।

जेईई मेंस में प्रयास के छात्रों ने दिखाया हुनर, इस बार 178 हुए उत्तीर्ण

रायपुर । मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना के तहत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के बच्चों के लिए चल रहे आवासीय प्रयास विद्यालयों से विद्यार्थी लगातार उत्तीर्ण हो रहे हैं। इस बार भी 173 बच्चों ने परीक्षा में बाजी मारी है। विद्यार्थियों के अध्ययन और सर्वांगीण विकास के लिए, सरकार आईआईटी, एनआईटी और विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश दिलाने के लिए बच्चों को मुफ्त में कोचिंग करा रही है। जेईई मेंस की परीक्षा में आदिम जाति विभाग द्वारा संचालित प्रयास आवासीय विद्यालय के छात्रों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। पिछले सालों में इन प्रयास आवासीय विद्यालयों से अब तक 70 विद्यार्थी आईआईटी, 221 छात्र आईआईटी एवं ट्रिपल आईटी और 772 विद्यार्थी इंजीनियरिंग कॉलेजों, 39 विद्यार्थी मेडिकल कॉलेजों में दाखिला ले चुके हैं।

इस परीक्षा में आवासीय विद्यालयों से 395 छात्र परीक्षा में शामिल हुए, इनमें से 178 छात्र सफल हुए। सर्वाधिक 73 छात्र प्रयास बालक आवासीय विद्यालय सड्डू रायपुर, प्रयास कन्या आवासीय विद्यालय रायपुर की 23 छात्राएं, प्रयास आवासीय विद्यालय दुर्ग के 21 छात्र, प्रयास अंबिकापुर के 18 छात्र, प्रयास बिलासपुर के 16, प्रयास जगदलपुर के 15 और प्रयास कांकेर

विश्वकर्मा जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 21 हजार लाभार्थियों को दिया टूल किट तथा मुद्रा योजना का लाभ

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को विश्वकर्मा दिवस के अवसर पर विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत 21 हजार प्रशिक्षित लाभार्थियों को टूल किट वितरित किया। लोकभवन में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत ऋण भी वितरित किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने आज विश्वकर्मा दिवस एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर एक पखवाड़े का विकासोत्सव कार्यक्रम भी शुरु किया। लोकभवन में इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह कार्यक्रम सभी 75 जनपदों मे आयोजित किया गया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अगले तीन माह में 75 हजार और हस्तशिल्पियों को प्रशिक्षण व टूल किट प्रदान किये जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक 100 करोड़ रुपये की टूल किट वितरित की जा चुकी हैं। योगी ने कहा कि विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना और एक जिला एक उत्पाद योजना का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश में न सिर्फ रोजगार के अवसर बढ़े, बल्कि बेरोजगारी दर वर्ष 2016 की तुलना में घटी है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा जी की जयंती के साथ दुनिया के सबसे लोकप्रिय राजनेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिन है। पीएम मोदी राष्ट्र सेवा के 20 वर्ष छह अक्टूबर को पूरा कर रहे हैं। छह अक्टूबर को पीएम मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री पद से प्रदेश और देश सेवा की शुरुआत की थी। प्रदेश में 20 दिन तक लगातार विकासोत्सव की श्रंखला के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार वर्ष 2018 से विश्वकर्मा श्रम सम्मान की योजना शुरु की। कोरोना काल में कारीगरों, व्यवसायियों और हुनरमंदों ने बेहतर कार्य कर नयी मिशाल पेश की। अब तक 68412 लोगों को प्रशिक्षित कर टूल किट योजना में 100 करोड़ रुपये की योजना का लाभ दिया गया है। स्किल के क्षेत्र में बहनें भी पीछे नहीं हैं। सिलाई-कढाई में बहनें आगे बढेंगी तो यूपी रेडीमेड गारमेन्ट का हब बनेगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कल से इन्द्र भगवान लगातार बारिश कर रहे हैं तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी कारीगरों को अनेक लाभाकारी योजनाओं का लाभ देने की लगातार बारिश कर रहे हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर राज्य सरकार ने यहीं से आज ही विकासोत्सव कार्यक्रम की शुरुआत की है। हमने अगले तीन माह में 75000 कारीगरों को योजना का लाभ देने का लक्ष्य तय किया है। सभी कारीगर देश की धरोहर हैं उनका सम्मान बढाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन जैसा नास्तिक हमारे देश को गणेश-लक्ष्मी की बिना शक्ल सूरत की मूर्तियां देता था। हमने सभी कारीगरों का उत्साह बढ़ाया अब देखिए कितनी बेहतर गणेश-लक्ष्मी की मूर्तियां बाजार में हैं।

प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री का आज जन्मदिन है। उन्होंने 20 वर्ष गुजरात की सेवा कर बेहतर प्रदेश बनाया है। सीएम योगी आदित्यनाथ के पास भी विकास का आर्थिक माडल है। पीएम मोदी के माडल को देश में सबसे पहले यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने लागू किया। इसका असर दिखा। ओडीओपी और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के लागू होने से 68412 लोगो ने स्किल ट्रेनिंग ली है। उसमें 11000 लोगों को प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना से लाभान्वित किया जा रहा है। हलवाई ट्रेड से देवांश दत्त शुक्ला को 50000 तथा दर्जी ट्रेड से कुलदीप, मनीषा यादव, वंदना यादव, नगमा, प्रिया विश्वकर्मा तथा रीता मौर्या को दस-दस हजार रुपये की मुद्रा योजना का लाभ दिया गया।

मऊ में भारी बारिश से रेलवे ट्रैक की मिट्टी धंसी, दूसरे ट्रैक से गुजरी दादर एक्सप्रेस के पायलट ने दी सूचना

मऊ । जिले में भारी बारिश के बाद रेलवे ट्रैक की मिट्टी धंस गई। इसकी वजह से एक बड़ा हादसा टल गया। इस दौरान मऊ में रत्नागिरी तो इंदारा में गोदाम को रोक दिया गया। इस दौरान रेलवे ट्रैक पर कई घंटे आवागमन बंद रहा। परिचालन बंद रहने की वजह से रेलवे के अधिकारी भी इस दौरान हांफते नजर आए।

बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवात का असर ऐसा रहा कि जनपद पानी-पानी हो गया। इससे जहां आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ तो रेलवे संचालन भी प्रभावित हो गया। गुरुवार की रात हुई मूसलधार बारिश के चलते मऊ-इंदारा रेलवे ट्रैक के नीचे की मिट्टी धंस गई। बगल वाली ट्रैक से गुजर रही दादर एक्सप्रेस के पायलट ने देखा तो इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही सबसे पहले मऊ से गुजरने वाली ट्रेनों को दूसरे रेलवे स्टेशनों पर रोक दिया गया। वहीं यात्रिकी विभाग संग आरपीएफ सहित रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे। चार घंटे बाद भी धंसी मिट्टी को ठीक करने का काम जारी रहा।

सुबह लगभग 08ः30 बजे दादर एक्सप्रेस ट्रेन इंदारा से मऊ जंक्शन पर आ रही थी। जैसे ही ट्रेन तमसा नदी के पास ट्रैक से गुजरी कि पायलट की नजर दूसरे रेलवे ट्रैक पर पड़ी। देखा कि ट्रैक के नीचे की मिट्टी धंसी हुई है। उसने तुरंत इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को दिया। सूचना मिलते ही सबसे पहले मऊ जंक्शन पर रत्नागिरी एक्सप्रेस को रोक दिया गया। वहीं इंदारा में गोदाम खड़ी हो गई। दादर ट्रेन के चालक की सूझबूझ से बड़ा हादसा होते-होते टल गया। जिस प्रकार से रेलवे ट्रैक के नीचे की मिट्टी धंसी थी अगर वह पायलट के नजर पर नहीं पड़ती तो बड़े हादसे से इंकार नहीं किया जा सकता था। दोपहर तक रेलवे ट्रैक को ठीक करने का काम जारी रहा। दूसरे ट्रैक से रोकी गई ट्रेनों को एक-एक कर रवाना किया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में मां गंगा को चढ़ाई गई 71 मीटर की चुनरी

वाराणसी । वाराणसी के सांसद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में मां गंगा को उनके 71 वें जन्मदिन के मौके पर जन्मदिन की बधाई 71 मीटर चुनरी गंगा को समर्पित करके दी गई। शहर में रत्ना देवी ट्रस्ट की ओर से पीएम के जन्मदिवस पर मां गंगा को 71 मीटर की चुनरी चढ़ाई गई। गंगा के घाटों से लेकर गंगा के मध्य तक चुनरी को नौका से ले जाया गया। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां गंगा को चुनरी समर्पित की गई। वहीं दूसरी ओर नमामि गंगे के सदस्यों ने पीएम मोदी के लंबी उम्र के लिए मां गंगा की आरती भी की गई।

पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर नमामि गंगे के सदस्यों ने लंबी उम्र की कामना के लिए मां गंगा की आरती उतारी गई। सदस्यों ने दशाश्वमेध घाट पर पहले सफाई अभियान चलाया। उसके बाद पीएम मोदी के दीर्घायु के लिए मां गंगा का दुग्धाभिषेक कर पूजन अर्चन किया गया। इस दौरान मां गंगा से देश को आत्मनिर्भर बनाने और कोरोना से मुक्त करने की कामना की गई। नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री ने वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में जब अपने संसदीय क्षेत्र के तौर पर काशी को चुना था, तब उन्होंने कहा था कि उन्हें मां गंगा ने बुलाया है। तब से अब तक मां गंगा के पुत्र के रूप में पीएम मोदी की नमामि गंगे के तहत प्राथमिकता गंगा सफाई एवं यह सुनिश्चित करना है कि शहरों की गंदगी गंगा में न गिरे। आयोजन के बाबत बताया कि प्रधानमंत्री मोदी का सपना है कि भारत आत्मनिर्भर बने इस निमित्त हमने मां गंगा से आशीर्वाद मंगा है। इस दौरान प्रमुख रूप से गंगोत्री सेवा समिति के अध्यक्ष पं किशोरी रमण दुबे, महानगर संयोजक शिवदत्त द्विवेदी, महानगर सहसंयोजक शिवम अग्रहरी, महानगर सहसंयोजक रामप्रकाश जायसवाल, घनश्याम गुप्ता, रश्मि साहू, सोनी चौरसिया, सारिका गुप्ता, पुष्पलता वर्मा, रूपा जायसवाल, सोनू, स्वाति जायसवाल, कंचन मिश्रा, हर्षा नाथानी, पूजा मौर्या, कीर्तन बरनवाल, सोनाली यादव, सविता अग्रवाल थे।

लखनऊ के कई इलाकों में 40 घंटे बाद भी नहीं आई बिजली, आशियाना बिजली घर छोड़कर भागे कर्मचारी

लखनऊ । बारिश की रफ्तार धीमी होने के बाद भी बिजली बहाली को लेकर जो काम होने चाहिए, वह बिजली महकमा नहीं कर पाया। राजधानी व ग्रामीण क्षेत्रों में बुधवार शाम गई बिजली शुक्रवार दस बजे तक भी नहीं आ सकी थी। इससे नाराज उपभोक्ताओं ने आशियाना स्थित बिजली उपकेंद्र का घेराव किया। उपभोक्ताओं ने बताया कि आशियाना के सेक्टर एम, एन व एल सहित कई सेक्टरों में संकट है। वहीं गोमती नगर, अलीगंज सेक्टर एन, सदर, अमीनाबाद के गणेशगंज, पुराने लखनऊ, सेस के क्षेत्रों में बिजली संकट बना रहा। उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि अवर अभियंता से लेकर मुख्य अभियंता तक फोन नहीं उठा रहे हैं। वहीं टोल फ्री नंबर 1912 पर जो त्वरित कार्रवाई होनी चाहिए थी, वह पूरी तरह से शिथिल पड़ गई। रहीमनगर, सीतापुर रोड, बीकेटी, चिनहट खंड के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रो में स्थिति सबसे ज्यादा खराब रही।

मध्याचंल एमडी सूर्य पाल गंगवार स्वयं बिजली बहाल करवाने में लगे, लेकिन साठ फीसद इलाकों में बिजली संकट बना रहा। उन्होंने अभियंताओं को आदेश दिए हैं कि 17 और 18 सितंबर को भी बारिश की संभावना जताई गई है। इसलिए वह सतर्क रहे। जहां बारिश के कारण बिजली बाधित हो रही है, उसे जल्द से जल्द बहाल करवाएं। हालांकि उपकेंद्रों में संविदा कर्मचारियों की संख्या और उपकरण सीमित होने के कारण जो फाल्ट सामान्य दिन में एक घंटे में ठीक होता था, उसमें अब ढाई से तीन घंटे लग रहे हैं। संविदा कर्मचारी भी बरसात में लगातार भीगकर परेशान हो गए हैं। गंगवार ने सभी कर्मचारियों व अफसरों को उपभोक्ताओं के फोन अटेंड करने के आदेश दिए हैं, इसके बाद भी उपभोक्ता के फोन बिजली उपकेंद्रों में उठाए नहीं जा रहे हैं। उधर बिजली संकट होने से घरों में पानी को लेकर सबसे ज्यादा परेशानी रही। 1912 में शिकायतों का निस्तारण जल्द हो ः टोल फ्री नंबर 1912 में शिकायत आने का ग्राफ दोगुना बढ़ गया है। मध्यांचल के प्रबंध निदेशक सूर्य पाल ने 1912 सेंटर का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान एमडी को गलत जानकारी दी कि शहरी क्षेत्र के अधिकांश क्षेत्र में बिजली बहाल कर दी गई, जबकि वास्तविक स्थिति कुछ और थी। शहर के कई हिस्सों में बिजली की आंख मिचौली और संकट बरकरार रहा। वहीं गांवों में अभियंताओं ने बिजली बहाल करवाने में वहीं रुचि ली, जहां उपभोक्ताओं का दबाव ज्यादा रहा।

लखनऊ में टेपो की टक्कर से दो दोस्तों की मौत, पानी भरे खेत में उतराता मिला एक का शव

लखनऊ । हरदोई रोड ठंडी सड़क पर गुरुवार देर रात टेम्पो की टक्कर से बाइक सवार दो दोस्तों की मौत हो गई। एक का शव तो सड़क पर ही मिल गया था। जिसे पुलिस ने रात में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था, जबकि दूसरे का शव शुक्रवार सुबह पानी भरे खेत में उतराता मिला। वहीं एक अन्य हादसे में तेज रफ्तार डंपर ने गुरुवार रात ही ठंडी सड़क पर एक बाइक सवार को रौंद दिया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस बाइक सवार को घायलावस्था में ट्रामा लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

काकोरी कस्बा के भट्ठा टोला निवासी शुभम गुरुवार रात साथी तिलक के साथ बाइक से दुर्गागंज गए थे। देर रात दोनों लौट रहे थे। इसबीच ठंडी सड़क पर सामने से आ रहे तेज रफ्तार टेम्पो ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर से बाइक सवार तिलक सड़क पर गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस तिलक को अस्पताल लेकर पहुंची। जहां, डाक्टरों ने तिलक को मृत घोषित कर दिया। उधर, सुबह पुलिस को जानकारी मिली कि घटनास्थल के पास ही पानी भरे खेत में तिलक के साथी शुभम का शव पड़ा है। पुलिस पहुंची शव को पानी निकलवाया गया। ग्रामीणों ने बताया कि रात में जानकारी नहीं हो सकी थी कि तिलक के साथ में शुभम भी था। सुबह इस बात की जानकारी हुई तो शव को पानी भरे खेत से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

डंपर ने बाइक सवार को कुचला, मौत ः तेज रफ्तार डंपर ने गुरुवार रात ही ठंडी सड़क पर एक बाइक सवार को कुचल दिया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस बाइक सवार को घायलावस्था में ट्रामा लेकर पहुंची। जहां, डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इंस्पेक्टर ब्रजेश कुमार ने बताया कि मृतक की शिनाख्त सोनू निवासी दुर्गागंज के रूप में हुई। वह बाइक से दुर्गागंज से लौट रहा था। डंपर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

बिहार के मंत्री बोले-पहले भी तो भाजपा-जदयू अलग चुनाव लड़ते ही रहे हैं, यूपी पर राज्य प्रभारी लेंगे निर्णय

बिहारशरीफ। पंचायती राज मंत्री सम्राट चौधरी एकदिवसीय दौरे पर बिहारशरीफ पहुंचे। आइएमए हॉल में चल रहे कोरोना टीकाकरण अभियान का निरीक्षण किया। टीकाकर्मियों को गुलाब का फूल और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। फिर नाला रोड स्थित बीजेपी कार्यालय में प्रेस वार्ता की। यहां से मंत्री बाबा मणिराम के अखाड़े पर पहुंचे और दीप जलाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन्मतिथि के मौके पर सेवा व समर्पण दिवस का शुभारंभ किया। पार्टी कार्यकर्ता अगले 15 दिनों तक आमजन के सरोकारों से जुड़कर इसे उत्सव के तौर पर मनाएंगे।

यूपी में जद यू से गठबंधन का फैसला पार्टी के राज्य प्रभारी करेंगे

यहां एक सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा कि उत्तरप्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में जदयू से गठबंधन का फैसला पार्टी के यूपी प्रभारी करेंगे। वैसे जहां तक अलग-अलग लड़ने की बात है तो पहले भी जदयू तो भाजपा से अलग होकर अन्य राज्यों में चुनाव लड़ता रहा है। लेकिन उससे हमारे गठबंधन पर असर नहीं पड़ेगा। हमारा गठबंधन बिहार व केंद्र में मजबूती से है।

सभी पदों पर ईवीएम से चुनाव कराने की थी मंशा - पंचायत चुनाव के बारे में सम्राट ने कहा कि हमारा इरादा सभी पदों के लिए ईवीएम से मतदान कराने का था। इसके लिए कुल छह लाख ईवीएम की जरूरत थी, परंतु देश भर से ढाई लाख ईवीएम ही मिल सकी। इसलिए चार पदों पर बैलेट से चुनाव कराने पड़ रहे हैं। ईवीएम से मतदान का लाभ यह होगा कि कोई भी प्रत्याशी शासन पर हराने या जिताने का आरोप नहीं लगा सकेगा। वहीं पूर्व के चुनावों में बैलेट वाले 15 से 20 फीसद मतों के रद होने वाली स्थिति नहीं रहेगी। ईवीएम में विशेष चिप लगे होने की अफवाहों व आरोपों पर मंत्री ने कहा कि देश में कहीं भी चुनाव जीतने वालों ने इस तरह की बात नहीं की।

अमेठी पहुंची बबिता फोगाट, बोलीं-ओलंपिक पर फोकस करें लड़कियां

अमेठी। पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदनि के अवसर पर अमेठी में तीन दिवसीय राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता का आगाज गौरीगंज के कौहर स्थित सैनिक स्कूल परिसर में हुआ। श्रीगणेश व हनुमानजी की पूजा के बाद स्वागत भाषण में केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी ने कहा कि अमेठी में खेल आयोजन केवल दंगल तक ही सीमित न रहे, बल्कि बैडमिंटन, फुटबाल, हॉकी आदि प्रतियोगिताएं हो इसका प्रयास किया जाना चाहिए। इस बाबत उन्होंने प्रदेश के खेल मंत्री उपेंद्र त्रिपाठी से सहयोग मांगा। त्रिपाठी ने भी उन्हें बेहतर आयोजन का भरोसा दिया। स्मृता ईरानी ने मुख्य अतिथि केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, सांसद व भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह सहित प्रदेश के मंत्रियों आनंद स्वरूप, गिरीश यादव आदि का स्वागत किया।

इसके बाद उन्होंने कहा कि आजादी के 70 साल बाद सैनिक स्कूल के स्थापना का स्वप्न साकार हुआ। जनपद व आसपास के जिलों में इस तरह की पहली प्रतियोगिता हो रही है। प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर इस आयोजन से अमेठी वासियों के राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान बढ़ा है। एक बहन का अभिमान तब होता है जब अपने परिवार का एक छत के नीचे वह राष्ट्र का सत्कार करे। समाज का सम्मान हो। आज उसी भूमिका में अमेठीवासियों की ओर से सब का अभिनंदन कर रही हूं।

2014 के ओलंपिक में 55 केजी वर्ग में स्कॉटलैंड में कामनवेल्थ गेम में कनाडा को हराकर स्वर्ण पदक जीतने वाली हरियाणा की पहलवान बबिता फोगाट ने कहा कि लड़कियां अब सास बहू का नाटक देखना बंद कर दें। वह ओलंपिक पर अपना ध्यान दें। गीता व बबिता फोगाट बनने के लिए उन्हें अपनी ऊर्जा खेल की ओर लगानी होगी। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को ऊंची उड़ान के लिए पंख देने की अपील की। बबिता ने दंगल के आयोजन की प्रशंसा की। कहा, इससे यहां व आसपास के खिलाड़ियों को नया अवसर मिलेगा। 2018 के एशियन गेम में 65 किग्रा वर्ग के स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतने वाले पहलवान

बजरंग पुनिया ने कहा कि खेल में रुचि लेने वाले बच्चे इस अवसर का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि वह भी अपना बचपन गांव से शुरू किए हैं। वहीं से खेल में आगे बढ़ने के लिए मेहनत किया। इसलिए गांव के बच्चे अपनी प्रतिभा को निखारे। उन्होंने इरानी को आयोजन के लिए धन्यवाद दिया।

इस दंगल के पहले हो चुकी दो राष्ट्रीय प्रतियोगिता ः गिरिराज

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को कौहर सैनिक स्कूल में राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता के शुभारंभ पर बतौर मुख्य अतिथि कहा कि इस दंगल के पहले अमेठी की धरती पर दो राष्ट्रीय प्रतियोगिता हो चुकी है। पर, वह राजनैतिक प्रतियोगिता थी। उसमें स्मृति ईरानी विजयी हुईं। उन्होंने स्मृता ईरानी की सराहना की। कहा कि विकास की कुश्ती में भी वह नंबर वन रहेंगी। उन्होंने कहा कि उम्र में वह मेरी बेटी समान हैं। व्यवहार में बहन। राजनीतिक क्षितिज पर जो ठान लिया उसे कर दिखाने का नाम ही स्मृति ईरानी है।

कुश्ती का जिक्र करते हुए उन्होंने इसे भारतीय परंपरा से जोड़ा। कहा महाभारत के जरासंध, दुर्योधन, भीम आदि मल्ल कुश्ती के नायक थे। साठ के दशक तक कुश्ती में भारत का स्थान था, लेकिन राज्य की नजर न पड़ने से इसकी भूमिका कमतर होती गई। अब ऐसा नहीं होगा। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेल का विकास हो रहा है। उन्होंने बिना नाम लिए स्मृता ईरानी के सांसद बनने से पहले अमेठी में विकास को लेकर चुटकी भी लिया। उन्होंने कहा कि चार साल पहले वह रायबरेली गए थे। सोचता था खूब तरक्की हुई होगी। पर...।

सांसद बृज भूषण ने किया खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन ः इससे पूर्व सांसद व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने में देर होने से दंगल की शुरुआत सांसद व भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह ने की। उन्होंने पहलवानों का उत्साहवर्धन किया। क्षेत्र व जिले के साथ प्रदेश के लिए अद्वितीय प्रतियोगिता बताई। विभिन्न राज्यों से सात सौ से अधिक पहलवानों को इस प्रतियोगिता में आमंत्रित किया गया है। वाटर प्रूफ टेंट के नीचे तीन अखाड़े बनाए गए हैं। जिसमें अंडर-23 के महिला व पुरुष पहलवान जोर आजमाइश कर रहे हैं। शुरुआती दौर में दिल्ली हरियाणा, हिमांचल, यूपी, राजस्थान, तेलंगाना, पश्चिमी बंगाल आदि राज्यों के 44 पहलवान अखाड़े में उतर चुके हैं।

प्रतियोगिता में देश भर के 12 से 23 आयु वर्ग के लगभग 550 पहलवान हिस्सा लेने पहुंचे हैं। प्रतियोगिता गौरीगंज के कौहार स्थित सैनिक स्कूल में आयोजित होगी। खिलाड़ियों के खाने व रहने का भी इंतजाम कैंपस में ही होगा। बबिता फोगाट व गीता फोगाट पहुंचने वाली है।

बारिश के बावजूद लोग कुश्ती देखने पहुंचे ः बारिश ने खेल में खलल डालने की पूरी कोशिश की। आसपास जलभराव से आयोजन की भव्यता पर प्रभाव पड़ा है। बावजूद आसपास के लोग देखने पहुंचे है। दर्शक कुश्ती का पूरा लुत्फ ले रहे हैं।

उद्योगों को बढ़ा भारत को आत्मनिर्भर बना रहे आज के विश्वकर्मा, इन इंजीनियरों ने बनाई नई राह

रांची। भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में देश के सारे उद्योग पूरी मेहनत के साथ जुटे हुए हैं। देश के उद्योग को बढ़ाने में मेकॉन अपनी बड़ी भूमिका निभा रहा है। इसके इलेक्ट्रिकल विभाग के जीएम कमल श्रीवास्तव ने देश के बड़े उद्योगों के इलेक्ट्रिक और ऑटोमेशन में बड़ी भूमिका निभाई है। इनके साथ एक बड़ी टीम काम करती है, जो पावर सप्लाई और कंट्रोल से लेकर वर्क मॉनिटरिंग तक का काम करती है। उन्होंने सेल के कई बड़े स्टील प्लांट के साथ अन्य प्राइवेट स्टील प्लांट में इलेक्ट्रिकल और ऑटोमेशन फिल्ड में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कमल श्रीवास्तव बताते हैं कि किसी भी उद्योग में पर्फेक्शन और क्वालिटी कंट्रोल वर्क के लिए ऑटोमेशन की जरूरत होती है। ऑटोमेशन का बड़ा हिस्सा इलेक्ट्रिकल वर्क का होता है। ऐसे में हम यह समझकर काम करते हैं कि हमारे द्वारा किया गया हर काम देश की बुनियाद को बड़ी मजबूती देगा।

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के निदेशक तकनीकी (योजना-परियोजना) भोला सिंह का लगभग 34 वर्षों का लंबा अनुभव रहा है। इस दौरान उन्होंने देश एवं विदेश की प्रतिष्ठित सार्वजनिक एवं निजी उपक्रमों में अपना योगदान दिया है। भोला सिंह ने आइआइटी, खड़गपुर से माइनिंग इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत वर्ष 1987 में कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी एनसीएल से की। 2008 में उन्होंने एक अमेरिकी मल्टीनेशनल कंपनी में अपना योगदान दिया। उसके बाद सिंगरौली (मध्य प्रदेश) के शासन पावर लिमिटेड में परियोजना निदेशक के रूप में सफलतापूर्वक योगदान देते हुए देश के पहले अल्ट्रा मेगा पावर परियोजना (6ङ्ग660एमडब्लू) में कार्य करने का गौरव प्राप्त किया। इनके नेतृत्व में शासन परियोजना को उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु राष्ट्रपति द्वारा वर्ष 2017 में नेशनल सेफ्टी अवार्ड से सम्मानित किया गया। जल्द ही भोला सिंह एनसीएल में सीएमडी का कार्यभार संभालेंगे।

खनन क्षेत्र के विश्वकर्मा कहे जाते हैं वीके श्रीवास्तव

निदेशक तकनीकी (संचालन) वीके श्रीवास्तव को खनन उद्योग का विश्वकर्मा कहा जाता है। उन्होंने आइटी-बीएचयू से वर्ष 1984 में खनन इंजीनियरिंग में स्नातक किया और अमलाई कोलियरी, सोहागपुर क्षेत्र, एसईसीएल में जेईटी (खनन) के रूप में शामिल हुए। उन्होंने 1988 में प्रथम श्रेणी के खान प्रबंधक का प्रमाण पत्र पास किया।

भोपाल के स्मार्ट सिटी पार्क में पौधरोपण कार्यक्रम के दौरान सीएम ने कहा

पीएम मोदी कभी भी प्रसिद्धि के लिए काम नहीं करते

जन- कल्याण और विकास ही प्रधानमंत्री का ध्येय

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म-दिन महोत्सव के रूप में नहीं जन-कल्याण और सुराज के लिए प्रतिबद्धता को दोहराने के दिन के रूप में मना रहे हैं। यह सुखद संयोग है कि हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। साथ ही आज 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 71वां जन्म-दिवस है। प्रधानमंत्री मोदी कभी भी प्रसिद्धि के लिए काम नहीं करते। जन-कल्याण और विकास ही उनका ध्येय है। इस भावना के अनुरूप प्रधानमंत्री मोदी का जन्म-दिवस प्रदेश में वृहद वृक्षारोपण अभियान और टीकाकरण महाअभियान के रूप में मनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री चौहान स्मार्ट सिटी पार्क में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री ने भोपाल के गणमान्य नागरिकों के साथ स्मार्ट सिटी उद्यान में 75 पौधे लगाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि शुक्रवार से आरंभ जन-कल्याण और सुराज अभियान 7 अक्टूबर तक जारी रहेगा। अभियान में महिलाओं, बच्चों, किसानों के कल्याण और स्वास्थ्य, शिक्षा, नगरीय एवं ग्रामीण विकास, ऊर्जा, औद्योगिक विकास, पेयजल से संबंधित गतिविधियां संचालित की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र से हम आत्म-निर्भर, श्रेष्ठ, संपन्न, समृद्ध और सुरक्षित भारत के निर्माण के उनके सपने को मूर्त रूप प्रदान करेंगे।

जन-प्रतिनिधि, वरिष्ठ कलाकार, साहित्यकार, समाजसेवियों ने लगाए विभिन्न प्रजाति के पौधे: स्मार्ट सिटी पार्क में वृक्षारोपण में विधायक एवं पूर्व प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा, विधायक कृष्णा गौर, पद्मश्री विजय दत्त श्रीधर, पद्मश्री उमाकांत गुंदेचा, सिख समाज के ज्ञानी दिलीप सिंह, बोहरा समाज के धर्मगुरू, मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा रश्मि अरूण शमी, पुलिस महानिदेशक विवेक जौहरी, पूर्व महापौर आलोक शर्मा सहित जन-प्रतिनिधि और अधिकारी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने पीपल तथा बरगद का पौधा लगाया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रजातियों के 75 पौधे लगाए गए। चौहान ने प्रदेश की जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्म-दिवस की शुभकामनाएं और बधाई देते हुए उनके स्वस्थाए दीर्घायु और सुखमय जीवन की कामना की।

75 हजार स्कूलों में एक साथ 75 हजार पौधे

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी आत्म-निर्भर, वैभवशाली, गौरवशाली, स्वच्छ, शिक्षित, सुरक्षित भारत के निर्माण के लिए सक्रिय हैं। पर्यावरण के लिए भी वे बहुत अधिक संवेदनशील हैं। प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ जलवायु सौंपने के लिए पर्यावरण संरक्षण आवश्यक है। अत: प्रधानमंत्री के जन्म-दिवस पर प्रदेश के 75 हजार स्कूलों में एक साथ 75 हजार पौधे लगाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोरोना संक्रमण से सुरक्षा के लिए वैक्सीन की नि:शुल्क व्यवस्था की है। कोरोना से बचाव के लिए टीकाकरण आवश्यक है। यह जिंदगी की डोज है। प्रधानमंत्री मोदी के जन्म-दिवस पर शुक्रवार को टीकाकरण महाअभियान आयोजित किया गया है।

हर हाल में वैक्सीन की दोनों डोज लगवाएं

भोपाल, (प्रसं)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नागरिकों का आह्वान किया है कि वे हर हाल में कोरोना से बचाव और संपूर्ण सुरक्षा के लिए वैक्सीन के दोनों डोज लगवाएं। मुख्यमंत्री चौहान शुक्रवार को विदिशा जिला मुख्यालय में महाराणा प्रताप महाविद्यालय परिसर स्थित टीकाकरण कें द्र में टीकाकरण का जायजा लेने के बाद नागरिकों को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह भी इस दौरान मौजूद थीं। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के हर नागरिक के जीवन की चिंता कर मुफ्त वैक्सीन उपलब्ध करवाई है। उन्होंने प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए उन्हें जन्म-दिन की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी कोरोना नियंत्रित है, लेकिन खत्म नहीं हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

शिवराज सिंह चौहान

भोपाल, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके जन्मदिन पर बधाई दी है।श्री चौहान ने कहा कि मां भारती के नवनिर्माण में एक तपस्वी की भांति दिनरात सेवा में रत रहने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिवस पर एक बार पुन: मेरी और प्रदेशवासियों की ओर से कोटि-कोटि शुभकामनाएं। साथ ही प्रण कि आपके सपनों के भारत के निर्माण में हम सब अपना हरसंभव योगदान देंगे। श्री चौहान ने कहा कि श्री मोदी का राष्ट्र एवं नागरिकों की उन्नति के लिए अविराम कार्य करने की शैली हम सबके लिए प्रेरणा का स्रोत है। एक जनसेवक के रूप में आपके साथ राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में भागीदार बनना सौभाग्य की बात है।

पीसीसी चीफ कमलनाथ

भोपाल, (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं दी है। कमलनाथ ने ट्वीट के जरिए बधाई देते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। आपके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु व यशस्वी जीवन की ईश्वर से कामना करता हूं।'

दिग्विजय सिंह

भोपाल, (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। श्री सिंह ने ट्वीट में लिखा है कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जन्मदिन है। उन्हें हमारी बधाई व शुभकामनाएं।'

विष्णुदत्त शर्मा

भोपाल, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुक्रवार को शिवराज मंत्रिमंडल के सदस्यों और भाजपा के नेताओं ने शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके नेतृत्व की सराहना की है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, संगठन महामंत्री सुहास भगत, मीडिया प्रभारी लोकेंद्र पाराशर, अन्य पार्टी नेताओं, राज्य के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह, वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा, चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग और अन्य मंत्रियों ने भी श्री मोदी को जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। श्री मोदी के जन्मदिन पर शुक्रवार को राज्य में 'कोरोना वैक्सीनेशन महाअभियान श्री' भी प्रारंभ किया गया है। सरकार की ओर से अन्य कार्यक्रम आयोजित किए गए।

अभा सिविल सेवा हॉकी प्रतियोगिता में वन विभाग से सात खिलाड़ियों का हुआ चयन

भोपाल, (एजेंसी)। अखिल भारतीय सिविल सेवा हॉकी प्रतियोगिता में वन विभाग से 7 प्रतिभागियों का चयन हुआ है। वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने वन विभाग के हॉकी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा है कि सिविल सेवा हॉकी प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी प्रदेश का गौरव बढ़ाएंगे। हरियाणा के कुरूक्षेत्र में 23 से 30 सितंबर 2021 तक चलने वाली हॉकी प्रतियोगिता में मतीन खान, महेन्द्र पाया, अशोक ईसा, मुकेश कुमारे, भूपेन्द्र ठाकुर और अर्पित मिश्रा के अलावा एक महिला खिलाड़ी सरिता श्रीवास्तव शिरकत करेंगी। यह प्रतियोगिता हर साल आयोजित की जाती है।

मानवाधिकार हनन के दो मामले में आयोग ने लिया संज्ञान

भोपाल, (एजेंसी)। मप्र मानव अधिकार आयोग ने मानवाधिकार हनन के दो मामलों में संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है। आयोग के अनुसार दमोह जिले के तेंदूखेड़ा में पानी पीने गए एक मासूम बच्चे की कुआं में गिरने से हुई मौत के मामले में संज्ञान लेते हुए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रमुख सचिव, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं सीईओ जनपद पंचायत दमोह से एक माह में जवाब मांगा है। झाबुआ जिले में वाहन चालक द्वारा स्कूली बच्चों की जान जोखिम में डालकर उन्हें वाहन की छत पर बिठाकर आवागमन के मामले में आयोग ने जिला परिवहन अधिकारी से तीन सप्ताह में जवाब मांगा है।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर वन मंत्री डॉ. शाह ने गरीब आदिवासी को दी सौगात

भोपाल। कर्ज में डूबे एक आदिवासी रमेश युवने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्म-दिन सौगात लेकर आया। खंडवा जिले के हरसूद के पटाजन क्षेत्र के गरीब आदिवासी ने अपने ही रिश्तेदार को दशक पहले 8 एकड़ जमीन केवल 80 हजार रुपए में गिरवी पर रख दी थी। वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह को रविवार को जब मालूम हुआ, तो उन्होंने इस गरीब को बुलाकर जानकारी ली, बल्कि दूसरे दिन शुक्रवार को स्वयं पटाजन पहुंचकर गिरवी रखी कृषि भूमि मुक्त कराने के लिए 80 हजार और खाद के साथ बीज खरीदने 20 हजार की आर्थिक मदद की।

राज्य सरकार ने फिर लिया दो हजार करोड़ का कर्ज

नए वित्तीय वर्ष में प्रदेश के सामने दूसरे माह बनी ऐसी स्थिति

भोपाल (एजेंसी)।

नए वित्तीय वर्ष में चार माह तक बिना कर्ज लिए रहने के बाद अब प्रदेश में कर्ज लेने की स्थिति निर्मित हो गई। इसके मद्देनजर राज्य सरकार ने एक बार फिर दो हजार करोड़ रुपए कर्ज लिया है। यह लगातार दूसरा माह है, जब सरकार ने कर्ज लिया है।

इससे पहले पिछले माह के आखिर में भी दो हजार करोड़ रुपए के कर्ज के लिए ऑक्शन जारी किया गया था, उसके बाद एक सितंबर को दो हजार करोड़ रुपए का कर्ज लिया गया था। नए कर्ज को मिलाकर अब प्रदेश पर नए वित्तीय वर्ष में बाजार से कर्ज का आंकड़ा बढ़कर चार हजार करोड़ रुपए तक जा पहुंचा है। नए वित्तीय वर्ष का यह छठवां माह चल रहा है। इस अवधि में राज्य सरकार ने कर्ज के रूप में एकमुश्त बड़ी राशि प्राप्त की है। हालांकि बीते वित्तीय वर्ष में राज्य सरकार ने एक बार में 500 करोड़ रुपए का भी कर्ज लिया था, लेकिन अब जो कर्ज लिया जा रहा है, वह बड़ी राशि का ही लिया जा रहा है। ऐसा आवश्यकता के मद्देनजर किया जा रहा है। इससे राज्य सरकार को बार - बार कर्ज लेने के लिए ऑक्शन करने की जरूरत नहीं पड़ती।

नए वित्तीय वर्ष में अब तक चार हजार करोड़ रुपए कर्ज ले चुकी है सरकार

दस वर्ष की अवधि में वापस करने होंगे पैसे

राज्य सरकार ने वित्तीय संस्थाओं से यह कर्ज दस वर्ष की अवधि के लिए लिया है। यानी इस अवधि में यह राशि वित्तीय संस्थाओं को वापस करना होगा। पिछला कर्ज तो महज पांच वर्ष की अवधि के लिए ही लिया गया था। उसके मुकाबले इस बार दोगुनी अवधि के लिए कर्ज लिया गया है।

प्रदेश पर है दो लाख 53 हजार करोड़ रुपए का कर्ज

राज्य सरकार पर पहले ही दो लाख 53 हजार 335 करोड़ रुपए का कर्ज है। वित्त विभाग ने कर्ज लेने के लिए जो वित्तीय स्थिति का हवाला दिया है, उस हिसाब से 31 मार्च 2021 की स्थिति में मप्र पर उसके बजट के मुकाबले की कर्ज की राशि अधिक हो गई है।

क्यों पड़ रही जरूरत

दरअसल अब प्रदेश में विकास की रफ्तार तेज होने लगी है। अप्रैल - मई में कोरोना संक्रमण के दूसरे दौर में स्वास्थ्य चुनौतियों से जूझने के बाद अब स्थिति सामान्य होने लगी है। हालांकि देश के कुछ हिस्से में संक्रमण में इजाफा भी होने लगा है। फिर भी वैक्सीनेशन की रफ्तार तेज होने के बाद अब संक्रमण के तीसरे लहर की संभावना कम होने लगी है। यदि तीसरी लहर आई भी तो यह इतना घातक नही होगी, जितनी कि दूसरे दौर में रही। इस स्थिति को देखते हुए अब देश के साथ प्रदेश में भी औद्योगिक गतिविधियां सामान्य होने लगी हैं। व्यापार और व्यवसाय भी पहले की तरह लगभग सामान्य हो चुका है। इस स्थिति में अब प्रदेश में ढांचागत सुधार का काम भी तेज होने लगा है। राज्य सरकार ने वैसे ही आत्मनिर्भर मप्र का लक्ष्य तय किया है। इसको हासिल करने के लिए सभी विभागों की कार्य योजना बनी है। अब इस पर तेजी से अमल करना है। इस कार्य योजना पर अमल के लिए राज्य सरकार को लगातार पैसों की जरुरत पड़ रही है, वहीं दूसरी तरफ प्रदेश के ग्वालियर, चंबल संभाग सहित कुछ अन्य जिलों में बाढ़ और भारी बारिश से हुए नुकसान के कारण वहां के लोगों को राहत राशि भी वितरित की जा रही है। इधर केंद्र सरकार से अब तक कोई राशि मप्र को नही मिली है। इस कारण राज्य सरकार पर दबाव बढ़ गया है। ऐसे में अब प्रदेश की जरुरत को पूरा करने के लिए राज्य सरकार को कर्ज के सहारे अतिरिक्त राशि का इंतजाम करना पड़ रहा है।

बायोडिग्रेडेबल कैरी बैग पर जीएसटी दर पांच प्रतिशत रखें : वित्त मंत्री

श्री देवड़ा ने जीएसटी काउंसिल बैठक में दिया सुझाव

भोपाल (एजेंसी)। पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बायोडिग्रेडेबल कैरी बैग को जीएसटी की दर 5 प्रतिशत रखने का सुझाव दिया है। शुक्रवार को लखनऊ में जीएसटी काउंसिल की 45वीं बैठक में भाग लेने पहुंचे श्री देवड़ा ने यह सुझाव दिया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैठक की अध्यक्षता की।

केरल उच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसार काउंसिल ने पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने पर विचार-विमर्श की प्रक्रिया शुरू कर दी है उचित समय आने पर इस संबंध में निर्णय लिया जाएगा। कोविड-19 की जीवन रक्षक दवाओं पर जारी छूट की अवधि को 31 दिसंबर 2021 तक बढ़ाया गया। बैठक में कुछ इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर वाली वस्तुओं पर कर की दरों में संशोधन कर इस प्रभाव को समाप्त किया गया। कुछ वस्तुओं पर कर की दर के संबंध में तथा प्रावधानों के संबंध में स्पष्टीकरण जारी करने का अनुमोदन किया गया।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि जून 2022 के बाद क्षतिपूर्ति की व्यवस्था समाप्त होने पर राज्यों को राजस्व का नुकसान नहीं होने के उपायों के लिए दो मंत्री समूहों का गठन किया जाएगा, जो दो माह में रिपोर्ट देंगे। कुछ वस्तुओं के विभिन्न प्रकारों पर अलग-अलग कर की दरों की विसंगति को दूर करने के लिए एक समान कर की दरें की गई, जैसे विभिन्न प्रकार के पेन, पेपर बेग। बैठक में विभिन्न राज्यों के उप मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री उपस्थित थे।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल को शुक्रवार को राजधानी भोपाल स्थित राजभवन में लोकायुक्त जस्टिस एनके गुप्ता ने समेकित वार्षिक रिपोर्ट भेंट की।

शिवराज और साधना ने की गणेशजी की पूजा-अर्चना

मुख्यमंत्री सपत्नीक पहुंचे विदिशा

विदिशा (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अपनी धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह चौहान के साथ हेलीकॉप्टर से विदिशा आए। एसएटीआई स्थित हेलीपेड से दुर्गानगर स्थित महाराणा प्रताप कॉलेज के वैक्सीन सेंटर पर पहुंचे जहां पर सभी से वैक्सीन के दोनों डोज लगवाने की अपील की साथ ही इस सेंटर के स्टाफ की सराहना की। इसके बाद मुख्यमंत्री बाढ़ वाले श्री गणेश मंदिर पहुंचे जहां श्री गणेशजी की पूजन की। इसके बाद मंदिर पर हवन यज्ञ में आहूति दी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंदिर पर चल रहे अखण्ड रामायण पाठ में शामिल होकर श्रीरामचरित मानस की चौपाईयां भी गई। इसके बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कन्या पूजन कर उन्हें भोजन कराया। इसके बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल रवाना हो गए।

शत-प्रतिशत टीकाकरण कर छिंदवाड़ा को बनाएं अग्रणी जिला : कृषि मंत्री

मेडिकल कॉलेज से जिले में किया वैक्सीनेशन महाअभियान का शुभारंभ

भोपाल (एजेंसी)। किसान-कल्याण तथा कृषि विकास और छिंदवाड़ा जिले के प्रभारी मंत्री कमल पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म-दिन पर जिले में वैक्सीनेशन महाअभियान की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि महाअभियान 3.0 के माध्यम से हमें छिंदवाड़ा को शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन वाला अग्रणी जिला बनाना है।

श्री पटेल ने छिंदवाड़ा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस में वैक्सीनेशन महा-अभियान का शुभारंभ करते हुए बताया कि जिले में 450 से अधिक टीकाकरण केंद्रों पर कोरोना की वैक्सीन लगाई जा रही है। साथ ही 80 मोबाइल वैक्सीनेशन वैन भी टीकाकरण के लिए चलाई जा रही हैं। जिले में अभियान के जरिए एक लाख से अधिक लोगों का वैक्सीनेशन किया जाएगा। प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने जिले के समस्त वैक्सीनेशन के लिए पात्र नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे इस महाअभियान में टीका लगवाकर सहभागिता करें। उन्होंने युवाओं, कोरोना वॉलेंटियर्स, सामाजिक संगठन, क्राइसिस मैनेजमेंट समिति के सदस्यों और जन-प्रतिनिधियों से अपील की है कि टीकाकरण से छूटे हुए सभी लोगों को प्रेरित कर टीके लगवाएं।

आंगनबाड़ी केंद्रों में होगी पोषण पंचायत आयोजित

भोपाल (एजेंसी)। संचालक, महिला बाल विकास डॉ. राम राव भोसले ने कहा है कि चालू सितंबर माह में आयोजित हो रहे पोषण माह में प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण पंचायत का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पोषण माह को जन-आंदोलन का स्वरूप देने के लिए आवश्यक है कि प्रत्येक स्तर पर जन-समुदाय की अधिकतम भागीदारी हो तथा उन्हें पोषण एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाए। इसके दृष्टिगत पोषण माह के दौरान पोषण पंचायत का आयोजन प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र पर किए जाने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में जिला स्तर से कैलेंडर तैयार कर जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन में सभी संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किये गये है।

सभी विभागों को निर्देश जारी

संचालक डॉ. भोसले ने बताया कि पोषण पंचायत का मुख्य उद्देश्य आम जनता को बेहतर पोषण के पांच मंत्र, जीवन के प्रथम एक हजार स्वर्णिम दिवस में पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाओं का महत्व, पौष्टिकता युक्त भोजन का सेवन एवं सेहत, बच्चों-किशोरियों-गर्भवती और धात्री महिलाओं का एनीमिया से बचाव के लिए खाद्य विविधता एंव आयरन की दवाओं के सेवन के लिए प्रोत्साहित करना, दस्त प्रबंधन-जिंक, ओआरएस के घोल का उपयोग और व्यक्तिगत स्वच्छता, सफ ाई एवं स्वच्छता का व्यवहार से रू-ब-रू कराना है। पोषण पंचायत में आंगनबाड़ी स्तर पर पंचायत प्रतिनिधि, सरपंच, पंच, पंचायत सचिव, ग्राम तदर्थ समिति के पदाधिकारी, क्षेत्र के हितग्राही एवं उनके परिवार के पुरूष एवं महिला सदस्य, राज्य आजीविका मिशन के महिला समूह सदस्य और समुदाय आधारित संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

अब सात वर्ष होगी कंप्यूटर दक्षता प्रमाणीकरण परीक्षा के प्रमाण पत्र की वैधता

भोपाल। राज्य सरकार ने कंप्यूटर दक्षता प्रमाणीकरण परीक्षा प्रमाण पत्र की वैधता अवधि बढ़ाकर अब सात वर्ष कर दिया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए हैं और सभी विभागों को सूचित कर दिया है। 26 फरवरी 2015 द्वारा राज्य शासन के विभागों एवं कार्यालयों में विभिन्न पदों पर संविदा, नियमित नियुक्तियों के लिए होने वाली परीक्षाओं में सूचना प्रौद्योगिकी, कंप्यूटर क्षेत्र में दक्षता के प्रमाणीकरण के लिए कंप्यूटर दक्षता प्रमाणीकरण परीक्षा के संबंध में निर्देश जारी किए थे। इसमें कंप्यूटर दक्षता प्रमाणीकरण परीक्षा के प्रमाण पत्र की वैधता अवधि चार वर्ष तय की थी। इस कारण प्रमाण पत्र हासिल करने वाले उम्मीदवार नई भर्तियों में यह प्रमाण पत्र पेश नही कर सकते थे, लेकिन सात वर्ष की अवधि तक मान्य होने के कारण फिलहाल उम्मीदवारों को राहत मिल गई है।

कोरोना टीकाकरण के लिए बढ़ाएंगे जन जागरूकता

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने यूनिसेफ के चार जन जागरूकता प्रचार वाहनों को दिखाई हरी झंडी

भोपाल (एजेंसी)। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म-दिवस पर शुक्रवार को सुबह निवास कार्यालय से यूनिसेफ द्वारा प्रदाय जन-जागरूकता प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। वाहनों को यूनिसेफ की राज्य इकाई द्वारा कोविड टीकाकरण करवाने आम लोगों को दिए जाने वाले संदेशों को पोस्टर, डिजिटल डिवाइस से सुसज्जित किया है। इस अवसर पर आसान भाषा में लोगों को दी जाने वाली जानकारी और पंपलेट आदि प्रचार सामग्री का भी मंत्री डॉ. चौधरी ने विमोचन किया ।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने बताया कि यह वाहन कोरोना टीकाकरण के लिए जन-जागरूकता बढ़ाने और कोरोना से बचाव के उपाय अपनाने के संदेशों का ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर और भोपाल जिलों में प्रचार करेंगे। इस अवसर पर संचालक आईईसी बसंत कुर्रे, यूनिसेफ प्रतिनिधि मोनिका मोर्या, संचालक एनएचएम डॉ. संतोष शुक्ला, उप संचालक स्वास्थ्य एवं प्रभारी आईईसी डॉ. अर्चना पुंडीर, सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी उपस्थित थे।

भाजपा मना रही है जन्म महोत्सव, यह जनता के साथ मजाक : कमलनाथ

भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस शुक्रवार से 7 अक्टूबर तक मनाए जा रहे 21 दिवसीय मेगा जन्म महोत्सव पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने इसे वर्तमान स्थितियों के हिसाब से बेहद शर्मनाक बताया है।

कमलनाथ ने कहा कि भाजपा इस बार आपदा के संकट काल में मप्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिवस 21 दिवसीय मेगा जन्म महोत्सव के रूप में मनाने जा रही है, जो कि बेहद शर्मनाक है, कहने को तो भाजपा इसे सेवा-समर्पण का नाम दिखावटी तौर पर दे रही है, लेकिन इन 21 दिवसीय जश्न-उत्सव श्रृंखला में भाजपा का प्रचार-प्रसार, मोदी जी का झूठा महिमा मंडन करने का काम जोर-शोर से किया जाएगा। नाथ ने कहा कि जिस प्रदेश में कोरोना से, जहरीली शराब से, बाढ़ से हजारों लोगों की हाल ही में मौतें हुई, आदिवासी वर्ग, दलित, पिछड़े, शोषित वर्ग के साथ उत्पीड़न व दमन की हाल ही में देशभर में निंदनीय घटनाएं घटी, पूरा प्रदेश आज डेंगू व वायरल फीवर की चपेट में हो, प्रदेश के अस्पताल मरीजों से भरे पड़े हो, एक-एक बेड पर तीन-तीन बच्चे भर्ती हो, कोरोना की तीसरी लहर की आशंका सिर पर हो, वहां भाजपा का 21 दिवसीय मेगा जन्म महोत्सव कार्यक्रम, जनता के साथ बड़ा मजाक है।

21 दिवसीय कार्यक्रम पर पीसीसी चीफ ने दी कड़ी प्रतिक्रिया

समंदर किनारे कैट वॉक करती दिखीं हिना खान

वीडियो हुआ वायरल

टीवी से बॉलीवुड तक का सफर करने वाली हिना खान इन दिनों मालदीव हैं। जहां वह वेकेशन का एंजॉय कर रह रही हैं। इस वेकेशन पर हिना अपने बॉयफ्रेंड रॉकी जयसवाल और उनकी फैमिली के साथ हैं। इसी बीच हिना ने रिजॉर्ट से एक वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है,जिसमें वह इतराती हुई देखी जा सकती हैं।

वीडियो में हिना समंदर के बीच बने रिजॉर्ट के बाहर कभी कैट वॉक करती तो कभी आराम फरमाती दिख रही है। इस वीडियो के बैकग्राउंड में श्रीलंकाई सिंगर योहानी का गाना मानिके मगे हिते सॉन्ग बज रहा है जिस पर हिना इतराती दिख रही हैं। मिनी स्कर्ट और क्रॉप टॉप में हिना बवाल लग रही हैं।

मालदीव वेकेशन के दौरान हिना खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वह इस वेकेशन के हर मूवमेंट को कैमरे में कैद कर अपने फैंस के साथ साझा कर रही हैं।

हाल ही में हिना को एक्टर शाहीर शेख (Shaheer Sheikh) के साथ बारिश बन जाना (Baarish Ban Jaana) म्यूजिक एलबम में देखा गया। गाने में दोनों की केमेस्ट्री लोगों को खूब पसंद आई। वहीं गाना लोगों के दिलो दिमाग पर छाया हुआ है।

ऐश्वर्या राय का 27 साल पुराना अनदेखा वीडियो वायरल, रोते हुए बच्चे को दुलार करती आईं नजर

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय आए दिन सोशल मीडिया पर किसी न किसी वजह से ट्रेंड करती नजर आ जाती हैं। वहीं, हाल ही में उनका एक अनदेखा वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। जिसे 27 साल पुराना बताया जा रहा है, इस वीडियो को ऐश्वर्या के कई अलग-अलग वीडियोज को मिलाकर बनाया गया है। ये वीडियोज 1994 में ऐश्वर्या के मिस वर्ल्ड का ताज हासिल करने के बाद के मालूम होते हैं, जिसमें उनकी मां भी नजर आ रही हैं।

ऐश्वर्या राय मिस वर्ल्ड का ताज अपने नाम करने के बाद कई सोशल ईवेंट्स में हिस्सा लेती नजर आई थीं। वहीं, हाल ही में उनके फैन क्लब ने एक वीडियो के जरिए उनके ऐसे ही कुछ पुराने दिनों की याद दिलाई है। इस वीडियो की शुरुआत में दिख रही फुटेज में ऐश्वर्या स्कूल के बच्चों के मिलती दिखाई दे रही हैं। ऐश्वर्या के बगल में उनकी मां वृंदा राय खड़ी हैं और जैसे की ऐश्वर्या एक बच्चे को रोते हुए देखती हैं तो फौरन उसे दुलार करती और चुप करवाती नजर आती हैं।

इस वीडियो में एक और ईवेंट की फुटेज है जिसमें ऐश्वर्या किसी ईवेंट पर लाल साड़ी पहने दिखती हैं। इस दौरान अलविदा मैसेज देने पहुंचे एक हाथी को सैल्यूट करती हैं और कैमरों के सामने हाथ जोड़कर नमस्ते करती हैं। इसके बाद वो अपनी गाड़ी में बैठकर ईवेंट से निकल जाती हैं। बता दें कि मिस वर्ल्ड का खिताब मिलने के बाद ऐश्वर्या कई चैरिटी वर्क करती भी नजर आ चुकी हैं, इसके लिए उन्हें एक खास अवॉर्ड से सम्मानित भी किया गया था।

Rolls-Royce Ghost से Luxury Mansion तक, देखें प्रियंका चोपड़ा और Nick Jonas की 5 सबसे महंगी चीजें

सबसे लोकप्रिय सेलिब्रिटी कपल्स में से एक, प्रियंका चोपड़ा जोनस (Priyanka Chopra) और निक जोनस (Nick Jonas), अपनी खुशहाल शादीशुदा जिंदगी शानदार तरीके से जी रहे हैं. उनके रोमांटिक डिनर डेट्स से लेकर, बर्थडे सरप्राइज तक, सब कुछ परियों की कहानी की तरह दिखता है. मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, प्रियंका (Priyanka Chopra) की शादी की अंगूठी की कीमत 2 करोड़ है. चलिए आज आपको बताते हैं उन चीजों के बारे में जिसे निक (Nick Jonas) और प्रियंका (Priyanka Chopra) ने मोटी रकम देकर ख़रीदा है.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, साल 2013 में, प्रियंका चोपड़ा ने गोवा के रोम ऑफ ईस्ट में एक सुंदर और बड़े हॉलिडे-होम में इंवेस्ट किया था. गोवा के मशहूर बागा बीच पर प्रियंका के हॉलिडे होम की कीमत की बात करें तो इसकी कीमत लगभग 20 करोड़ बताई जाती है.

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, प्रियंका चोपड़ा जोनस बॉलीवुड की एकमात्र ऐसी एक्ट्रेस हैं, जिनके पास Rolls-Royce Ghost है. इस लग्जरी कार की कीमत करीब 5.25 करोड़ बताई जाती है.

निक जोनस और प्रियंका चोपड़ा जोनस का लग्जरी कारों के लिए प्यार कॉमन है. निक जोनस का गैराज भी किसी मिनी ऑटो एक्सपो से कम नहीं है. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, Nick और प्रियंका के पास एक Monte Carlo रेड स्पीडस्टर, 1960 Ford Thunderbird है. इसकी कीमत करीब 35,000 डॉलर- 50,000 डॉलर बताई जाती है.

साल 2016 था, जब प्रियंका चोपड़ा ने अपने पहले ऑस्कर अवॉर्ड में भाग लिया था तब उन्होंने अपने व्हाइट गाउन के साथ लोरेन श्वार्ट्ज डायमंड ड्रॉप इयररिंग्स पहने थे. विदेशी प्रेस से लेकर भारतीय मीडिया तक, हर कोई उसके 50 कैरेट डायमंड इयररिंग्स को देखता ही रह गया था. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जिनकी कीमत 21.75 करोड़ रुपये है.

अपनी शादी के बाद, प्रियंका चोपड़ा जोनास और उनके पति, निक जोनास ने बेवर्ली हिल्स पोस्ट ऑफिस में एक आलीशान हवेली खरीदी थी. मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, दोनों के मैंशन की कीमत लगभग 20 मिलियन डॉलर यानी 144 करोड़ रुपये आंकी गई थी. 7 बेडरूम और 11 बाथरूम के साथ, मैंशन से घाटी का खूबसूरत सीन दिखता है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनका ये घर 20,000 वर्ग फुट में फैला हुआ है.

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, प्रियंका की सालाना आय लगभग 73 करोड़ और उनकी नेट वर्थ 367 करोड़ रुपये है. वहीं, निक जोनास की कुल संपत्ति लगभग 50 मिलियन डॉलर है,

दीपिका पादुकोण का Fitness Mantra है बड़ा सिंपल, सुबह जल्दी उठना और रात को जल्दी खाना, बस इसी से रखती हैं खुद को Fit

दीपिका पादुकोण (Deepika Padukone) अपनी फिटनेस को लेकर काफी सतर्क रहती हैं जिसके लिए वो अपने खानपान के साथ-साथ वर्कआउट पर भी अच्छी तरह से ध्यान देती हैं. वो सुबह 7 बजे तक उठ जाती हैं. यानी कह सकते हैं कि दीपिका (Deepika Padukone) एक मॉर्निंग पर्सन हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मस्तानी नियमित रूप से हर सुबह योगा करती हैं.

पूरा दिन एनर्जी से भरे रहने के लिए दीपिका अपना ब्रेकफास्ट कभी मिस नहीं करतीं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नाश्ते में एक्ट्रेस को साउथ इंडियन फूड जैसे उपमा, डोसा, इडली या फिर दो अंडे का सफेद भाग और एक गिलास लो फेट दूध लेना पसंद है.

भले ही दीपिका विदेश में शूटिंग कर रही हों, लेकिन उन्हें भारतीय खाना सबसे ज्यादा पसंद है. दीपिका दोपहर के खाने में दो रोटी के साथ फिश खाना पसंद करती हैं. वहीं, दीपिका को दाल, चावल के साथ सलाद खाना भी काफी पसंद है.

दीपिका पादुकोण अपना डिनर बहुत हल्का रखती हैं और कोशिश करती हैं कि रात 8 बजे से पहले खाना खा लें. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीपिका डिनर में हरी, पत्तेदार सब्जी के साथ रोटी और सलाद खाती हैं.

बड़ा खुलासा! रोहित को उप कप्तान पद से हटाना चाहते थे कोहली, उल्टे अपनी टी-20 कप्तानी से धो बैठे हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विराट कोहली के टी20 कप्तानी छोड़ने के ऐलान के साथ ही टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम से कई बड़ी खबरें सामने आ रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार अब विराट कोहली को भारतीय टीम के सभी खिलाड़ियों का समर्थन हासिल नहीं है।

विराट कोहली के कई फैसलों पर सवालिया निशान खड़े किये जा रहे हैं। बड़ी खबर ये है कि विराट कोहली ने चयनकर्ताओं को प्रस्ताव दिया था कि वो रोहित शर्मा को उपकप्तानी से हटा दें। विराट कोहली के खिलाफ जूनियर खिलाड़ियों को मझधार में छोड़ने की बातें भी कही जा रही हैं।

एक समाचार एजेंसी के मुताबिक विराट कोहली चयन समिति के पास यह प्रस्ताव लेकर गए थे कि रोहित को वनडे टीम की उप कप्तानी से हटा दिया जाए क्योंकि वह 34 साल के हैं। वह चाहते थे कि वनडे टीम की उप कप्तानी केएल राहुल को सौंपी जाए जबकि टी20 फॉर्मेट में ये जिम्मेदारी पंत निभाएं। सूत्र ने कहा, 'बोर्ड को यह पसंद नहीं आया जिसका मानना है कि कोहली असल उत्तराधिकारी नहीं चाहते।'

विराट कोहली जूनियर खिलाड़ियों को मझधार में छोड़ देते हैं!

जहां तक जूनियर खिलाड़ियों का सवाल है तो कोहली के खिलाफ सबसे बड़ी शिकायत यह है कि वह मुश्किल समय में उन्हें मझधार में छोड़ देते हैं।एक अन्य क्रिकेटर ने कहा, 'आस्ट्रेलिया में पांच विकेट के बाद कुलदीप यादव योजनाओं से बाहर हो गया। ऋषभ पंत जब फॉर्म में नहीं था तो उसके साथ भी ऐसा ही हुआ। भारतीय पिचों पर ठोस प्रदर्शन करने वाले सीनियर गेंदबाज उमेश यादव को कभी यह जवाब नहीं मिला कि किसी के चोटिल नहीं होने तक उनके नाम पर विचार क्यों नहीं किया जाता। '

विराट कोहली के साथ संवाद की समस्या

एक पूर्व खिलाड़ी ने अनौपचारिक बातचीत के दौरान पीटीआई से कहा था, 'विराट के साथ समस्या संवाद की है। महेंद्र सिंह धोनी के मामले में, उसका कमरा चौबीस घंटे खुला रहता था और खिलाड़ी अंदर जा सकता था, वीडियो गेम खेल सकता था, खाना खा सकता था और जरूरत पड़ने पर क्रिकेट के बारे में बात कर सकता था।' उन्होंने कहा, 'मैदान के बाहर कोहली से संपर्क कर पाना बेहद मुश्किल है।'

पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'रोहित में धोनी की झलक है लेकिन अलग तरीके से। वह जूनियर खिलाड़ियों को खाने पर ले जाता है, जब वह निराश होते हैं तो उनकी पीठ थपथपाता है और उसे खिलाड़ियों के मानसिक पहलू के बारे में पता है।'

रोहित को उपकप्तान पद से हटाना चाहते थे विराट

इसके साथ ही कहा जा रहा है कि कोहली ने सिलेक्शन कमिटी के सामने प्रस्ताव रखा था कि रोहित को उपकप्तान पद से हटा दिया जाए। कोहली का कहना था कि क्योंकि रोहित की उम्र 34 साल है इसलिए किसी युवा को यह जिम्मेदारी सौंपी जाए। कोहली असल में ऋषभ पंत या लोकेश राहुल को उपकप्तान बनवाना चाहते थे।

सूत्र ने कहा, 'बोर्ड को कोहली का यह तरीका यह पसंद नहीं आया। उनका मानना था कि कोहली असल में उत्तराधिकारी नहीं चाहते।' कोहली के टी20 कप्तानी छोड़ने पर रोहित शर्मा को यह जिम्मेदारी मिलना लगभग तय है और ऐसे में पंत ,राहुल और जसप्रीत बुमराह उप कप्तानी के दावेदार हो सकते हैं।

दिल्ली कैपिटल्स की टीम अगर आईपीएल चैंपियन बन जाती है तो पंत भी उपकप्तानी के पद के दावेदार बन सकते हैं। सूत्र ने कहा, 'पंत का

दावा मजबूत है लेकिन लोकेश राहुल को नकारा नहीं जा सकता क्योंकि वह भी आईपीएल कप्तान है। इतना ही नहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी छुपा रुस्तम साबित हो सकते हैं।

कोविड-19 के कारण भारत में जूनियर पुरुष हॉकी डब्ल्यूसी से बाहर हुआ ऑस्ट्रेलिया

सिडनी। (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया ने कोविड-19 से जुड़े सरकारी यात्रा प्रतिबंधों के कारण शुक्रवार को एफआईएच (अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ) के कई टूर्नामेंटों से हटने की घोषणा की जिसमें इस वर्ष के आखिर में भारत में होने वाला जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप भी शामिल है। जूनियर पुरुष विश्व कप इस साल नवंबर-दिसंबर में खेला जाएगा। इसके मैच स्थल की अभी पुष्टि नहीं की गयी है। हॉकी आस्ट्रेलिया ने इसके साथ घोषणा की कि तोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली उनकी टीम और उनका ट्रांस तस्मान प्रतिद्वंद्वी न्यूजीलैंड अगले महीने से शुरू होने वाले प्रो लीग के तीसरे सत्र में भी भाग नहीं लेंगे।

हॉकी आस्ट्रेलिया ने बयान में कहा, ''आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड दोनों देशों में कोविड संबंधित सरकारी यात्रा प्रतिबंध और अनिश्चितता को देखते हुए एफआईएच प्रो लीग (अक्टूबर 2021 में शुरू होने वाली) के तीसरे सत्र में हिस्सा नहीं लेंगे।'' आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में कोविड-19 पृथकवास से जुड़े कड़े नियम हैं जिससे उनके लिये अन्य टीमों की मेजबानी करना बेहद मुश्किल बन गया है। हॉकी आस्ट्रेलिया के सीईओ माइकल जॉनस्टन ने कहा, 'जोखिम का आकलन करने और और आस्ट्रेलियाई सरकार की स्वास्थ्य सलाह के आधार पर हॉकी आस्ट्रेलिया इस समय हॉकी से संबंधित विदेशी यात्राओं पर विचार नहीं कर रहा है।' भारत में होने वाले टूर्नामेंट और प्रो लीग के अलावा आस्ट्रेलिया इस साल के आखिर में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले जूनियर महिला विश्व कप, बेल्जियम में इंडोर विश्व कप और 2022 में अमेरिका में होने वाले मास्टर्स इंडोर विश्व कप में भी भाग नहीं लेगा।

महिला क्रिकेट : इंग्लैंड ने पहले वनडे में न्यूजीलैंड को हराया

ब्रिस्टल। कप्तान हीदर नाइट (89) की शानदार अर्धशतकीय पारी के दम पर इंग्लैंड की महिला टीम ने यहां काउंटी ग्राउंड में खेले गए पहले वनडे मुकाबले में न्यूजीलैंड को 30 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की।

न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इंग्लैंड ने नाइट के 107 गेंदों पर आठ चौकों की मदद से 89 रन के दम पर 49.3 ओवर में 241 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की महिला टीम एमी सैथरवेट के 87 गेंदों पर 10 चौकों के सहारे नाबाद 79 रन की पारी के बावजूद 46.3 ओवर में 211 रन बनाकर ऑलआउट हुई। इंग्लैंड की ओर से नताली स्काइवर, केटी क्रॉस और सोफी एक्लेस्टोन ने दो-दो विकेट लिए जबकि कैथरीन ब्रंट, फ्रेया डेविस और चार्लोटे डिएन को एक-एक विकेट मिला। न्यूजीलैंड की पारी में सैथरवेट के अलावा कप्तान सोफी डिवाइन ने 59 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 34, लिया ताहुहु ने 25, मैडी ग्रीन ने 19 और लिएघ कासपेरेक ने 15 रन बनाए। इससे पहले, इंग्लैंड की पारी में टैमी ब्यूमोंट ने 44, ब्रंट ने 51 गेंदों पर पांच चौकों की मदद से 43 और विनफिल्ड हिल ने 21 रनों का योगदान दिया। न्यूजीलैंड की ओर से जेस केर ने तीन विकेट लिए जबकि डिवाइन और ताहुहु को दो-दो मिला और हनाह रोव तथा कासपेरेक ने एक-एक विकेट अपने नाम किए।

सर्जरी के बाद स्वस्थ हो रहे हैं पेन

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान टिम पेन ने कहा है कि वह गर्दन की सर्जरी के बाद स्वस्थ हो रहे हैं और फिजियो के साथ छह सप्ताह के सत्र के बाद वह क्रिकेट रिहेब शुरू करेंगे और आठ दिसंबर को एशेज शुरू होने से पहले फिट हो जाएंगे।

पेन ने रेडियो स्टेशन एसईएन से कहा, मैं अगले छह सप्ताह तक फिजियो के साथ रहूंगा और फिर अपना क्रिकेट रिहेब शुरू करूंगा। मुझे उम्मीद है कि मैं तासमानिया के लिए शेफील्ड शील्ड मुकाबला खेल सकूंगा और फिर एशेज का हिस्सा बनूंगा। सर्जरी का विवरण देते हुए, 36 वर्षीय पेन ने कहा कि उन्होंने होबार्ट में प्रक्रिया की, जहां खराब डिस्क को हटा दिया गया और नई डिस्क को लगाया गया। उन्होंने कहा, मैंने सी6 और सी 7 पर डिस्क प्रतिस्थापन को समाप्त कर दिया, जो गर्दन में ऊपर था। उन्होंने खराब डिस्क को हटाया और नई डिस्क को लगाया। मैं ईमानदारी से कहूं तो यह काफी धीमी प्रक्रिया थी। पेन ने कहा कि अगले कुछ हफ्तों तक उनकी गतिशीलता चलने और कुछ फिजियोथेरेपी करने तक सीमित रहेगी।

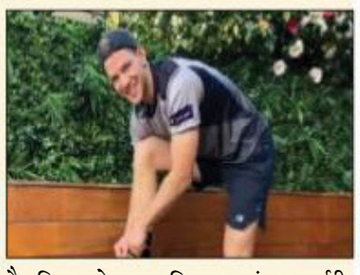

सुरक्षा कारणों की वजह से न्यूजीलैंड का पाकिस्तान दौरा रद्द

रावलपिंडी (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड सरकार के सुरक्षा अलर्ट के बाद न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान दौरा रद्द करने का फैसला किया है। न्यूजीलैंड टीम को आज से पाकिस्तान के खिलाफ रावलपिंडी में तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मैच खेलना था उसके बाद उन्हें लाहौर में पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलनी थी।

न्यूजीलैंड की टीम आखिरी बार पाकिस्तान के दौरे पर साल 2003 में गई थी और अब 18 साल के बाद टीम को पाकिस्तान में खेलना था, लेकिन इस दौरे को रद्द करना पड़ा है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बयान में कहा, दोनों पक्षों के खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के सदस्य होटल से बाहर नहीं आए और उन्हें अपने कमरे में रहने के लिए कहा गया। दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश नहीं करने दिया गया। दौरा रद्द होने में कोई स्पष्टता नहीं होने के चलते यह अफवाह फैल गई कि दोनों पक्षों में से किसी एक पक्ष में कोविड-19 संक्रमण का मामला है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा, न्यूजीलैंड

सरकार की ओर से पाकिस्तान में खतरे को देखते हुए और बोर्ड सुरक्षा सलाहकार की सलाह के बाद यह फैसला लिया गया है कि न्यूजीलैंड की टीम दौरा आगे जारी नहीं रखेगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी डेविड व्हाइट ने कहा कि उन्हें जो सलाह मिल रही थी, उसे देखते हुए दौरे को जारी रखना संभव नहीं था। उन्होंने कहा, मैं समझता हूं कि यह पीसीबी के लिए एक झटका होगा, जो शानदार मेजबान रहा है, लेकिन खिलाड़ियों की सुरक्षा सर्वोपरि है और हमारा मानना है कि इस समय हमारे लिए यही एकमात्र जिम्मेदारी भरा विकल्प है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भी बयान जारी कर कहा, आज कुछ ही समय पहले न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने हमें सूचित किया कि उन्हें कुछ सुरक्षा अलर्ट के लिए सतर्क कर दिया गया था और उन्होंने सीरीज को स्थगित करने का फैसला किया है। सभी आने वाली टीमों के लिए पीसीबी और पाकिस्तान सरकार ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। हमने न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड को उसी का आश्वासन दिया है।

बयान में कहा, प्रधानमंत्री इमरान खान ने न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा आर्डेन से व्यक्तिगत रूप से बात की और उन्हें सूचित किया कि हमारे पास दुनिया की सबसे अच्छी खुफिया प्रणालियों में से एक है और न्यूजीलैंड के लिए यहां कोई सुरक्षा खतरा नहीं है। न्यूजीलैंड टीम के साथ आए सुरक्षा अधिकारी पाकिस्तान सरकार द्वारा यहां उपलब्ध कराई गई सुरक्षा व्यवस्था से संतुष्ट हैं। पीसीबी निर्धारित मैचों को जारी रखने के लिए तैयार है। हालांकि, पाकिस्तान और दुनिया भर में क्रिकेट प्रेमी इस अंतिम समय में इस तरह हटने से निराश होंगे।

हम हर मैच को फाइनल की तरह लेंगे और अपना 100 फीसदी देंगे : राशिद

दुबई। सनराइजर्स हैदराबाद के लेग स्पिनर राशिद खान ने कहा है कि उनकी टीम आईपीएल 2021 के दूसरे चरण का हर मैच प्लेऑफ में पहुंचने के अंतिम प्रयास के तौर पर लेगी। हैदराबाद ने आईपीएल 2021 के पहले चरण में सात में से एक सिर्फ एक मैच जीता था। उन्होंने इस दौरान डेविड वार्नर को कप्तानी से हटाकर केन विलियम्सन को टीम की कमान सौंपी थी। राशिद ने कहा, निश्चित रूप से हम शेष सीजन के लिए तत्पर हैं। भारत में प्रतियोगिता के दौरान हमारे लिए पहला चरण आदर्श नहीं रहा था। लेकिन हम फिर से एकजुट हैं और हम हर मैच को फाइनल के रूप में लेंगे और अपना शत-प्रतिशत देंगे। उन्होंने कहा, मैं ऑरेंज आर्मी में लोगों के साथ वापस आकर बहुत खुश हूं। द हंड्रेड एंड विटैलिटी ब्लास्ट में खेलने के बाद काफी आत्मविश्वास था, इसलिए खेल के जल्द ही शुरू होने की प्रतीक्षा कर रहा हूं। राशिद ने कहा, पिछले डेढ़ साल से मैं अपनी बल्लेबाजी पर ज्यादा काम कर रहा हूं। ये लक्ष्य में और लक्ष्य का पीछा करते हुए भी टीम के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। बस अलग-अलग चीजें करने की पूरी कोशिश कर रहा हूं। मैंने नेट्स में अलग-अलग शॉट्स का अभ्यास नहीं किया है। मैं जहां भी गेंद को हिट करता हूं, मैं अच्छा प्रदर्शन करने और अपनी कलाई का उपयोग करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना चाहता हूं। सनराइजर्स हैदराबाद 22 सितंबर को दुबई में टेबल-टॉपर दिल्ली कैपिटल के खिलाफ आईपीएल 2021 के अपने दूसरे चरण की शुरूआत करेगा।

महिला क्रिकेट: दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को हराया, सीरीज में बनाई 4-0 की बढ़त

एंटिगा (एजेंसी)।

मिग्नॉन डू प्रीज (नाबाद 65) के दमदार पारी के दम पर दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम ने यहां सर विवियन रिचर्डर्स स्टेडियम में खेले गए चौथे वनडे मैच में वेस्टइंडीज को 35 रनों से हराकर सीरीज में 4-0 की बढ़त बना ली है।

दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में छह विकेट पर 185 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेजबान टीम 50 ओवर में नौ विकेट पर 150 रन ही बना सकी। डू प्रीज ने दक्षिण अफ्रीका की ओर से शानदार नाबाद पारी खेलते हुए 91 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 65 रन बनाए जबकि ताजमिन बिट्स ने 30 और कप्तान डेन वैन नीकेर्क ने 20 रनों की पारी खेली।

वेस्टइंडीज की कप्तान अनीसा मोहम्मद ने दो विकेट लिए जबकि शकीरा सेलमैन, आलिया एलेने, हेले मैथ्यूज और चेरी एन

फ्रेजर ने एक-एक विकेट लिए। रशादा विलियम्स ने 90 गेंदों में चार चौकों की मदद से 42 रन की पारी खेली पर वेस्टइंडीज को हार से नहीं बचा पाई। विलियम्स के अलावा और किसी बल्लेबाज का नहीं चला। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान डेन वैन नीकेर्क ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट लिए जबकि मसाबाता क्लास ने दो, शबनीम इस्माइल, नॉनकुलुलेको म्लाबा और नादिन डे क्लर्क ने एक-एक विकेट लिए। अब दोनों टीमों के बीच सीरीज का अंतिम और पांचवा वनडे 19 सितम्बर को खेला जाएगा।

फुटबॉल प्रतिभा को निखारने के लिए अजय देवगन अभिनीत मैदान, हैदराबाद एफसी के बीच करार

हैदराबाद। अजय देवगन अभिनीत मैदान और हैदराबाद फुटबॉल क्लब के निर्माताओं ने हैदराबाद और देश के बाकी हिस्सों में जमीनी स्तर पर फुटबॉल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मिलकर काम करने के लिए एक साझेदारी की घोषणा की है। मैदान भारतीय फुटबॉल (1952-1962) के स्वर्ण युग पर आधारित एक आगामी जीवनी खेल फिल्म है और इसमें अजय देवगन ने फुटबॉल कोच सैयद अब्दुल रहीम की भूमिका निभाई है। फिल्म का निर्माण बोनी कपूर, आकाश चावला, अरुणव जॉय सेनगुप्ता और जी स्टूडियोज ने किया है। इस फिल्म के निर्माता बोनी कपूर एसोसिएशन के बारे में कहते हैं, हैदराबाद एफसी के साथ हमारा जुड़ाव, उद्योग में अपनी तरह की पहली साझेदारी है। यह एक स्वाभाविक फिट है क्योंकि मैदान संघर्षों को आगे लाता है और सैयद अब्दुल रहीम की जीत ठीक उसी तरह जिस तरह हैदराबाद एफसी ने विभिन्न चुनौतियों को पार किया है जहां से वे लीग में बेहद धैर्य और दृढ़ संकल्प के साथ थे। इसलिए मूल रूप से, साझेदारी का उद्देश्य देश की युवा खेल प्रतिभाओं को विकसित और पोषित करना है और भारतीय फुटबॉल के नायकों की अनसुनी कहानियों को भी सामने लाना है। फिल्म के निर्देशक ने भी उसी पर टिप्पणी की और अपने दृष्टिकोण को जोड़ते हुए कहा, भारत हमेशा खेल के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है, चाहे वह क्रिकेट हो, फुटबॉल हो या हॉकी हो, जहां भारत एक लंबे समय तक खेल पर हावी रहा है। हमारे समुदाय में उनके द्वारा खेले जाने वाले खेल को लेकर बहुत जुनून है और इस फिल्म के माध्यम से हमारा इरादा एक भावुक खिलाड़ी की यात्रा को आगे लाना है, जो हैदराबाद के मैदानों में फुटबॉल खेलकर बड़ा हुआ और लाखों के लिए एक राष्ट्रीय आइकन और रोल मॉडल बन गया। हैदराबाद एफसी के सह-मालिक वरुण त्रिपुरानेनी ने साझेदारी के बारे में जानकारी देते हुए कहा, हम मैदान टीम के साथ जुड़कर सम्मानित और खुश हैं। यह साझेदारी सैयद अब्दुल रहीम साहब की विरासत का जश्न मनाएगी, जो एक प्रेरणा रहे हैं। न केवल हैदराबाद के फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए, बल्कि भारत में फुटबॉल समुदाय के लिए।

पढ़ाई और खेल दोनों में उत्कृष्टता हासिल की जा सकती है : यतिराज

नई दिल्ली (एजेंसी)।

टोक्यो पैरालंपिक के रजत पदक विजेता सुहास यतिराज खेल आपको खुद पर जीतने में मदद करता है के सिद्धांत पर जीते हैं और उन्होंने पदक जीतकर अपने शब्दों को सही साबित कर दिया।

यतिराज की उपलब्धि ने भारत में एक सामान्य पुरानी सोच कि पढ़ाई के साथ-साथ खेल में बराबर की उत्कृष्टता हासिल नहीं की जा सकती, को तोड़ने में भी मदद की है। यतिराज भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में एक अधिकारी हैं, जिन्होंने पहले ही प्रयास में देश की सबसे मुश्किल परीक्षाओं में से एक में सफलता प्राप्त की। यतिराज ने 2004 में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, सुरथकल, कर्नाटक से कंप्यूटर इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। यतिराज ने 2006 में सिविल सेवा परीक्षा पास की और फिर 2007 में एक अधिकारी के रूप में अपना करियर शुरू किया।

2015-16 में ही वह एक पेशेवर पैरा-बैडमिंटन खिलाड़ी बन गए और तब से गौतम बुद्ध नगर के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में अपने कर्त्तव्य और एक खिलाड़ी के रूप में अपने प्रशिक्षण को बखूबी अंजाम दिया। यतिराज ने ओलंपिक डॉट कॉम से कहा, मुझे लगता है कि इस (टोक्यो पैरालंपिक) पदक का जश्न पूरे देश ने मनाया। नई दिल्ली हवाई अड्डे पर हमारा जबरदस्त स्वागत हुआ। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह मिथक टूट गया है कि पढ़ाई और खेल को एक साथ जारी नहीं रखा जा सकता है। कई लोग हैरान हैं कि एक व्यक्ति पढ़ाई और खेल दोनों में अच्छा हो सकता है।

यतिराज ने कहा, माता-पिता भी चाहते हैं कि उनके बच्चे पढ़ाई और खेल में अच्छे हों। वे पढ़ाई को अधिक स्थायी विकल्प के रूप में देखते हैं। मुझे लगता है कि बहुत से युवा कम से कम दोनों को जारी रखने के लिए आत्मविश्वास प्राप्त कर सकते हैं। यतिराज ने कहा, हर कोई जो समर्थन, स्नेह जता रहा है, वह बहुत अच्छा है। एक समय था, जब देश में मशहूर हस्तियां फिल्मी सितारे और क्रिकेटर हुआ करते थे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अब टोक्यो ओलंपिक और पैरालंपिक भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण रहा है, क्योंकि ओलंपियन और पैरालपियनों को, जो प्रशंसा और पहचान मिल रही है, यह

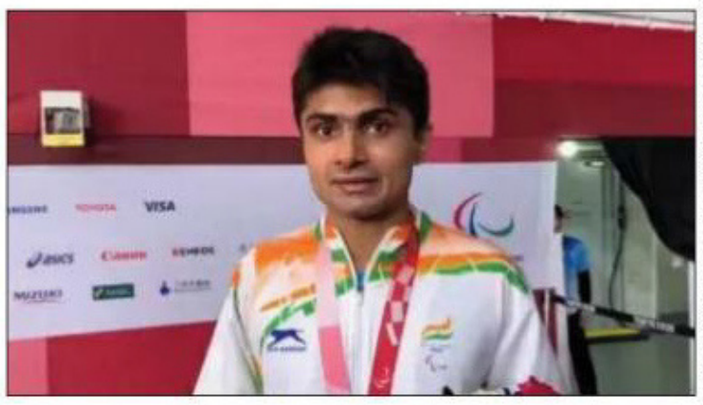

निश्चित रूप से दिल को छू लेने वाला है।

यतिराज ने कहा, बैडमिंटन मेरे लिए ध्यान है। मैं बेहद व्यवस्थित हूं। मैं अपने आक्रमण कौशल, रक्षा कौशल, अपनी पहुंच विकसित करता हूं। मैं कमजोर हिस्से पर बारीकी से काम करता हूं और यह भी कि मैं मैच में कैसे सामना करूंगा। मैं अपने दिमाग में मैचों की कल्पना करता हूं। मेरे पास ऐसे तरीके हैं, जो मुझे खेलते समय आराम देते हैं।